शर्मा हार्डওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 196 | गुवाहाटी | बुधवार, 8 फरवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत के डिजिटल एप्लिकेशन में अंतर्निहित लोकतांत्रिक सिद्धांत हैं : प्रो. मुखी पेज 3
लोक हितैषी बजट की अपनी परंपरा को सरकार ने रखा है बरकरार : प्रधानमंत्री पेज 4
कांग्रेस ने राम के अस्तित्व को नकारा : योगी आदित्यनाथ पेज 5
जयपुर एयरपोर्ट पर टर्मिनल विस्तार से मिलेगी जाम की समस्या से निजात पेज 8

त्रिपुरा समेत पूरे पूर्वोत्तर में उग्रवाद-अलगाववाद समाप्त : राजनाथ

अगरतला (हि.स.)। त्रिपुरा में आगामी 16 फरवरी को होने जा रहे विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राज्य की सत्ताधारी पार्टी भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को वेस्ट त्रिपुरा जिला के बाधारघाट स्थित एसडी मिशन मैदान में भाजपा की विजय संकल्प रैली में भाजपा सरकार के कार्यों गिनाते हुए भाजपा उम्मीदवारों को विजयी बनाने की मतदाताओं से अपील की। रैली को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में त्रिपुरा में करिश्माई काम हुआ है। आज त्रिपुरा ही नहीं पूरे पूर्वोत्तर में उग्रवाद और अलगाववाद लगभग समाप्त हो चुका है। यहां शांति की स्थापना हुई है। उन्होंने कहा कि अच्छी सरकार चलाने की कला अगर किसी के पास है तो भाजपा के पास है। सिंह ने कहा कि कोरोना के संकट से निपटने में जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम हुआ है उसकी प्रशंसा पूरी दुनिया में हुई है। उन्होंने कहा कि इस देश को आजाद कराने में आदिवासी समाज का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने सवाल करते हुए पूछा कि राज्य की विपक्षी पार्टी सीपीएम और कांग्रेस ने आदिवासी समाज के लिए क्या किया है? वहीं एक समय -शेष पृष्ठ दो पर

क्षेत्रीय अखंडता से समझौता नहीं करेगी भाजपा : हिमंत

अगरतला। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) त्रिपुरा की क्षेत्रीय अखंडता के साथ समझौता नहीं करेगी, भले ही वह राज्य में अगली सरकार बनाने में नाकाम ही क्यों न हो जाए। सिपाही जाला जिले का मेलाघर में एक रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि भाजपा स्वदेशी लोगों को सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और भाषाई रूप से सशक्त बनाने के लिए सब कुछ देने को तैयार है, लेकिन त्रिपुरा के विभाजन के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि मेरी प्रद्योत देबबर्मा के साथ दो बैठकें हुई हैं, जो ग्रेटर टिपरालैंड की मांग कर रहे हैं। मैंने उनसे सीधे तौर पर कहा कि भाजपा पूरी तरह से त्रिपुरा के विभाजन के खिलाफ है। शर्मा ने कहा कि उनके (प्रद्योत देबबर्मा के) दादा (त्रिपुरा रियासत के पूर्व महाराजा बीर बिक्रम माणिक्य) ने ग्रेटर टिपरालैंड बनाने की मांग नहीं की थी, तो यह मांग अब क्यों उठाई जा रही है? उत्तर-पूर्वी लोकतांत्रिक गठबंधन के अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि इस तरह के मुद्दे को उठाने की हिम्मत सिर्फ भाजपा में है, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस इससे किनारा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा स्वदेशी लोगों को सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और भाषाई रूप से सशक्त बनाने के लिए सब कुछ देने को तैयार है, लेकिन वह त्रिपुरा के विभाजन के खिलाफ है। हम राज्य की क्षेत्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

बाल विवाह में अब चार्जशीट फाइल करने की चुनौती : डीजीपी

नई दिल्ली। असम में बाल विवाह के खिलाफ बड़े पैमाने पर पुलिस अभियान जारी है। इस बीच, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने बातचीत में इस मामले में जानकारी दी। उन्होंने मंगलवार को कहा कि असम में बाल विवाह के मामलों में गिरफ्तारियों की संख्या 2,500 को पार कर गई है। अब सबसे बड़ी चुनौती समय सीमा के अंदर चार्जशीट दाखिल करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस का किसी को परेशान करने का कोई उद्देश्य नहीं है। हमारा लक्ष्य है कि अगले दो-तीन साल के भीतर राज्य में बाल विवाह को पूरी तरह से रोकना है। सिंह ने कहा कि हमने बाल विवाह से जुड़े मामलों में अब तक 4,074 केस दर्ज किए हैं और आज सुबह तक 2,500 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन मामलों में सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उन्हें गिरफ्तार किया -शेष पृष्ठ दो पर

सुपर काऊ के एक लाख लीटर दूध पर वैज्ञानिकों की चिंता

नई दिल्ली। चीन के वैज्ञानिकों ने एक सुपर काऊ (गाय) बनाने का दावा किया है, जो अपने जीवन काल में एक लाख लीटर तक दूध दे सकती है। चीन के इस दावे पर कई सवाल भी खड़े हो गए हैं। दुनिया के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक देश भारत के वैज्ञानिकों ने कई सवाल उठाए हैं। भारतीय वैज्ञानिक मानते हैं कि इससे दूध की गुणवत्ता प्रभावित होगी। गायों की उत्पादक उम्र पर भी इसका असर पड़ेगा। कुछ वैज्ञानिक यह भी कह रहे हैं कि इससे गाय में बीमारियां बढ़ जाएंगी।

धर्म के आधार पर घृणा-अपराध की जगह नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत जैसे पंथनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर घृणा अपराधों की कोई गुंजाइश नहीं है और घृणा फैलाने वाले भाषणों को लेकर आम सहमति बढ़ रही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि घृणा फैलाने वाले भाषणों पर कतई कोई समझौता नहीं हो सकता और अगर सरकार इसे समस्या माने तभी इसका समाधान तलाशा जा सकता है। किसी भी घृणा अपराध से अपने नागरिकों को बचाना सरकार का प्राथमिक कर्तव्य है। जस्टिस के.एम. जोसेफ और जस्टिस बी.वी. नागरत्ना की पीठ ने कहा कि जब घृणा अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जाती तो ऐसा वातावरण बनता है जो बेहद खतरनाक होता है। इसे हमारी जिंदगियों से उखाड़ फेंकना होगा। शीर्ष अदालत एक मुस्लिम व्यक्ति काजिम अहमद शेरवानी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसने आरोप लगाया था कि चार जुलाई, 2021 को एक स्क्रूड्राइवर गैंग ने धर्म के आधार पर उसके साथ दुर्व्यवहार और हमला किया था जब वह एक कार से नोएडा से अलीगढ़ जा -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

रक्षा निर्माण में महाशक्ति बन सकता है भारत : सीडीएस चौहान

नई दिल्ली। रक्षा निर्माण में निजी क्षेत्र के योगदान की सराहना करते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि भारत में सैन्य उपकरण बनाने में एक महाशक्ति के रूप में उभरने की क्षमता है और उसने बड़े और जटिल प्लेटफार्मों को विकसित करने के लिए साधन प्रदर्शित किए हैं। सोमवार को कर्नाटक के तुमाकुरु जिले में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की नई हेलीकॉप्टर फैक्ट्री जो कि भारत की सबसे बड़ी हेलिकॉप्टर निर्माण इकाई है, के उद्घाटन का उल्लेख करते हुए, जनरल चौहान ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद, रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भर बनना देश का सपना था। वह पुणे शहर के चाकन में डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड द्वारा आयोजित माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज डिफेंस एक्सपो 2023 के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। सीडीएस चौहान ने कहा कि जब हम एक शक्तिशाली भारत की कल्पना करते हैं, तो हमारा प्रमुख ध्यान सशस्त्र बलों की ओर जाता है और हम उनकी उपलब्धियों पर गर्व महसूस करते हैं। मेरे अनुसार -शेष पृष्ठ दो पर

अगस्ता वेस्टलैंड : क्रिश्चियन मिशेल की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अगस्ता वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर घोटाला मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को जमानत देने से इनकार कर दिया। मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों कर रहे हैं। कथित तौर पर 3,600 करोड़ रुपए का यह घोटाला अगस्ता वेस्टलैंड से 12 वीवीआईपी हेलिकॉप्टर की खरीद से संबंधित है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि जेम्स की यह दलील कि उसे इस आधार पर जमानत पर रिहा किया जाए कि उसने मामलों में अधिकतम सजा का आधा हिस्सा काट लिया है, स्वीकार नहीं की जा सकती। हालांकि पीठ ने कहा कि वह निचली अदालत के समक्ष नियमित जमानत के लिए रुख कर सकता है। जेम्स ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 436ए के तहत जमानत का अनुरोध किया, जिसमें कहा गया है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपराध के लिए निर्धारित अधिकतम सजा का आधा हिस्सा काट लिया है तो उसे जमानत पर रिहा किया जा सकता है। अधिवक्ता अल्जो के जोसेफ ने दलील दी कि 2018 में दुबई से प्रत्यर्पण के बाद, जेम्स ने चार साल से अधिक समय जेल में बिताया है, जबकि जिन अपराधों के लिए उसे प्रत्यर्पित किया गया था, उनके लिए निर्धारित अधिकतम सजा सात साल है। सीबीआई और ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल संजय जैन ने कहा कि मामलों की जांच अभी भी जारी है और *लेटर रोगेटरी* (न्यायिक पत्र) संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और हांगकांग को भेजे गए हैं। पीठ ने तब जैन से सवाल किया कि जेम्स को कितने समय तक हिरासत में रखा जा सकता है, जबकि जांच अभी भी जारी है, वहीं मामले में आरोपपत्र और पूरक आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

राहुल का अदाणी को लेकर मोदी-डोभाल पर निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उद्योगपति गौतम अदाणी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से लेकर केंद्र की अग्निवीर योजना पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने भारत जोड़ो यात्रा से बहुत कुछ सीखा। राहुल ने कहा कि आज पैदल यात्रा करने की परंपरा खत्म हो गई है। शुरुआत में चलते वक्त हम लोगों की आवाज सुन रहे थे, मगर हमारे दिल में यह भी था कि हम भी अपनी बात रखें। हमने हजारों लोगों से बात की, बुजुर्गों से और महिलाओं से बात की। -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए : 31 डीएम अधिकृत दिल्ली समेत नौ राज्य शामिल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नागरिकता कानून के तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों को भारत की नागरिकता मंजूर करने के लिए नौ राज्यों के 31 जिलों के जिला मजिस्ट्रेटों को अधिकार दिया गया है। प्रत्येक मामले को जांचने के बाद प्रतिनिधिमंडल को गैर मुस्लिम विदेशी नागरिकों के आवेदनों को त्वरित गति से जिला स्तर पर ही सुलझा लिया जाएगा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा को मंगलवार को लिखित जवाब में बताया कि यह 31 जिले छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और दिल्ली राज्य में हैं। इन नौ राज्यों के जिलों को आवेदकों की आवश्यकता के आधार पर चुना गया है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों जैसे हिंदू सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों के भारतीय नागरिकता लेने के आवेदनों पर फैसला 31 जिलों के कलेक्टर करेंगे। केंद्र सरकार ने इन जिलों के डीएम को यह -शेष पृष्ठ दो पर

सभी ब्राह्मणों नहीं ठहराया दोषी : कुमारस्वामी

बेंगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने मंगलवार को यूटर्न लेते हुए कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया और उन्होंने सभी ब्राह्मणों को दोषी नहीं ठहराया था। जनता दल (सेक्युलर) के दूसरे नंबर के नेता ने यह भी कहा कि उनके पास हमेशा कुछ प्रतिष्ठित धर्म गुरुओं की तस्वीरें रहती हैं, जो ब्राह्मण समुदाय से हैं। बयान पर विवाद होने के बाद कुमारस्वामी ने कहा, मैंने कभी जाति आधारित राजनीति नहीं की। जब भी लोग मदद के लिए मुझसे संपर्क करते हैं तो मैंने कभी लोगों से उनकी जाति नहीं पूछी। मैं उनमें से नहीं हूं जो लोगों को उनकी जाति के लिए अपमानित करे। ब्राह्मण समुदाय -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जो अपने कर्म को नहीं पहचानता, वह अंधा है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

कुशासन में माकपा-भाजपा एक समान : ममता

कोलकाता (हिंस)। त्रिपुरा में आसन्न विधानसभा चुनाव से पहले मुख्य विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को पांच किलोमीटर लंबी पदयात्रा के बाद माकपा, भाजपा और कांग्रेस पर एक सुर में हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि तीनों एक हैं। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि 25 सालों तक वामदलों ने यहां अपनी सरकार के दौरान राज्य को खूब लूटा, जमकर भ्रष्टाचार किया, विपक्ष के खिलाफ -शेष पृष्ठ दो पर

श्रद्धा की हड्डियों को पीस कर पाउडर को लगाता था ठिकाने : पुलिस

नई दिल्ली। श्रद्धा हत्याकांड में एक बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपी आफताब पर आरोप लगाया कि वह श्रद्धा की हड्डियों को ग्राइंडर में पीसता था, और उसके बाद हड्डियों के चूरा (पाउडर) को ठिकाने लगाता था। साकेत कोर्ट ने मंगलवार को आरोपी आफताब अमीन पूनावाला के खिलाफ दिल्ली पुलिस द्वारा दाखिल किए गए आरोप पत्र पर मंगलवार को संज्ञान लिया। कोर्ट ने आरोप-पत्र की एक कॉपी आफताब के वकील को भी उपलब्ध कराई है। आफताब पर अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा वालकर का गला घोंटने और उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े करने का आरोप है। अदालत ने आरोप-पत्र की जांच के लिए मामले में अगली तारीख 21 फरवरी दी है। पुलिस ने 24 जनवरी को 6,629 पन्नों की आरोप-पत्र (चार्जशीट) दाखिल की थी। पुलिस ने बताया कि आफताब में शव के टुकड़े करने के बाद आरी को जंगल में फेंकने की भी बात कबूली है। पुलिस ने चार्जशीट में दावा किया है कि आरोपी आफताब आमी पूनावाला कई और -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया पर बड़े युद्ध का खतरा : यूएन प्रमुख

संरा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने आगाह किया कि दुनिया अभी तक के सबसे चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रही है और उस पर एक व्यापक युद्ध का खतरा मंडरा रहा है। गुतारेस ने यह बयान ऐसे समय में दिया है, जब यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को इस माह के अंत में एक साल पूरा होने जा रहा है। गुतारेस ने कहा कि 2023 में दुनिया की स्थिति का सर्वेक्षण करने वाले विशेषज्ञों ने दावा किया कि *डूम्सडे क्लॉक* में मध्य रात्रि (रात के 12 बजे) होने में अभी केवल 90 सेकंड का वक्त बचा है, जो *पूर्ण वैश्विक तबाही* के सबसे करीब है। बुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्स के अनुसार, डूम्सडे क्लॉक मानव निर्मित वैश्विक तबाही की आशंका को दर्शाने वाला प्रतीक है। विश्व निकाय के महासचिव ने यूक्रेन में युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि जलवायु तबाही, बढ़ते परमाणु खतरे, दुनिया के अमीरों तथा वंचित वर्ग के बीच बढ़ती खाई और भू-राजनीतिक विभाजन...वैश्विक एकजुटता व विश्वास को कम कर रहे हैं। गुतारेस ने 193 सदस्य देशों की महासभा से निकट भविष्य में फैसले करने के अपने नजरिए को बदलने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी कदम का कल हम पर क्या असर होगा उसे देखते हुए कार्रवाई करना गैर जिम्मेदाराना और अनैतिक है। उन्होंने कहा कि इस साल यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

होटल का बिल नहीं चुकाया तो लग्जरी गाड़ियां होंगी जब्त

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में होटल बिल की रिकवरी का दिलचस्प मामला सामने आया है। यहां 2 गेस्ट लग्जरी होटल में रुके। 6 महीने खूब मौज-मस्ती की। जब 19 लाख का बिल देने की बारी आई तो खिसकने लगे। यह देख होटल मैनेजमेंट ने उनकी लग्जरी गाड़ियां ऑडी और क्रूज को ही जब्त कर लिया, जिनकी कीमत 58 लाख है। इस घटना को 5 साल बीत गए, लेकिन वे दोनों अपनी गाड़ियां लेने नहीं आए। अब चंडीगढ़ इंडस्ट्रियल एंड टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (सीआईटीसीओ) 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे के दिन इन दोनों लग्जरी गाड़ियों को नीलाम करने जा रहा है। चंडीगढ़ के पॉश सेक्टर 17 में सीआईटीसीओ शिवालिक व्यू के नाम से फोर स्टार होटल चला रहा है। साल 2018 में यहां अश्विनी कुमार चोपड़ा और रमणीक बंसल नाम के दो कस्टमर आए। वे 6 महीने तक होटल में रहे। उन्होंने यहां खूब मौज-मस्ती की और होटल की हर सुविधा का लुत्फ उठाया। जब उन्होंने चेकआउट किया तो होटल ने उन्हें 19 लाख का बिल थमा दिया। यह बिल देख दोनों की हालत पतली हो गई। पहले तो दोनों ने वहां से खिसकने की कोशिश की, मगर होटल की सिक्योरिटी ने उन्हें पक ? लिया। जिसके बाद उन्हें बिल भरने को कहा गया। उन्होंने बिल के नाम पर 6-6 लाख के तीन चेक दे दिए। जब होटल ने ये चेक बैंक में जमा किए तो वे बाउंस हो गए। इसके बाद होटल ने उनकी ऑडी क्यू 3 और शेवरले क्रूज गाड़ी को गिरवी रख लिया। इस घटना को पांच साल बीत गए, लेकिन वे गाड़ियां लेने वापस नहीं आए। इसके बाद होटल ने इन्हें बेचकर भरपाई करने की योजना बनाई है। साल 2020 में किराए की भरपाई के लिए सीआईटीसीओ ने रमणीक बंसल को पार्टी बनाते हुए यह केस चंडीगढ़ जिला अदालत में दायर किया था। मामले में मार्च 2021 में कोर्ट सुनवाई के दौरान रिपोर्ट का हवाला दे कहा गया था कि मामले में प्रतिवादी पक्ष (कार मालिक रमणीक बंसल) को भेजे गए समन वापस आ गए थे। घर पर ताला लगा हुआ था और वह किराए पर रहते थे। वहीं दूसरा पता होशियारपुर का था, जहां समन भेजे गए थे। हालांकि प्रतिवादी पक्ष की कोई जानकारी न मिलने पर अगस्त 2021 में पब्लिकेशन भी करवाया गया, मगर कोर्ट में कोई पेश नहीं हुआ।

अग्निवीर योजना से देश का युवा सहमत नहीं : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा में चर्चा के दौरान हिस्सा लिया। राहुल ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से बहुत कुछ सीखने को मिला। इस दौरान जनता से बात करने का मौका मिला। आजकल राजनेताओं की ओर से पैदल चलने का चलन अब कम हो गया है। राहुल ने कहा कि यात्रा के दौरान लोग हमसे मिले। लोगों ने हमसे सवाल किए। लोग हमसे बेरोजगारी को लेकर सवाल पूछते थे। थोड़ी देर चलने के बाद एक बदलाव आया। हम सबसे अपनी बात बताने का अहंकार होता है। 500 किमी चलने के बाद जनता की आवाज गहराई से सुनाई देने लगी। राहुल ने कहा कि यात्रा के दौरान लोग आते थे और कहते थे बेरोजगार हैं। हजारों किसान भी हमारे पास आए। पीएम बीमा किसान योजना की बारे में बताया। किसानों ने बताया कि बीमा का पैसा उन्हें नहीं मिलता। किसानों ने ये भी कहा कि हमारी जमीन छीन ली जाती है। राहुल ने कहा कि लोगों ने अग्निवीर पर भी बातचीत की। सरकार ने बताया कि अग्निवीर से लोगों को फायदा होगा, लेकिन देश का युवा आपकी बात से सहमत नहीं है।

त्रिपुरा में शुभेंदु ने कहा, तृणमूल को नोटा से भी कम वोट मिलेंगे

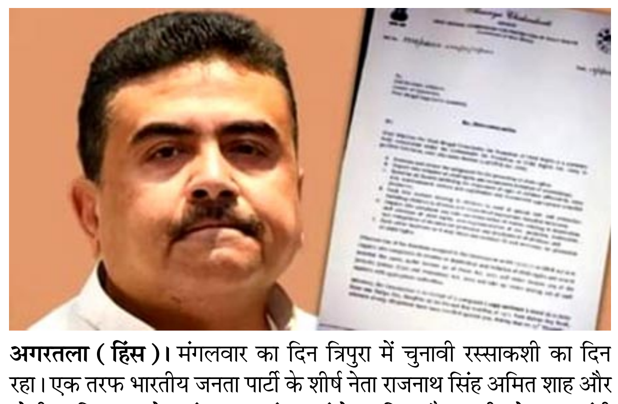

अगरतला (हिंस)। मंगलवार का दिन त्रिपुरा में चुनावी रस्साकशी का दिन रहा। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता राजनाथ सिंह अमित शाह और योगी आदित्यनाथ ने यहां जनसभाएं कर संबोधन किया है। दूसरी ओर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को साथ लेकर पांच किलोमीटर की लंबी पदयात्रा के बाद भाजपा और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। इस दौरान भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ वरिष्ठ विधायक और बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी भी त्रिपुरा में मौजूद थे। उन्होंने भी संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी

जोरहाट (हि.स.)। जोरहाट महाविद्यालय के शिक्षा विभाग की पहल पर डायमंड जयंती के अवसर पर एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन असम महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अजंता बरगोहाई राजकोंवर ने किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित सेमिनार में देश के कई विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के विशिष्ट वक्ताओं ने भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर प्रकाश डाला।

चार नक्सली सहयोगियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

धमतरी (हिंस)। प्रतिबंधित नक्सलियों को सामान उपलब्ध कराने वाले चार नक्सली सहयोगियों को धमतरी व गरियाबंद पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर गिरफ्तार किया है। सहयोगियों के पास से पुलिस ने नक्सली सामग्री भी जब्त की है। आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज कर रिमांड पर जेल भेज दिया है। एसपी कार्यालय धमतरी से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि जिला गरियाबंद एवं धमतरी के वनांचल क्षेत्रों में कुछ लोगों के द्वारा प्रतिबंधित नक्सलियों को सामान उपलब्ध कराने के लिए कुछ सामान बाहर से मंगाया गया है, जो उक्त सामानों को नक्सलियों तक पहुंचाने के लिए कोशिश में गरियाबंद और धमतरी जिले के कुछ नक्सली सहयोगी लोग लगे हुए हैं। इसे गंभीरता से लेते हुए गरियाबंद एसपी अमित तुकाराम कांबले एवं धमतरी एसपी प्रशांत ठाकुर ने संयुक्त टीम बनाकर अपने नेतृत्व में जिला धमतरी एवं गरियाबंद के वनांचल क्षेत्रों में गश्त, सर्चिंग के लिए रवाना हुए थे। इस दौरान ग्राम भोथली में पुलिस बल को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति थैला में कुछ सामान संदिग्ध हालत में ले जा रहा है। पुलिस जवानों ने उसे पकड़ा और पूछताछ किया, तो उसने अपना नाम ताम्रध्वज उर्फ रिंकु साहू उम्र 26 वर्ष ग्राम भोथली थाना नगरी का रहने वाला बताया। इसे हिरासत में लेकर जब जवानों ने कड़ाई से पूछताछ किया, तो वह स्वयं, अपने पिता शिवकुमार साहू, राकेश कश्यप एवं ईश्वर लाल नेताम के साथ मिलकर माओवादी नक्सलियों के लिए कार्य करना बताया। नक्सली सहयोगियों ने बताया कि उसके मीटिंग में हमेशा उपस्थित रहना, क्षेत्र के व्यपारियों ठेकेदारों से रकम उगाही कर नक्सलियों तक पहुंचाना, माओवादियों के साथ मिलकर राष्ट्र विरोधी विचारधारा का ग्रामीण क्षेत्रों में घूम-घूम कर प्रचार-प्रसार करना समेत आदि नक्सलियों के क्षेत्र में आने पर उसके लिए भोजन आदि का व्यवस्था करना तथा राशन एवं अन्य दैनिक उपयोगिता का सामान लगातार पहुंचाना बताया। वर्तमान में वाकी टाकी फ्लिप कार्ट से मंगाकर अन्य आवश्यक सामग्री को नक्सलियों तक भेजने का प्रबंध करना

महाशिवरात्रि के अवसर पर मुकुरिया स्टेशन पर ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

गुवाहाटी (विभास)। श्रद्धालुओं के सुविधार्थ महाशिवरात्रि के अवसर पर मुकुरिया स्टेशन पर 17 से 20 फरवरी, 2023 तक दो मिनट के लिए कुछ ट्रेनों का अस्थाई ठहराव करने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन सं. 15719 (कटिहार-सिलीगुड़ी जंक्शन) इंटरसिटी एक्सप्रेस मुकुरिया स्टेशन पर 06:54 बजे पहुंचेगी और 06:56 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन सं. 15720 (सिलीगुड़ी जं.-कटिहार) इंटरसिटी एक्सप्रेस मुकुरिया स्टेशन पर 17:07 बजे पहुंचेगी और 17:09 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन सं. 15463 (बालुरघाट-सिलीगुड़ी जं.) इंटरसिटी एक्सप्रेस मुकुरिया स्टेशन पर 15:35 बजे पहुंचेगी और 15:37 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन सं. 15464 (सिलीगुड़ी जंक्शन-बालुरघाट) इंटरसिटी एक्सप्रेस मुकुरिया स्टेशन पर 11:04 बजे पहुंचेगी और 11:06 बजे प्रस्थान करेगी। इन ट्रेनों के ठहराव और समय-सारिणी का विवरण आईआरसीटीसी वेबसाइट और एनटीईएस पर उपलब्ध है और विभिन्न समाचार पत्रों एवं पूसी रेल के सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी अधिसूचित की जा रही है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले विवरण की जांच कर लें।

पुलिस की गोलीबारी में एक तस्कर घायल, दो गिरफ्तार

बरपेटा (हि.स.)। बारपेटा रोड में हुई मुठभेड़ के संबंध में बाक्सा जिला के पुलिस अधीक्षक राजेन सिंह ने मंगलवार को बताया कि मादक पदार्थ की तस्करी के लिए ड्रग्स माफिया ने अपने वाहन के सामने प्रेस लिखकर पुलिस की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश की। पुलिस अधीक्षक के अनुसार आज तड़के बरपेटारोड के मझगांव में ड्रग्स माफिया के एक समूह को पकड़ने के लिए पुलिस ने गोलीबारी की जिसमें बीसा मियां नामक एक ड्रग्स माफिया घायल हो गया। गोलीबारी में घायल ड्रग्स माफिया का घर बरपेटा जिला के भालुकी गांव का निवासी है। पुलिस की कार्रवाई में दो ड्रग्स माफिया इनामुल हक और बिलाल हुसैन को गिरफ्तार किया गया है। दोनों ड्रग्स माफिया बरपेटा जिला के हाउली से भराली गांव के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक के अनुसार तस्करों के पास से क्रिस्टल मेड ड्रग्स के तीन पैकेट, सात अन्य ब्राउन शुगर से भरे प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर, सात एटीएम और 22 अन्य दस्तावेज, तीन मोबाइल फोन और नकदी जब्त की गई है।

No.DJB/2023/214

NOTICE INVITING e-TENDER

The Superintendent, District Jail, Barpeta, Assam invites e-Tenders in two Bid System (Technical Bid & Financial Bid) affixing Court Fee Stamp of Rs.8.25 from the Supplier / Firms / Dealer for supply of Dietary Articles (i.e. Group-A, B, C, D, & E) required for the Financial Year **2023-24** through the e-Tender portal https://assamtenders.gov.in on or before **07-02-2023 up to 1.00 P.M.**

The tender documents/Bid indicating the details of specification of the Dietary articles, term and condition etc. can be downloaded from the Govt. websitehttps://assamtenders.gov.in.

Rates slabs for online Tender Processing Fees are:-Rs.900/- for Group-"A", Rs.200/- for Group-"B", Rs.300/- for Group-"C", Rs.300/- for Group-"D", & Rs.100/- for Group-"E",

The participating bidders should have valid Digital Signature Certificate of Class-II (*minimum*) & have to register in the portal https://assamtenders. gov.in

Documents download date and submission of Tender starts-**07.02.2023 at 7:00 P.M. onwards**

Last Date & Time for online submission Tenders **21-02-2023 up-to 1.00 P.M**

Last Date & Time for submission of Hard Copy of Technical Bid **21-02-2023 up to 1.00 P.M**

Date & Time of opening e-Tenders **22-02-2023 at 1.30 P.M**

Sd/-
Superintendent
District Jail, Barpeta

-- Janasanyog /C/19529/22

पृष्ठ एक का शेष

त्रिपुरा समेत पूरे ...

एक-दूसरे का विरोध करने वाली कांग्रेस और सीपीएम अब त्रिपुरा में साथ मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। जीरो और जीरो मिलकर जीरो ही रहेंगे। राजनाथ सिंह ने राज्य के विकास परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पहले त्रिपुरा के ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में कच्चे मकान थे या बहुत से लोग थे जिनके सिर पर छत भी नहीं थी। आज हर गरीब के सिर पर छत देने का संकल्प हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया और बड़ी संख्या में मकान गरीबों को दिए गए हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आप याद कीजिए कि जैसे पहले यहां का अनानास यहीं खराब हो जाता था। मगर आज यहां का अनानास बांग्लादेश, दुबई और जर्मनी तक जा रहा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि कुछ ही वर्षों में यहां के किसानों की औसत आमदनी पहले से लगभग दोगुनी हो गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का नाम लिए बिना कहा कि हमने आदिवासी समाज से आने वाली बहन को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचाया। मगर कांग्रेस ने इसका विरोध किया। यदि यहां पर सुराज को और अधिक मजबूत करना चाहते हैं तो भाजपा को पुन: बम्पर बहुमत देकर विजयी बनाएं।

क्षेत्रीय अखंडता से ...

अखंडता से समझौता नहीं करेंगे, भले ही पार्टी वहां अगली सरकार बनाने में विफल हो जाए। केंद्र की ओर से किए गए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि मुफ्त चावल से लेकर मुफ्त टीका तक...लोगों को सभी चीजें उपलब्ध कराई गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा लोगों के कल्याण के बारे में सोचते हैं। रैली में मौजूद केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक ने बांग्लादेश से सटे राज्य में विकास को गति देने के लिए लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। भौमिक सिपाहीजाला जिले की धनपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं।

बाल विवाह में ...

जाएगा और उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि बाल विवाह के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई काफी तेजी से जारी है। अब सबसे बड़ी चुनौती 60 से 90 दिनों की समय सीमा के भीतर चार्जशीट दाखिल करना है। 65 अभियुक्तों के जमानत हासिल करने पर डीजीपी ने कहा कि जमानत ठीक है। मेरे लिए यह महत्वपूर्ण नहीं है कि कौन कितने समय तक जेल में रहता है। यह महत्वपूर्ण है कि उन्हें चार्जशीट किया जाए और उन्हें कानून का सामना करना पड़े। सिंह ने कहा कि ऑपरेशन के पीछे मूल विचार इस साल बाल विवाह को कम करना और दो-तीन साल के भीतर राज्य में इसे पूरी तरह से रोकना है। कानून के आधार पर मुद्दे को संबोधित करना एक बात है। यह भी एक प्रकार की जागृति है कि यह (बाल विवाह) बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी अच्छी है और हम कानूनी कार्रवाई करेंगे, मूल विचार बाल विवाह को रोकना है। उत्पीड़न हमारा उद्देश्य नहीं है, हमारा उद्देश्य बाल विवाह को रोकना है। इस मामले में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा का भी बयान आ चुका है। उन्होंने कहा था कि यह अभियान 2026 के विधानसभा चुनाव तक जारी रहेगा। शर्मा ने कार्रवाई को सही ठहराते हुए कहा था कि पिछले साल 6.2 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं में से लगभग 17 प्रतिशत राज्य में किशोर थीं। विपक्ष इसे बेवजह मुद्दा बना रहा है। राज्य कैबिनेट ने हाल ही में 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वाले पुरुषों को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉस्को) के तहत बुक करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कैबिनेट ने फैसला किया था कि 14 से 18 साल की उम्र की लड़कियों की शादी करने वालों के खिलाफ बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत मामले दर्ज किए जाएंगे। अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा और विवाह को अवैध घोषित किया जाएगा।

धर्म के आधार पर ...

रहा था। पीठ ने इस मामले की सुनवाई शाम करीब छह बजे तक की, इस दौरान जस्टिस जोसेफ ने राजस्थान में हुई एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि एक मूक व्यक्ति पर हमला किया गया था और बाद में पता चला कि वह हिंदू था। उन्होंने कहा कि अगर आप इसकी (घृणा अपराध) अनदेखी करेंगे तो एक दिन यह आपके विरुद्ध होगा। साथ ही कहा कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि कुछ लोगों का आचरण सांप्रदायिक होता है। मामले की अगली सुनवाई तीन मार्च को होगी।

रक्षा निर्माण में ...

सशस्त्र बलों के पीछे एक बड़ा रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा है, जो देश को शक्तिशाली बना रहा है और यह रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र काम करता है। सीडीएस ने कहा कि जो लोग वर्दी नहीं पहनते हैं और सेना, नौसेना या वायु सेना अधिनियम के तहत नहीं आते हैं, लेकिन उनमें राष्ट्र के लिए कुछ करने की तीव्र इच्छा होती है और वे हमेशा उस इच्छा से प्रेरित होते हैं। मुझे लगता है कि देश को और अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए मूक बहुमत की बड़ी भूमिका होती है और हमें इस योगदान को पहचानना चाहिए। इसलिए मैं यहां इस मूक बहुमत को मान्यता देने आया हूं और कहता हूं कि आप सभी लोग हमारे साथ हैं। देश को शक्तिशाली बनाने की प्रक्रिया में आपलोगों के योगदान की जरूरत है। सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि आजादी के बाद रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर एवं स्वतंत्र बनना देश का सपना था। आयुध कारखानों और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) ने उस लक्ष्य को साकार करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। कुछ समय पहले, रक्षा क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोल दिया गया था और मेक-इन-इंडिया पहल पर जोर दिया गया था जिसका उद्देश्य देश को विनिर्माण पावरहाउस बनाना था। जनरल चौहान ने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि सरकार के ये दो प्रयास भारत के युवाओं और उद्यमियों की शक्ति को उजागर करेंगे। एनआईबीई डिफेंस इस उद्यमिता का एक बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र के योगदान को देखते हुए यह देखा जा सकता है कि भारत रक्षा निर्माण में एक महाशक्ति के रूप में उभर सकता है।

अगस्ता वेस्टलैंड : क्रिश्चियन...

जेम्स ने 11 मार्च, 2022 के दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी जिसमें सीबीआई और ईडी दोनों मामलों में उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। दोनों मामलों में अपनी रिहाई का अनुरोध करते हुए जेम्स ने कहा था कि जांच के लिए उसकी जरूरत नहीं है और उसने जांच में सहयोग करने की इच्छा जताई थी। सीबीआई ने अपने आरोपपत्र में 55.62 करोड़ यूरो (करीब 3,600 करोड़ रुपए) के 12 वीवीआईपी हेलिकॉप्टर की आपूर्ति के लिए 8 फरवरी, 2010 को हुए सौदे के कारण सरकारी खजाने को 39.82 करोड़ यूरो (करीब 2,666 करोड़ रुपए) का अनुमानित नुकसान होने का आरोप लगाया। ईडी ने जून 2016 में दाखिल अपने आरोपपत्र में आरोप लगाया था कि जेम्स को अगस्ता वेस्टलैंड से तीन करोड़ यूरो (करीब 225 करोड़ रुपए) मिले थे।

राहुल का अदाणी ...

इस प्रकार से यात्रा हमसे हमसे बात करने लगी। लोकसभा में राहुल ने कहा कि कोई गाड़ी, कोई हवाई जहाज में जाता है, लेकिन हम पैदल कम चलते हैं। हम सब जगह पैदल जाएंगे, घबराइए मत। मैं एक-दो किलोमीटर, दस या पच्चीस किलोमीटर की बात नहीं कर रहा हूं। जब तीन-चार सौ किलोमीटर पैदल चला जाता है, तब शरीर में मुश्किल आती है। शुरुआत में चलते वक्त लोगों की आवाज हम सुन रहे थे, लेकिन हमारे दिल में यह भी था कि हम भी अपनी बात रखेंगे। कोई हमारे पास आता था, तो कहता था कि मैं बेरोजगार हूं। हम पूछते थे कि आप बेरोजगार क्यों हो ? हम आपकी (सत्ता पक्ष) भी बुराई कर लेते थे। राहुल ने कहा कि मैंने जिंदगी में इस प्रकार के अनुभव सुने नहीं थे। पांच-छह सौ किलोमीटर चलने के बाद जनता की आवाज गहराई से सुनाई देने लगी। फिर यात्रा हमसे बोलने लगी। यह गहरी बात है। किसानों ने कहा कि हमारी जमीन छीन ली जाती है। जमीन अधिग्रहण बिल लागू नहीं होता। आदिवासियों ने कहा कि जो कानून में हमें मिलता था, वह आज छीना जा रहा है। बहुत सारी चीजें सुनने को मिलीं, लेकिन मुख्य बातें थीं- बेरोजगारी, महंगाई और किसान। लोगों ने अग्निवीर की भी बात की।

सीएए : 31 डीएम ...

शक्ति नागरिकता कानून, 1955 (सीएए) की धारा-16 के तहत दी है। इस कानून की धारा पांच के तहत नागरिकता के लिए पंजीकरण होगा और धारा छह के तहत उनका देशीकरण होगा। जम्मू-कश्मीर में पिछले साल 31 जवान, 30 नागरिक मारे गए नित्यानंद राय ने बताया कि वर्ष 2022 में जम्मू और कश्मीर में आतंकी हमलों में 30 नागरिक मारे गए। जबकि सुरक्षा बलों के 31 अधिकारी शहीद हो गए और अन्य 221 घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस पालिसी है। जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा के हालात में सुधार हुआ है। इससे पहले, वर्ष 2021 में आतंकी हमलों में 42 जवान और 41 नागरिक मारे गए थे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री राय ने बताया कि एक जनवरी तक सीआरपीएफ और बीएसएफ समेत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) में कुल 83 हजार से अधिक पद खाली हैं। इन सशस्त्र बलों की कुल क्षमता 10,15,237 पदों की है। सीआरपीएफ और बीएसएफ के अलावा सीआइएसएफ, आईटीबीपी, सहस्त्र सीमा बल और असम राइफल्स में भी पद खाली हैं। जुलाई 2022 और जनवरी, 2023 के बीच 32,181 पदों पर नियुक्ति हुई है।

सभी ब्राह्मणों नहीं ...

सुसंस्कृत तरीके से जीवन व्यतीत कर रहा है। कुमारस्वामी ने आगे बताया कि उन्होंने केवल उन लोगों का जिक्र किया था जिन्होंने श्रृंगेरी में चंद्रमौलेश्वर मंदिर पर हमला किया था। जिस वर्ग ने महात्मा गांधी और मराठा शासक शिवाजी की हत्या की थी। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं के पीछे जो लोग हैं, वे कर्नाटक के नहीं बल्कि पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के हैं। कुमारस्वामी ने यह भी कहा कि बेलगावी से संबंधित सीमा विवाद से निपटने के खराब तरीके के कारण उनकी नाराजगी है। कुमारस्वामी ने कहा, जिस तरह से आप बेलगावी को ले रहे हैं, इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए मैंने एक बयान दिया था। मेरा बयान किसी समुदाय को आहत करने वाला नहीं था। श्रृंगेरी पीठ की स्थापना करने वाले आदिगुरु शंकराचार्य का चित्र दिखाते हुए जद (एस) नेता ने कहा कि आप देख सकते हैं कि हमारे कार्यालय में किसकी तस्वीरें हैं। वही तस्वीरें जो आप मेरे बेडरूम में भी पा सकते हैं। दो दिन पहले कुमारस्वामी ने दावा किया था कि विधानसभा चुनाव के बाद केंद्रीय कोयला मंत्री जोशी को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाने के लिए आरएसएस *साजिश* कर रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रह्लाद जोशी पर बरसते हुए कहा था कि वह (जोशी) एक ब्राह्मण संप्रदाय से ताल्लुक रखते हैं, जिससे मराठा पेशवा ताल्लुक रखते हैं, जिसने आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित श्रृंगेरी मठ को कथित तौर पर नष्ट कर दिया था और वहां की मूर्ति को अपवित्र किया था और गांधी की हत्या भी की थी। एक सवाल के जवाब में कुमारस्वामी ने भरोसा जताया कि उनकी पार्टी को आगामी विधानसभा चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिलेगा। हासन विधानसभा सीट से उनकी भाभी भवानी रेवन्ना परिवार की अनिच्छा के बावजूद चुनाव लड़ने की इच्छुक हैं। इस विधानसभा क्षेत्र को लेकर कुमारस्वामी ने कहा, कोई कनफ्यूजन नहीं है। हासन को लेकर एक आसान समाधान निकलेगा।

श्रद्धा की हड्डियों ...

भी लड़कियों को भी डेट कर रहा था, जिनसे वह डेटिंग ऐप के जरिए मिला था। श्रद्धा की हत्या के बाद और उसके टुकड़े करने के बाद वह एक लड़की अपने घर पर भी बुलाकर लाया था। उस समय उसकी लिप-इन पार्टनर श्रद्धा वालकर घर में ही पड़े थे। पुलिस ने आरोप लगाया कि उसके साथ में रहने वाली श्रद्धा पहले से ही मारे जाने के डर में जी रही थी। चार्जशीट में दावा किया कि श्रद्धा वालकर की हत्या के तुरंत बाद आफताब फिर से डेटिंग ऐप बंबल के जरिए कई महिलाओं के संपर्क में आ गया था। श्रद्धा मुंबई के एक कॉल सेंटर में आफताब से मिली थी। 2019 में श्रद्धा एक दिन अचानक आफताब को लेकर अपने घर आ गई थी और उसने मां से कहा था कि वह उसके साथ कहीं लिव इन रिलेशनशिप में रहना चाहती है। बेटी की यह बात सुनकर उसकी मां चौंक गई थी। उन्होंने समझाते हुए श्रद्धा से कहा था कि यहां अंतर धार्मिक विवाह नहीं हो सकता है। इसपर छूटते ही श्रद्धा ने कहा था कि मैं 25 साल की हो गई हूं। मुझे अपने फैसले लेने का पूरा अधिकार है। मुझे आफताब के साथ ही रिलेशनशिप में रहना है। मैं आज से आपकी बेटी नहीं हूं और अपने माता-पिता को छोड़कर दिल्ली रहने आ गई थी। 2021 में मां के निधन के बाद श्रद्धा ने अपने पिता से सिर्फ दो बार ही बात की थी। जब काफी दिनों तक पिता की बेटी श्रद्धा से बात नहीं हुई (और सोशल मीडिया पर अपडेट नहीं था) तो उन्होंने सितंबर में ही मानिकपुर थाने में पुलिस से शिकायत की। फिर दिल्ली में श्रद्धा का पता चलने पर मुंबई पुलिस ने दिल्ली पुलिस से जांच में मदद मांगी। दिल्ली पुलिस ने जब आरोपित को गिरफ्तार किया तो पता चला कि श्रद्धा उसके साथ शादी करना चाहती थी और आफताब शादी से लगातार इनकार कर रहा था।

दुनिया पर बड़े युद्ध का ...

राइट्स (मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा) की 75वीं वर्षगांठ यह याद दिलाने वाली होनी चाहिए कि सभी लोगों के अपरिहार्य अधिकारों की नींव *स्वतंत्रता, न्याय और शांति* है। गुतारेस ने कहा कि आज जिस बदलाव की जरूरत है, उसकी शुरुआत शांति से होनी चाहिए, जिसकी शुरुआत यूक्रेन में होनी चाहिए...जहां दुर्भाग्य से शांति की संभावनाएं कम होती जा रही हैं और तनाव तथा खून-खराबे की आशंका बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि दुनिया आंख बंद करके एक बड़े युद्ध की ओर नहीं बढ़ रही। बल्कि पूरी तरह स्थिति से सजग होकर उसकी ओर बढ़ रही है। गुतारेस ने कहा कि न केवल यूक्रेन में, बल्कि दशकों पुराने इजराइल-फलस्तीनी संघर्ष, अफगानिस्तान जहां महिलाओं व लड़कियों के अधिकार खतरे में है...अफ्रीका का साहेल क्षेत्र जहां सुरक्षा संबंधी समस्या चिंताजनक स्तर पर पहुंच रही है.... दुनिया को हर जगह शांति स्थापित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

कुशासन में माकपा-भाजपा...

उग्र हिंसा का संरक्षण किया और राज्य को विकसित नहीं होने दिया। पिछले पांच सालों से भाजपा की सरकार भी वही कर रही है। दोनों एक हैं। कांग्रेस भी इनके साथ मिली हुई है। एकमात्र तृणमूल कांग्रेस राज्य का विकास कर सकती है। यह बात त्रिपुरा के लोग समझते हैं इसलिए माकपा-भाजपा-कांग्रेस एक होकर मेरे खिलाफ बोलते हैं। इन्हें शर्म भी नहीं आती। त्रिपुरा में पांच साल तक भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता में आने से पहले उन्होंने विकास के बड़े-बड़े वादे किए लेकिन हमलों, अत्याचार और भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं हुआ। अगरतला पहले की तरह ही रहा - केवल एक संकरा फ्लाईओवर जहां दो कारें एक साथ नहीं चल सकतीं, और कुछ दुकानें बनीं। अगर राजधानी ऐसी है तो दूसरे हिस्सों का हाल लोग समझ सकते हैं। पार्टी निवेश नहीं ला सकी, उद्योग स्थापित नहीं कर सकी, या पांच वर्षों में न्यूनतम व्यावसायिक आधारभूत संरचना का निर्माण नहीं कर सकी। बनर्जी ने कहा कि अगर चुनाव में राज्य की सेवा करने का मौका मिलता है तो तृणमूल पश्चिम बंगाल के समान त्रिपुरा का विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। त्रिपुरा में व्यापार केंद्र स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए लेकिन कम से कम विधानसभा चुनाव में जनता का आशीर्वाद तो चाहिए।

स्वर्वेद भाष्य

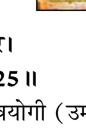

चतुर्थ मंडल **अष्टम अध्याय**

(योगाभ्यास)

मन माया को त्याग कर, बैठे पुरुष दुवार।
सुमिरन प्रेम उमंग में, विरही लगन अपार॥ 25॥

शब्दार्थ : (मन माया) मन का विषय, प्रपंच (विरही)वियोगी (उमंग) तरंग, धुन, बढ़ाव।

भाष्य : प्रभु का वियोगी, प्रेमी अत्यन्त प्रेम के उमंग में मन और उसके सारे प्रपंचों को त्याग कर पुरुष के द्वार पर बैठकर उसका सुमिरन करता है।

चित्तवृत्ति अन्तर करो, कारण मूल विलीन।
जड़ से अलग है चेतना, शुद्ध सुरति भय मीन ॥ 26॥

शब्दार्थ : (कारण) मूल (विलीन) लय, शान्त (चेतना) चितिशक्ति, सुरति (मीन) मछली।

भाष्य : चित्त की वृत्तियों को अन्तर करके उसके मूल कारण में उसे विलीन कर देने पर जड़-प्रकृति से आत्मा की चेतना अलग हो जाती है, तब शुद्ध सुरति मीनवत् प्रभु की उपासना करने लगती है।

राज्यपाल ने विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र में स्मार्ट शिक्षा, सोलर लाइटिंग का किया शुभारंभ

भारत के डिजिटल एप्लिकेशन में अंतर्निहित लोकतांत्रिक सिद्धांत हैं : प्रो. मुखी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि असम का इतिहास भारत की सांस्कृतिक यात्रा की अमूल्य धरोहर है। यह विचारों, विचारधारा, समाज, संस्कृति, विश्वासों और परंपराओं का एक समामेलन है। केवल शिक्षा ही इस अमूल्य संस्कृति को संरक्षित कर सकती है और हमारे असमिया समाज को आगे ले जा सकती है। राज्यपाल ने मंगलवार को कामरूप (मेट्रो) जिला के सोनापुर में नरताप एमई स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र के छात्रों को स्मार्ट शिक्षा (मोबाइल डिजिटल बस) और सोलर लाइटिंग का उद्घाटन करते हुए और इन सेवाओं को समाज को समर्पित करते हुए कहा कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जो मानव मूल्यों को पोषित करने में मदद कर सकता है। एसआरएफ लिमिटेड की सीएसआर शाखा, एसआरएफ फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए, राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से लोगों के जीवन को बदलने की दिशा में, एसआरएफ फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण शिक्षा कार्यक्रम ने कई छात्रों के जीवन को प्रभावित किया है। उन्होंने शिक्षा को डिजिटल बनाने और आसपास के छात्रों के लिए तकनीक-समावेशी शिक्षा को सुलभ बनाने के फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि डिजिटल परिवर्तन वर्तमान युग का सबसे उल्लेखनीय परिवर्तन है। शिक्षकों और छात्रों को डिजिटल रूप से साक्षर होना चाहिए। डिजिटल उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए आवश्यक बुनियादी व्यवहार, ज्ञान और कौशल आज की शिक्षा प्रणाली में आवश्यक हैं। एसआरएफ फाउंडेशन की स्मार्ट शिक्षा डिजिटल बस एक अनूठी मोबाइल पहल है। बस शहरी और ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण क्षेत्रों के बीच डिजिटल खाई को पाटने में मदद करेगी। प्रो. मुखी ने कहा कि गरीबी के खिलाफ दशकों से चली आ रही वैश्विक लड़ाई में डिजिटल तकनीकों का उचित उपयोग एक बल गुणक बन सकता है। पिछले कुछ वर्षों के भारत के अनुभव ने हमें दिखाया है कि यदि हम अपने डिजिटल आर्किटेक्चर को समावेशी बनाते हैं तो यह सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन ला सकता है। डिजिटल एप्लिकेशन सटीकता और गति ला सकते हैं। शासन में पारदर्शिता लाई जा सकती है। भारत ने डिजिटल सार्वजनिक सामान विकसित किया है जिसकी बुनियादी संरचना में अंतर्निहित लोकतांत्रिक सिद्धांत हैं। राज्यपाल ने शिक्षकों से मिशन मोड में डिजिटल गैजेट्स का उपयोग कर छात्रों को पढ़ाने और डिजिटल इंडिया के विकास में योगदान देने की भी अपील की। उल्लेखनीय है कि शिक्षा विभाग के सहयोग से एसआरएफ फाउंडेशन। डिमोरिया विकास खंड के तहत 10 गांवों में 10 सरकारी स्कूल परिसरों और 32 आंगनवाड़ी केंद्रों को कवर करते हुए अपने प्रमुख ग्रामीण शिक्षा कार्यक्रम और आंगनवाड़ी विकास कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा परिवर्तन के लिए काम कर रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बुनियादी ढांचे, शैक्षणिक और डिजिटल शिक्षा को उन्नत करके स्कूलों को मॉडल स्कूलों के रूप में विकसित करना है।

एएचआरसी ने दो पुलिसकर्मियों को नकली मुठभेड़ में दोषी पाया

गुवाहाटी (विभास)। असम मानवाधिकार आयोग ने दो पुलिस अधिकारियों को 2021 में एक कथित फर्जी मुठभेड़ में चोरी के आरोपी एक व्यक्ति की हत्या करने का दोषी पाया है। आयोग ने राज्य सरकार को दो महीने के भीतर मृतक की पत्नी को मुआवजे के रूप में 7 लाख रुपए देने और दोनों अधिकारियों को दंडित करने का निर्देश दिया है। आयोग की जांच के अनुसार, 11 अगस्त, 2021 को हिरासत में लिए गए मोहम्मद आशा बाबू को हथियार और गोला-बारूद बरामद करने के लिए दारंग जिले में धनसिरी नदी के तट पर ले जाया गया था. बाबू की पत्नी मोनुवारा बेगम ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारी के समय बाबू बिस्तर पर पड़ा हुआ था और दो पुलिस अधिकारियों द्वारा उसे जबरदस्ती पुलिस स्टेशन ले जाया गया।उसने यह भी सवाल किया था कि चोरी के मामले में दर्ज बाबू को बिना किसी गवाह के धनसिरी नदी के किनारे एक वन क्षेत्र में क्यों ले जाया गया था।आयोग की जांच में पाया गया कि मुठभेड़ स्थल पर उसके शव के पास पुलिस द्वारा कथित रूप से जब्त की गई पिस्तौल पर बाबू के फिंगरप्रिंट नहीं पाए गए।मई 2021 में हिमंत बिस्वा सरमा के राज्य के मुख्यमंत्री बनने के बाद से असम में पुलिस की गोलीबारी में वृद्धि के बीच आयोग की खोज सामने आई है।असम सरकार द्वारा गौहाटी उच्च न्यायालय को सौंपे गए एक हलफनामे में कहा गया है कि राज्य में मई 2021 और अगस्त 2022 के बीच ऐसी 171 घटनाएं हुईं, जिसके परिणामस्वरूप 56 मौतें हुईं और 145 घायल हुए।

अपने धर्म-मातृभूमि के सम्मान के लिए मर मिटने वाला समाज है डिमासा : गर्लोसा

डिमा हसाउ (हि.स.)। देशभर से हजारों की संख्या में आये दिमासा समाज के लोगों ने पवित्र कोपिली नदी में स्नान कर जलदेव की आराधना की। अनादि काल से चला आ रहा कोपिली तीर्थ का समागम माघ पूर्णिमा (रविवार) के पवित्र दिन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य तरीके से आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित सभा में धर्म और समाज के अस्तित्व को बचाए रखने को लेकर चर्चा हुई। समागम के मुख्य अतिथि दिमासा ऑटोनॉमस काउंसिल के सीईएम देवोलाल गर्लोसा ने कहा कि आने वाले दिनों में इस पवित्र तीर्थ क्षेत्र का विकास किया जाएगा। दूर-दराज से आने वाले लोगों के ठहरने के लिए भवन निर्माण का कार्य युद्धस्तर पर कराया जा रहा है। जबसे मुझे समाज का कार्य करने का अवसर मिला है तब से पवित्र मंदिर को क्षेत्र विशेष क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। दिमासा समाज अपने धर्म के लिए, अपनी मातृ भूमि के सम्मान के लिए मर-मिटने वाला समाज है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के केंद्रीय विशेष संपर्क प्रमुख अम्बरीश सिंह ने कहा कि दिमासा एक लड़ाकू समाज है। उनके पुरखों का इतिहास धर्म रक्षा के संघर्षों से भरा हुआ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक उल्लास कुलकर्णी ने कहा कि इस पवित्र नदी का महाभारत में भी वर्णन मिलता है। दिमासा समाज के राजा का महाभारत में उल्लेख है। धर्म की रक्षा के लिए समाज का लड़ना उनकी विरासत रही है। विहिप के क्षेत्र संगठन मंत्री दिनेश तिवारी ने कहा कि जहां धर्म है वहीं जय है। दिमासा समाज का जीवन धर्म आधारित रहा है। आज भी दिमासा समाज अपने धर्म आधारित जीवन पद्धति से सम्पूर्ण समाज का नेतृत्व कर एक आदर्श समाज को ग ?ने का कार्य कर रहा है।

आग में एक घर जलकर राख

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत सोनताली के बेजारसुती में बीती रात अचानक लगी आग के चलते इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। आग लगने का कारण बिजली के शॉर्ट सर्किट बताया गया है। आग से एक गरीब परिवार को भारी नुकसान पहुंचा है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया है कि सोनताली के बेजरासुती गांव निवासी हजरत अली के घर में अचानक आग लग गई। भीषण आग में हजरत अली का घर पूरी तरह जलकर खाक हो गया। हादसे के दौरान घर में मौजूद धान और चावल के अलावा जरूरी दस्तावेज भी आग की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग बुझाए जाने तक लगभग 2 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति का नुकसान हो गया।

सीबीआई ने रिश्वत मामले में एनएफ रेलवे के दो अधिकारियों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (निसं)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत मामले में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के एक उप मुख्य अभियंता और एक वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर (एसएसई) को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने मामले के सिलसिले में यहां स्थित एक निजी कंपनी के एक ठेकेदार को भी गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि सीबीआई ने एक निजी कंपनी के ठेकेदार और निजी कंपनी के कर्मचारियों सहित पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के चार अधिकारियों और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। यह आरोप लगाया गया था कि लोक सेवकों ने निजी व्यक्तियों के साथ अनुबंध समझौते, माप पुस्तिका की तैयारी, चल खाता बिलों की प्रक्रिया, हेरफेर और बढ़ा-चढ़ा कर भुगतान करने के खिलाफ निजी ठेकेदारों को अनुचित पक्ष दिखाने के लिए एक साजिश में प्रवेश किया था। एनएफ रेलवे में चल रहे निर्माण कार्य के साथ-साथ सुरक्षा जमा और बैंक गारंटी की शीघ्र रिहाई के लिए बिल, एक आधिकारिक बयान में कहा गया है। एक निजी कंपनी के कर्मचारी से लगभग 8 लाख रुपए की रिश्वत लेते सीनियर सेक्शन इंजीनियर (एनएफआर, जिरिबाम, सिलचर) संतोष कुमार को पकड़ने के लिए सीबीआई की टीम ने जाल बिछाया। इसके अलावा, असम, इम्फाल, दिल्ली, बिहार और हरियाणा सहित 19 स्थानों पर आरोपियों और अन्य के परिसरों के अलावा तलाशी ली गई, जिससे लगभग 1.02 करोड़ रुपए बरामद हुए। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को सक्षम न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। डिप्टी चीफ इंजीनियर (निर्माण), एनएफआर और ठेकेदार को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया, जबकि एसएसई तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड पर है। गौरतलब है कि जांच एजेंसी ने पिछले महीने यहां तैनात एक अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, निजी ठेकेदारों और हवाला संचालकों सहित छह अन्य को 50 लाख रुपए की रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किया था।

आतंक का पर्याय बने जंगली जानवर को वन विभाग ने पकड़ा

बाक्सा (हि.स.)। मानस के वन विभाग ने बाक्सा जिले के माज्राबाड़ी में लोगों के लिए खतरा बने एक जंगली जानवर को ट्रेंकुलाइज करके पकड़ लिया है। दरअसल, पिछले दो दिन से जंगली जानवर मनाह से सटे इलाके माज्राबाड़ी में आतंक मचाए हुए था। जंगली जानवर इलाके के लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहा था, जिसके चलते लोगों में दहशत व्याप्त थी।स्थानीय लोगों की सूचना मिलने पर मनाह वन विभाग के कर्मचारियों ने उसका पीछे कर उसे ट्रेंकुलाइज करने में सफलता हासिल कर ली। वन विभाग ने बताया है कि जांच के बाद जंगली जानवर को मनाह के घने जंगल में छोड़ दिया जाएगा।

सड़क हादसे में एक की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। दुलियाजान में भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। दुलियाजान के तिनाली नंबर 16 पर एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बिजली के खंभे से जा टकराई। पुलिस ने मंगलवार को बताया है कि हादसे में दुलियाजान के ऑयल के बेसेल कॉलोनी के पास रहने वाले जितेन गोगोई के पुत्र मिन्मय गोगोई और ऑयल रेसिडेंशियल एरिया ए टाइप मकान में रहने वाले प्रशांत गोगोई के पुत्र मानव गोगोई गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को दुलियाजान ऑयल इंडिया के अस्पताल पहुंचाया। जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए डिब्रूगढ़ असम मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में रेफर कर दिया, लेकिन मिन्मय गोगोई की डिब्रूगढ़ अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। घायल मानव गोगोई की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज किया है।

पूसीरे गुवाहाटी और राजकोट के बीच चलाएगी विशेष ट्रेन

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए गुवाहाटी और राजकोट के बीच दोनों दिशाओं से दो ट्रिप के लिए एक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने मंगलवार को बताया है कि ट्रेन संख्या 05638 (गुवाहाटी- राजकोट स्पेशल) 8 और 15 फरवरी को गुवाहाटी से 09.00 बजे प्रस्थान कर क्रमशः 10 और 17 फरवरी को 19.10 बजे राजकोट पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 05637 (राजकोट- गुवाहाटी स्पेशल) 11 और 18 फरवरी को राजकोट से 13.15 बजे प्रस्थान कर क्रमशः 13 और 20 फरवरी को 20.30 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी। दोनों तरफ की यात्रा के दौरान यह विशेष ट्रेन वाया न्यू बंगाईगांव, न्यू कूचबिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, कटिहार, पं. दीन दयाल उपाध्याय, सतना जंक्शन, उज्जैन जंक्शन, अहमदाबाद स्टेशन होकर चलेगी। इस रूट पर अन्य ट्रेनों के प्रतीक्षा सूची वाले यात्री इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। इस स्पेशल ट्रेन में 20 कोच होंगे। इनमें एसी 2-टीयर, एसी 3-टीयर, स्लीपर क्लास और जनरल सिटिंग कोच शामिल रहेंगे।

राम जानकी मंदिर में योग शिविर का समापन आज

गुवाहाटी (नसं)। विवेकानंद केंद्र के सौजन्य से राम जानकी मंदिर चाबी पुल में योग शिविर मे आयोजित 30 जनवरी से 8 फरवरी तक के योग शिविर का समापन आज होगा। जिसमें केंद्र से सरस्वती दीदी ने योग, प्राणायाम, आसन, सूर्य नमस्कार एवं प्रार्थना का नियमित अभ्यास कराया और बताया कि योग के माध्यम से हम शरीर के साथ-साथ मन को भी कैसे स्वस्थ रख सकते हैं। इस शिविर मे महेश योग समिति के अध्यक्ष मदन मल का भी विशेष योगदान रहा। उन्होंने बताया कि हम काम की व्यस्तता में इतने उलझे रहते हैं कि हर समय तनाव ग्रस्त रहते हैं जबकि जीवन में खुल कर हँसना भी जरूरी है इसीलिए हास-परिहास करते हुये सबको हँसा कर उनका भरपूर मनोरंजन किया। इस शिविर में तनसुख राठी, के.एन.सिंह, देवव्रत दे, नेपालचंद्र राय, रामकुमार गुप्ता, हरी गुप्ता, सपन कुमार सिंह, मधुमाला विश्वास, नमिता दास, निरोगी दत्त, कमलावती सिंह, गायत्री सिंह, सुशीला देवी अग्रवाल आदि अनेक लोगों ने शिविर में भाग लिया।

लुइत परिया कॉलेज एनएसएस ग्रुप का विशेष शिविर

नगरबेड़ा (निसं)। बरपेटा जिले के दक्षिणी हिस्से में एकमात्र उच्च शिक्षण संस्थान लुइतपरिया कॉलेज के एनएसएस गोट ने पिछड़े गांवों में एक सप्ताह का विशेष शिविर का आयोजित किया। उन्होंने 2फरवरी से 8फरवरी तक सप्ताह भर कार्यक्रम हाथ में लेकर मंदिया शिक्षा खण्ड के अंतर्गत 1256 नंबर बाघमारा - काराइखाइति प्राथमिक विद्यालयों में शिविर लगाए और जागरूकता पैदा करने के लिए करीब 3सौ-घर गए। महाविद्यालय का एन एस एस गोट के प्रोग्राम अफिसार छामचुल आलम छरवार्दी ने जानकारी दी कि सबसे पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, जनसंख्या नियंत्रण, बाल विवाह और साफ-सफाई के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन एस.एस. समूह के सहायक के रूप में किया गया।कार्यक्रम अधिकारी अबू अयूब अहमद और एनएसएस समूह के छात्रों ने घर-घर जाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और सर्वेक्षण किया। कालेज के इतिहास विभाग के अध्यापक मिर्जा हुमायून कबिर, असमीया विभाग के अध्यापक आवु आयूब आहमेद, अंग्रेजी विभाग का छामचुल आलम छरवार्दी ने विशेष शिविर के संयोजन में स्कूल में मुफ्त पाठ भी पढ़ाया।

बीपीसी कॉलेज असमिया विभाग की ओर से नगरबेड़ा पुस्तक का विमोचन

नगरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिले के नगरबेड़ा के बिमला प्रसाद चलिहा कॉलेज के असमिया विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक नगरबेड़ा भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृति का उद्घाटन 5 फरवरी को कॉलेज परिसर में किया गया। पुस्तक का संपादन क्रमशः सहायक प्राध्यापक बिद्युत दत्ता, शिल्पी शर्मा, डॉ. रूमी दास और ईरा दास ने किया।पुस्तक का विमोचन कॉलेज प्रबंधन समिति एवं स्वर्ण जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष श्यामाचरण ठाकुरिया तथा प्रोफेसर नागेंद्र नारायण देब, पूर्व प्रमुख असमिया विभाग ने किया। पुस्तक का विमोचन करते हुए प्रोफेसर दीवान ने कहा कि नगरबेड़ा : भाषा पुस्तक नगरबेड़ा के अध्ययन के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है और नगरबेड़ा की भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृति पर शोध करने में भी मदद करेगी। इस कार्यक्रम की मेजबानी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ रूमी दास ने की थी और पुस्तक के संपादकों के साथ-साथ कई गणमान्य व्यक्तियों और छात्रों ने भाग लिया था। पकड़ा%नगरबेड़ा: भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृति पुस्तक में नगरबेड़ा की भाषा, साहित्य, समाज और संस्कृति को शामिल किया गया है। यह इन सभी पहलुओं को शामिल करते हुए क्षेत्र अध्ययन के साथ तैयार किया गया है जिसमें चालीस से अधिक शोध लेख हैं। यह पुस्तक नगरबेड़ा के अध्ययन में बहुत सी नई जानकारी प्रदान करती है यह पुस्तक कवि को उसके भविष्य के अध्ययन और इस विषय पर शोध करने में बहुत मदद होगी। भविष्य में इस विषय पर कवि के अध्ययन और शोध में यह पुस्तक कवि की विशेष मदद करेगा। यह पुस्तक कॉलेज के असमिया विभाग द्वारा असम बुक ट्रस्ट, असम के एक प्रमुख प्रकाशन गृह के वुक ट्रष्ट के सहयोग से प्रकाशित की गई है।

पवनहंस लिमिटेड आज से शुरू करेगी राज्य में हेलिकॉप्टर सेवा

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर में हवाई संपर्क को बढ़ावा देने के लिए सरकार के स्वामित्व वाली पवन हंस लिमिटेड (पीएचएल) 8 फरवरी को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस), उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) के तहत असम में छह मार्गों पर हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करेगी। .सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया, पीएचएल पहले चरण में डिब्रूगढ़-जोरहाट-तेजपुर-गुवाहाटी-तेजपुर-जोरहाट-डिब्रूगढ़ नेटवर्क पर कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए अपनी आरसीएस उड़ान सेवाएं शुरू कर रही है। हेलिकॉप्टर सेवाएं प्रत्येक सेक्टर में सप्ताह में तीन दिन (सोमवार, बुधवार और शुक्रवार) उपलब्ध होंगी।डिब्रूगढ़-जोरहाट सेक्टर में, हेलिकॉप्टर सेवाएं तीन दिनों के दौरान सुबह 8.50 बजे से 9.35 बजे तक संचालित होंगी; जोरहाट-तेजपुर मार्ग पर सुबह 9.50 बजे से 10.40 बजे तक; तेजपुर-गुवाहाटी सेक्टर में सुबह 10.55 बजे से 11.45 बजे तक; गुवाहाटी-तेजपुर सेक्टर में दोपहर 12.15 बजे से 1.05 बजे तक; तेजपुर-जोरहाट रूट पर दोपहर 1.20 बजे से 2.10 बजे तक और जोरहाट-डिब्रूगढ़ सेक्टर में दोपहर 2.25 बजे से 3.10 बजे तक विशेष रूप से, क्ािरुको छह राज्यों में उड़ान योजना के तहत 86 मार्गों से सम्मानित किया गया है। इसके बाद, अरुणाचल प्रदेश में सेवाओं का संचालन किया जाएगा। यह याद किया जा सकता है कि पवन हंस लिमिटेड को 15 अक्टूबर, 1985 को हेलीकॉप्टर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एचसीआई) के रूप में शामिल किया गया था, जो देश का एकमात्र सरकारी स्वामित्व वाला हेलीकॉप्टर सेवा प्रदाता है, जिसका उद्देश्य तेल क्षेत्र को हेलीकॉप्टर सहायता सेवाएं प्रदान करना है। इसके अपतटीय अन्वेषण कार्यों, दूरस्थ क्षेत्रों में सेवाओं और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चार्टर सेवाओं के लिए।नरेंद्र मोदी सरकार ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार के लिए 2016 में ष्ठ्रह योजना शुरू की थी। योजना के तहत, केंद्र, राज्य सरकारों और हवाईअड्डा ऑपरेटरों से रियायतों के मामले में वित्तीय प्रोत्साहनों को चयनित उड़ान ऑपरेटरों को विस्तारित किया जाता है ताकि अप्रयुक्त और कम सेवा वाले हवाईअड्डों से संचालन को प्रोत्साहित किया जा सके और हवाई किराए को वहनीय रखा जा सके।

लोक हितैषी बजट की अपनी पंरपरा को सरकार ने रखा है बरकरारः प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी की संसदीय दल की बैठक मंगलवार को यहां संसद भवन परिसर में आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वित्त मंत्री की ओर से पेश बजट में समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। अगले वर्ष देश में आम चुनाव होने हैं। इसके बावजूद सरकार ने चुनावी बजट न पेश करते हुए लोक हितैषी बजट पेश करने की अपनी पंरपरा को बनाए रखा है। भाजपा संसदीय दल की बैठक संसद सत्र के दौरान प्रत्येक मंगलवार को आयोजित की जाती है। संसद का मौजूद बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू हुआ है। बैठक में

पेश समावेशी बजट के लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद ज्ञापित किया। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सांसदों से कहा कि विरोध करने वाले तो हमेशा बजट का विरोध करते हैं, लेकिन इस बार हमसे अलग विचारधारा वाले लोगों ने भी बजट का स्वागत किया है। प्रधानमंत्री ने सांसदों को विशेषकर शहरी क्षेत्र से जुड़े सांसदों से खेल आयोजन कराने को कहा। उन्होंने जी20 आयोजनों का भी उल्लेख किया और बताया कि इनके आयोजन के तरीकों की प्रशंसा हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में आए भूकंप को याद करते हुए तुर्किये और सीरिया में आई त्रासदी पर दुख जताया। उन्होंने बताया कि भारत से राहत और बजाव टीमें तुर्किये के लिए भेजी जा रही हैं।

ऑटो और टैक्सी चालकों को वर्दी पहनना अनिवार्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में बगैर वर्दी के चलने वाले ऑटो टैक्सी चालकों की अब खैर नहीं है सरकार ने उन्हें वर्दी पहनना अनिवार्य कर दिया है नहीं तो 10 हजार का चालान कटेगा। परिवहन विभाग ने एक आदेश में शहर में ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों को वाहन चलाते समय वर्दी पहनकर चलने का आदेश जारी किया है ऐसा नहीं करने पर जुर्माना तथा बार-बार उल्लंघन करने वालों का लाइसेंस निलंबित करने की चेतावनी दी है। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि परमिट कुछ शर्तों के साथ संचालित होता है उनमें से प्रमुख यह है कि कोई व्यक्ति निर्धारित वर्दी पहने बिना वाहन नहीं चलाएगा।

नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने ट्वीट कर राज्यपाल पर किया कटाक्ष

कोलकाता, (हि.स.)। सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रशंसा करने पर नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने राज्यपाल पर सीधा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा है कि राज्यपाल का भाषण सुनकर ऐसा लगा जैसे वे विधानसभा में बजट सत्र से पहले औपचारिक भाषण का रिहर्सल कर रहे हों। दरअसल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सेंट जेवियर्स विश्वविद्यालय से डी.लिट की उपाधि से सम्मानित किए जाने के दौरान राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री की तुलना सर्वपल्ली राधाकृष्णन, एपीजे

अब्दुल कलाम और अटल बिहारी वाजपेयी से की। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि ममता बनर्जी उन राजनेताओं में से एक हैं, जिन्होंने साहित्य में एक अनूठी मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री को यह सम्मान राजनीति के लिए नहीं, बल्कि साहित्य के लिए मिल रहा है। राज्यपाल की इस बात पर चुटकी लेते हुए नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने ट्वीट कर लिखा कि राज्यपाल का भाषण सुनकर ऐसा लगा जैसे वे राज्य विधानसभा में बजट सत्र से पहले दिए जाने वाले औपचारिक भाषण का रिहर्सल कर रहे हों। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में राज्यपाल की टिप्पणियों का वीडियो पोस्ट कर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। वहां उन्होंने लिखा कि मैं आंशिक रूप से मुख्यमंत्री को लेकर राज्यपाल के आकलन का समर्थन करता हूं कि ममता बनर्जी विंस्टन चर्चिल की तरह हैं, जो 1942 में बंगाल में अकाल के लिए जिम्मेदार थे।

दिल्ली स्कूल टीचर और स्टाफ भर्ती का नियम बदला

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के स्कूलों में टीचर और स्टाफ भर्ती के नियम में बड़ा बदलाव किया गया है। भर्ती एजेंसी ही बदल दी गई है। अब और स्कूल में क्लर्क व अन्य कर्मचारियों को नौकरी दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड के जरिए मिलेगी। दिल्ली के उपराज्यपाल ने सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारियों की भर्ती और नियुक्ति के जरिए कराने को मंजूरी दे दी है। एलजी ऑफिस ने दिल्ली सरकार शिक्षा विभाग को इस संबंध में जरूरी प्रॉसेस फॉलो करने का निर्देश दिया है। राजनिवास के अधिकारियों ने बताया कि सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में हर रिक्त पद के लिए बोर्ड तीन सदस्यीय समिति गठित करेगा। इस कदम का मकसद नियुक्तियों में होने वाली गड़बड़यों को रोकना है। उपराज्यपाल कार्यालय ने एक बयान में कहा कि इसके लिए दिल्ली स्कूल

शिक्षा नियम (डीएसईआर) 1973 और दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम (डीएसईए) 1973 में संशोधन की जरूरत होगी। दिल्ली स्कूल एजुकेशन रूल्स 1973 इन भर्तियों के लिए एक सेलेक्शन कमेटी की बात करता है। लेकिन ये कमेटी स्कूलों में टीचर और दूसरे कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए क्या प्रक्रिया अपनाएगी इसका नियमों में कोई उल्लेख नहीं किया गया। नतीजा- भर्ती प्रक्रिया में कोई पारदर्शिता नहीं रह जाती है। अभ्यर्थियों के सेलेक्शन में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद अपनाया जाता है। उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार को इस संबंध में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 207 सरकारी सहायताप्राप्त स्कूल हैं जिनमें करीब 8300 स्वीकृत पद हैं जिन पर समय-समय पर भर्ती होती है। अधिकारियों ने कहा कि उक्त प्रावधान सरकारी सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक स्कूलों के लिए वैकल्पिक होंगे।

डीयू में अब अनाथ बच्चों को पढ़ने के लिए नहीं देनी होगी फीस

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली यूनिवर्सिटी ने अपनी सभी कक्षाओं में अनाथ बच्चों के लिए आरक्षण का प्रावधान किया है। डीयू की बैठक में लिए गए फैसले से उन अनाथ बच्चों को आगे की पढ़ाई की सुविधा मिल सकेगी जो मेधावी तो हैं लेकिन आर्थिक आभाव में चाह कर भी अपनी पढ़ाई नहीं जारी रख सकते हैं। ये आरक्षण दिल्ली यूनिवर्सिटी के सभी कॉलेजों में लागू होगा जहां अनाथ बच्चों को पढ़ाई के खर्चों के बारे में सोचने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कार्यकारी परिषद की बैठक में चर्चा के बाद इस विषय पर फैसला लिया गया। इसमें यह फैसला लिया गया कि अनाथ मेधावी बच्चों को आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए कॉलेज की फीस होस्टल चार्ज एक्जाम फीस सहित अनिवार्य देय फीस को वहन करने की जरूरत नहीं होगी। उन्हें निःशुल्क पढ़ने और रहने-खाने की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। डीयू प्रशासन के अनुसार इससे हर साल उन हजारों अनाथ बच्चों को उच्च शिक्षा का मौका मिल सकेगा जो आर्थिक अभाव में अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख सकते हैं। डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि डीयू के सभी कॉलेजों और विभागों में अनाथ लड़के और लड़कियों के लिए अंडर ग्रेजुएशट (यूजी) और पोस्ट ग्रेजुएशट (पीजी) दोनों स्तरों पर सभी कक्षाओं में एक-एक सीट आरक्षित होगी। आरक्षित सीटों पर दाखिला पाने वाले इन बच्चों की पढ़ाई और हॉस्टल फीस पूरी तरह से माफ होगी। कुलपति ने कहा कि डीयू समाज के हर वर्ग को उच्च शिक्षा प्रदान करने के महत्व को समझता है इनमें वे छात्र भी शामिल हैं जो दुर्भाग्यवश अनाथ हो गए हैं। डीयू की यह सामाजिक जिम्मेदारी है कि ऐसे छात्रों की सहायता करें। इसी जिम्मेदारी को समझते हुए डीयू में यूजी और पीजी दोनों स्तरों पर अध्ययन के प्रत्येक कार्य में अनाथ स्टूडेंट्स के लिए एक-एक अतिरिक्त सीट क्रिएट करने पर विचार किया गया है। ऐसे स्टूडेंट को हर प्रकार के फीस के भुगतान से छूट दी जाएगी।

पत्रकार राणा अयूब को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद की कोर्ट से जारी समन को चुनौती देने वाली पत्रकार राणा अयूब की याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस कृष्ण मुरारी और वी रामासुब्रमण्यम की बेंच ने ये फैसला सुनाया। कोर्ट ने राणा अयूब को गाजियाबाद कोर्ट जाकर साक्ष्यों के आधार पर अपना पक्ष रखने को कहा। 31 जनवरी को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान राणा अयूब की ओर से पेश वकील वृंदा ग्रोवर ने गाजियाबाद की कोर्ट से जारी समन को चुनौती देते हुए कहा था कि मामला गाजियाबाद कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। उन्होंने कहा था कि राणा अयूब का निवास स्थान मुंबई का है और उन्होंने जिस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से चंदा जुटाया, वो भी मुंबई का है, जिस खाते में पैसे मंगाए गए वो भी मुंबई का है। ऐसे में गाजियाबाद कोर्ट का

क्षेत्राधिकार नहीं बनता है। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राणा अयूब की दलीलों का विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि यह समन लोगों से चंदे में लिए करोड़ों रुपयों के गबन के लिए जारी हुआ है। मनी लॉन्ड्रिंग दूसरे अनूसूचित अपराध से जुड़ा हुआ है। अगर कोई व्यक्ति सिंगापुर में मनी लॉन्ड्रिंग करता है तो क्या ईडी सिंगापुर में केस दाखिल करेगी। गाजियाबाद के कुछ लोगों ने राणा अयूब के अभियान के लिए चंदा दिया इसलिए गाजियाबाद कोर्ट के पास क्षेत्राधिकार है। दरअसल गाजियाबाद कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में समन जारी कर 27 जनवरी को पेश होने का आदेश दिया था। राणा अयूब ने गाजियाबाद कोर्ट के इस समन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। अयूब पर ऑनलाइन क्राउड फंडिंग प्लेटफॉर्म, 'केटो' के जरिए अभियान चलाकर चैरिटी के नाम पर आम जनता से 2.69 करोड़ रुपये की रकम जुटाने और इसके निजी इस्तेमाल का आरोप है। इस मामले में ईडी ने 2021 में यूपी पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच शुरू की थी। ईडी की जांच के मुताबिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जुटाई गई धनराशि राणा अयूब के पिता और बहन के खाते में ट्रांसफर की गई थी। अयूब ने अपने लिए 50 लाख रुपये की एफडी भी बनवाई थी। जबकि चैरिटी के लिए लगभग 29 लाख रुपये का इस्तेमाल किया था।

दिल्ली मेट्रो के स्टेशनों पर मुफ्त पानी की सुविधा देना जरूरी नहीं केंद्र सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में बताया कि दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर मुफ्त पानी और शौचालय की सुविधा मुहैया कराने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) बाध्य नहीं है। आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री कौशल किशोर ने एक प्रश्न का जवाब देते हुए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के प्रविधानों का हवाला देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि स्टेशनों पर मुफ्त पानी और शौचालय की सुविधा देने का फैसला सिर्फ डीएमआरसी के अधिकार क्षेत्र में है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के प्रविधानों के तहत डीएमआरसी का दायित्व नहीं है कि वह मुफ्त पेयजल और शौचालय की सुविधा मुहैया कराए। उन्होंने बताया कि डीएमआरसी ने भुगतान के जरिए आप स्टेशनों से पानी ले सकते हैं और कई स्टेशनों पर शौचालय की सुविधा भी उपलब्ध है जहां आप शुल्क देकर सेवा ले सकते हैं। पानी के लिए स्टेशनों पर दुकानों क्योस्क वाटर एटीएम की सुविधा दी गई है।

प्रदूषण बढ़ने के बावजूद ग्रैप दो के प्रतिबंधों से परहेज

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के स्तर में मामूली वृद्धि के बावजूद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सोमवार को श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के दूसरे चरण के तहत प्रतिबंधों को लगाने से परहेज किया। ग्रैप के पहले चरण की पाबंदियां लागू रहेंगी जिसके तहत प्रदूषणकारी उद्योगों वाहनों और पराली इत्यादि (बयोमास) जलाने पर रोक रहती है। ग्रैप के तहत जरूरी कदम उठाने के लिए जिम्मेदार उपसमिति ने सोमवार को एक बैठक में स्थिति की समीक्षा की। एजेंसियों ने रविवार को दिल्ली में हवा की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट की संभावना जताई थी। दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सोमवार को खराब होकर 265 पर पहुंच गया र-

विवार को यह 244 पर था। ग्रैप स्थिति की गंभीरता के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी और इसके आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण विरोधी उपायों का एक सेट है। यह दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता को चार श्रेणियों में वगीर्कृत करता है। पहला चरण- खराब (एक्यूआई 201-300) दूसरा चरण- बहुत खराब (एक्यूआई 301-400) तीसरा चरण-गंभीर (एक्यूआई 401-450) और चौथा चरम-बहुत खराब (एक्यूआई 450 और उससे अधिक) है।

श्रद्धा हत्याकांडः दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर कोर्ट ने लिया संज्ञान, 21 को सुनवाई

अजय कुमार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने बहुचर्चित श्रद्धा हत्याकांड मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान ले लिया है। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अविरल शुक्ला ने दस्तावेजों के परीक्षण के लिए अगली सुनवाई 21 फरवरी को करने का आदेश दिया। 24 जनवरी को दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट 6629 पेज का है। चार्जशीट में आफताब को एकमात्र आरोपित बनाया गया है। चार्जशीट में करीब सौ गवाहों के अलावा फोरेंसिक और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को आधार बनाया गया है। आफताब अभी न्यायिक हिरासत में है। ज्ञातव्य है कि

कोर्ट ने 23 दिसंबर, 2022 को आफताब के आवाज के नमूने लेने की दिल्ली पुलिस को अनुमति दी थी। 22 दिसंबर, 2022 को आफताब ने कोर्ट से अपनी जमानत याचिका वापस ले ली थी। आफताब ने कोर्ट से कहा था कि वो अभी जेल से बाहर नहीं आना चाहता है। 17 दिसंबर, 2022 को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने आफताब के वकील एमएस खान को बताया था कि आफताब का ई-मेल आया है कि उसने वकालतनामा पर हस्ताक्षर जरूर किया है लेकिन उसे इस बात की जानकारी नहीं है कि जमानत याचिका दायर हो रही है। साकेत कोर्ट ने 21 नवंबर, 2022 को आरोपित आफताब का पॉलीग्राफी टेस्ट करने की अनुमति दी थी। उसके पहले साकेत कोर्ट ने आफताब का नार्को टेस्ट करने का आदेश दिया था। श्रद्धा आफताब के साथ रहती थी। आफताब ने श्रद्धा की हत्या कर कई टुकड़े कर दिए थे। उसके शव के टुकड़ों को फ्रिज में रखा हुआ था। वो शव के अंगों को अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर फेंकता था। बाद में पुलिस ने आफताब की निशानदेही पर श्रद्धा के कई अंगों को बरामद किया।

आरबीआई गवर्नर बुधवार सुबह 10 बजे एमपीसी बैठक के नतीजों का करेंगे ऐलान

- रेपो दर में 0.25 फीसदी वृद्धि संभव, अभी रेपो दर 6.25 फीसदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई में मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक दूसरे दिन भी चल रही है। इसी बैठक में नीतिगत ब्याज दर को लेकर फैसला लिया जाना है, जिसका ऐलान बुधवार सुबह 10 बजे आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास करेंगे। आरबीआई ने मंगलवार को ट्विट कर कहा कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास एमपीसी की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से बुधवार, 8 फरवरी को सुबह 10 बजे देंगे। दरअसल, छह सदस्यीय एमपीसी की बैठक शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में तीन दिवसीय बैठक 6 फरवरी को शुरू हुई थी। इस बीच आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि आरबीआई एक बार फिर रेपो दर में 0.25 फीसदी तक बढ़ोतरी कर सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों के मुताबिक खुदरा महंगाई

दर रिजर्व बैंक के छह फीसदी के संतोषजनक स्तर से नीचे आ चुकी है। एक अप्रैल से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि की रफ्तार सुस्त पड़ने की उम्मीद है। ऐसे में रिजर्व बैंक रेपो दर में 0.25 फीसदी की वृद्धि का विकल्प चुन सकता है। हालांकि, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के आर्थिक शोध विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक आरबीआई फरवरी की नीतिगत समीक्षा में ब्याज दरों में वृद्धि को रोकेगा। ऐसे में एमपीसी की बैठक के नतीजों पर लोगों की उम्मीदें टिकी है। रिजर्व बैंक पिछले साल मई से दिसंबर तक रेपो दर में 2.25 फीसदी का इजाफा कर चुका है, जो बढ़कर 6.25 फीसदी के स्तर पर पहुंच चुका है। रेपो दर में बढ़ोतरी का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है। रेपो दर में इजाफे के बाद बैंक भी ग्राहकों के लिए कर्ज महंगा कर देते हैं। फिलहाल अधिकांश बैंकों में होम लोन की ब्याज दरें 8.50 फीसदी से ऊपर है। अगर फिर नीतिगत ब्याज दर बढ़ती है तो होम लोन और महंगा हो जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली के मेयर चुनाव पर आज सुनवाई

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली के मेयर चुनाव पर आज सुनवाई करेगा। आज वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष इस मामले को मेंशन करते हुए जल्द सुनवाई की मांग थी। इस संबंध में आम आदमी पार्टी ने याचिका दायर की है। सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि प्रोटेम स्पीकर मेयर के चुनाव में मनोनीत सदस्यों से भी वोटिंग करा रहे

हैं। नगर निगम चुनाव के दो महीने बीत गए हैं। अभी तक मेयर का चुनाव नहीं हो पाया है। यह लोकतंत्र की हत्या है।

जनसेवा व पिछड़े वर्गों का उत्थान सरकार की प्राथमिकता : हर्षवर्धन चौहान

नाहन, (हि.स.)। जनसेवा, जन समस्याओं का समाधान, पिछड़े क्षेत्रों एवं पिछड़े वर्गों का उत्थान हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाज में समभाव एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण हमेशा रहे, इस दिशा में भी सरकार विशेष तौर पर काम करेगी। उद्योग, संसदीय कार्य एवं आयुष मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने यह उद्गार पांवटा साहिब में व्यक्त किये। उद्योग मंत्री पावटा तथा शिलाई विधानसभा क्षेत्र से आए लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। हर्षवर्धन चौहान के समक्ष इस दौरान दोनों विधानसभा क्षेत्रों के अनेक प्रतिनिधि मंडल व व्यक्तिगत तौर पर लोगों ने बारी-बारी अपने क्षेत्र की तथा निजी समस्याएं रखी। उद्योग मंत्री ने अधिकांश समस्याओं का मौके पर अधिकारियों के सहयोग से समाधान किया और कुछ मांगे व

समस्याएं जो स्थानीय स्तर की थीं उन्हें अधिकारियों को सौंप कर इनका समयबद्ध समाधान करने के निर्देश दिए। अल्पसंख्यक निगम के पूर्व उपाध्यक्ष तपेंद्र सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल को साथ लेकर उद्योग मंत्री से मुलाकात की। उन्होंने मंत्री से पांवटा साहिब क्षेत्र में उद्योगों में स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करने तथा स्थानीय लोगों को निकाले जाने के संबंध में पत्र उद्योग मंत्री को सौंपा। तपेंद्र सैनी ने जंभुखाला में गुज्जर बस्ती के कब्रिस्तान के लिए तार व बाढ़ लगवाने तथा चोरी की घटनाओं के संबंध में भी अपनी शिकायत दर्ज की। उद्योग मंत्री ने इन समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इसी प्रकार शिलाई विधानसभा क्षेत्र की क्यारी गुंडा पंचायत के पूर्व प्रधान दलीप सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल अपने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर उद्योग मंत्री से मिला। उन्होंने अपने गांव में एचआरटीसी बस लगवाने, हरिजन बस्ती के लिए संपर्क मार्ग तथा क्यारी गुंडा के लिए एंबुलेंस सेवा उपलब्ध करवाने का आग्रह किया। उद्योग मंत्री ने इन मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने के लिए पूर्व प्रधान को आश्वस्त दिया।

दिल्ली में तपने लगी दोपहर, हवा है खराब

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कुछ दिन से दोपहर को चढ़ता पारा पसीना बहाने लगा है। समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक अभी भी खराब श्रेणी में है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक फरवरी के पहले हफ्ते में दिल्ली के बढ़ते तापमान ने पिछले 12 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस मौसम विज्ञानी के मुताबिक, साल 2011 के बाद पहली बार है, जब राष्ट्रीय राजधानी में फरवरी के पहले सप्ताह सोमवार (06 फरवरी) का अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस अधिक 29 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया। यह पिछले दो साल में इस महीने का सबसे अधिक तापमान है। न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस अधिकारी का कहना है कि आमतौर पर महानगर में 06 फरवरी से 09 फरवरी तक औसत अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया होता है। मगर रविवार को

अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक 25.7 दर्ज किया गया।

इस मौसम विज्ञानी का कहना है कि 2021 में 26 फरवरी को अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मगर आज (मंगलवार) की बात की जाए तो अधिकतम तापमान कुछ घटकर 27 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान बढ़कर 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अगले पांच दिन में न्यूनतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस का इजाफा हो सकता है। अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियम में 12 फरवरी को कमी हो सकती है। यह घटकर 23 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है। 08, 11 और 12 फरवरी को दिन में तेज हवा चलने की संभावना है। आसमान में बादल भी छाये रह सकते हैं। प्रदूषण की बात करें तो राष्ट्रीय राजधानी का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सोमवार को 265 पहुंच गया। रविवार को यह 244 था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डेटा के मुताबिक, आज (मंगलवार) सुबह करीब 7 बजे एक्यूआई 290 दर्ज किया गया। 201 से 300 तक इसे 'खराब' श्रेणी में माना जाता है।

अडानी मुद्दे पर जेपीसी की मांग को लेकर अडिग है विपक्ष : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कहा कि अडानी समूह पर लगे आरोपों को लेकर विपक्ष संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग को लेकर अडिग है। खड़गे ने मीडिया से बातचीत में कहा कि विपक्षी दल चाहते हैं कि संसद चले, लेकिन सत्ता पक्ष अडानी मुद्दे पर कोई जवाब देना नहीं चाहती है। इसलिए सदन की कार्यवाही को बार-बार स्थगित किया जा रहा है। इसी संदर्भ में आगे खड़गे ने कहा कि अडानी मुद्दे पर सदन में चर्चा के लिए नियम 267 के तहत उन्होंने चर्चा के लिए नोटिस दिया था, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि विपक्ष की मांग है कि हिंडनबर्ग की ओर से अडानी समूह पर लगाए गए आरोपों के लिए जेपीसी गठित की जाए।

विपक्ष का आरोप है कि मोदी सरकार के कहने पर अडानी समूह में भारतीय जीवन बीमा निगम ने निवेश किया था। ऐसे में सभी पहलुओं पर जांच होनी चाहिए।

अडानी-हिंडनबर्ग मामले पर सुप्रीम कोर्ट में 10 फरवरी को होगी सुनवाई

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट अडानी पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट के मसले पर 10 फरवरी को सुनवाई करेगा। वकील मनोहर लाल शर्मा ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने जल्द सुनवाई की मांग की थी। नतीजतन, कोर्ट ने 10 फरवरी को सुनवाई करने का आदेश दिया। मनोहर लाल शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर निर्दोष निवेशकों का शोषण और उनके साथ धोखाधड़ी करने के लिए शार्ट सेलर के खिलाफ जांच किए जाने की मांग की है। याचिका में हिंडनबर्ग रिसर्च के संस्थापक नाथन एंडरसन और भारत में उनके सहयोगियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 और 120बी और सेबी के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। शर्मा की याचिका में शार्ट सेलर के

खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए निवेशकों को मुआवजा दिए जाने की भी मांग की गई है। याचिका में यह सवाल भी पूछा गया है कि क्या यह सेबी की जिम्मेदारी नहीं थी कि वो शॉर्ट सेलिंग पर रोक लगाए। याचिका में कहा गया है कि रिसर्च रिपोर्ट के बाद अडानी के शेयर्स की शॉर्ट सेलिंग हुई। इसकी वजह से शेयर मार्केट में भारी गिरावट हुई है। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका वकील विशाल तिवारी ने दायर की है। इस याचिका में कहा गया है कि भारत की संप्रभुता के लिए यह आवश्यक है इसकी जांच की जाए। याचिका में बड़े कारपोरेट घरानों को दिए जाने वाले लोन को स्वीकृति देने के लिए बनाई गई नीति की देखरेख के लिए एक विशेष कमेटी गठित किए जाने की मांग की गई है।

कैसे सरकारी संस्थाओं का पैसा अडाणी की कंपनियों में निवेश किया गया : आप

-अडाणी की कंपनी की वित्तीय अनियमितताओं को लेकर आप ने किया विरोध-प्रदर्शन

झांसी,(हि. स.)। अडाणी समूह की कंपनियों द्वारा लाखों करोड़ की वित्तीय अनियमितताओं के विरोध में मंगलवार को आम आदमी पार्टी के झांसी मंडल के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष अरशद खान तथा जिला प्रभारी दीनदयाल काका के नेतृत्व में तथा बुंदेलखंड प्रांत की वरिष्ठ उपाध्यक्ष अर्चना गुप्ता, प्रांतीय सचिव अर्पित सिंह, महानगर अध्यक्ष गयादीन कुशवाहा की उपस्थिति में विरोध-प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन मंडलायुक्त को सौंपा। जिला प्रभारी दीनदयाल काका ने कहा कि भारत इस समय प्रधानमंत्री मोदी और अडानी की मिलीभगत से किये गए इतने बड़े वित्तीय घोटाले से स्तब्ध है और देश में आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। पिछले कुछ दिनों में देश के करोड़ों नागरिकों का अडाणी की कम्पनी में साढ़े ग्यारह लाख करोड़ रुपये डूब गए जो उन्होंने अपने खून पसीने से बचत कर निवेश किया था इतने सब के बाद भी देश के प्रधानमंत्री मोदी खामोश बैठे हैं। जिलाध्यक्ष अरशद खान ने कहा कि देश जानना चाहता है कि कैसे 2014 के पहले विश्व के 500 अमीर लोगों में शामिल न रहने वाला अडाणी कुछ ही सालों में विश्व का तीसरा सबसे अमीर व्यक्ति बन गया। कैसे एसबीआई, पंजाब नेशनल बैंक और एलआईसी जैसी सरकारी संस्थाओं का पैसा अडाणी की कंपनियों में निवेश किया गया। कैसे देश के सारे संसाधन एक व्यक्ति गौतम अडानी को दे दिए जिसमें रेलवे, एयरवेज, कोयला, बिजली, पानी, सड़क, स्टील, तेल, सीमेंट गैस आदि शामिल है।

राष्ट्रवाद की आड़ में अडाणी - मोदी अपना भ्रष्टाचार छुपा नहीं सकते। प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अर्चना गुप्ता ने कहा कि अडाणी दुनिया के दो नंबरी का अमीर बनने के बाद भी वो भारत के टॉप 15 टैक्स पेयर की सूची में नहीं है, आखिर किसकी मेहरबानी से ? अडानी और उनके भाइयों ने मिलकर 38 फर्जी कंपनियां खोलकर देश के साथ फ्रॉड किया है। प्रांतीय सचिव अर्पित सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सांसद यूपी प्रभारी संजय सिंह द्वारा सदन में 267 के आधार पर अडानी के घोटाले पर चर्चा की मांग की। अमृतकाल में इस जहरीले घोटाले की जांच हो क्योंकि इसमें निवेशकों के साढ़े ग्यारह लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं लेकिन सरकार किसी भी हालत में जांच के लिए तैयार नहीं है। महानगर अध्यक्ष गयादीन कुशवाहा ने कहा कि आम आदमी पार्टी राज्यपाल के माध्यम से प्रधानमंत्री से मांग करती है कि प्रधानमंत्री इस मामले में जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) से सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच और अडानी समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष गौतम अडानी के साथ-साथ सभी संबद्ध महत्वपूर्ण लोगों के पासपोर्ट जब्त कराएं। इस अवसर पर अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष साजिद निशार सिद्दीकी, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव हिमांशु यादव,पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव आशीष तिवारी, पार्षद आशीष रायकवार, श्रम प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राशिद अंसारी, व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष आशीष गुप्ता, मऊरानीपुर विधानसभा अध्यक्ष अतुल आर्य, महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष श्रीमती सीमा कुशवाहा, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रविंद्र रायकवार, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष चौधरी परवेज, एससी एसटी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बीरू वाल्मीकि , महिला प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष एडवोकेट नीलम चौधरी, जिला सचिव विक्की खान, महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष भाग्य लक्ष्मी अय्यर, जिला सचिव अंजू कुशवाहा, महानगर महासचिव भवजीत सिंह सरना आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने राम के अस्तित्व को नकारा : योगी आदित्यनाथ

-मुख्यमंत्री योगी ने त्रिपुरा की बागबासा विधानसभा क्षेत्र में जनसभा को किया सम्बोधित

त्रिपुरा, (हि. स)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्रिपुरा के विधानसभा चुनाव में हुंकार भरी है। उन्होंने मंगलवार को राज्य की बागबासा विधानसभा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि त्रिपुरा की जनता ने पांच साल के विकास को देखा है। आज कांग्रेस वामपंथियों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने आई है। हमें सतर्क रहना होगा। यह वही कांग्रेस है जो राम के अस्तित्व पर सवाल खड़ा करती आई है और राम मंदिर बनने का विरोध करती रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में त्रिपुरा में डबल इंजन की सरकार ने अलग पहचान बनाई है। यहां के हर नागरिक के जीवन में बदलाव देखा जा सकता है। सबका साथ - सबका विकास के मूलमंत्र का वास्तविक रूप त्रिपुरा में देखने को मिलेगा। पीएम आवास में तीन लाख आवास, हर घर शौचालय, हर परिवार के पास रसोई गैस, हर घर नल योजना के माध्यम से ज्यादातर गांव में शुद्ध पेयजल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यहां की जनता ने त्रिपुरा में लंबे समय तक कम्युनिस्ट शासन को देखा और अराजकता, गुंडागर्दी झेला है। त्रिपुरा के सामने पहचान का संकट था। पांच वर्ष पहले तक त्रिपुरा में नौजवान बेरोजगार था, महिलाओं को सुरक्षा का संकट था। पांच वर्ष बाद सुशासन का असर देखने को मिला। इस चुनाव में तो कांग्रेस और कम्युनिस्ट मिल गए हैं।कांग्रेस आज कम्युनिस्टों के साथ मिलकर आई है। हमको सतर्क रहना होगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक देश पर राज किया लेकिन जनता को शासन का लाभ नहीं दे सकी। कांग्रेस आपकी आस्था के साथ खिलवाड़ करती रही। अयोध्या में राममंदिर का विरोध करती थी। कांग्रेस राम के अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर रही थी। यूपीए के शासन में रोज एक-एक भ्रष्टाचार घोटाले सामने आते थे। आज सुशासन और विकास हो रहा है। कांग्रेस को यही खराब लग रहा है। अब वे कम्युनिस्ट के साथ मिलकर सामने आए हैं। पांच वर्ष पहले मुझे यहां अराजकता दिखाई देती थी। आज पांच वर्ष बाद यहां आकर देखा तो डबल इंजन की सरकार ने त्रिपुरा में बदलाव करके दिखा दिया है। मुझे विश्वास है,भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को आशीर्वाद देकर विजयी बनाएंगे।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने रिश्वत लेते दरोगा को गिरफ्तार किया

- गबन की चार्जशीट लगवाने के लिए मांग रहा था 30 हजार,पांच हजार सौदा तय

झांसी,(हि.स.)। भ्रष्टाचार निवारण संगठन ने मंगलवार को गरौठा थाना में तैनात दरोगा को गिरफ्तार किया है। वह एक मुकदमे में चार्जशीट लगाने की एवज में पीड़ित से 30 हजार रुपये रिश्वत मांगा रहा था। छोटेलाल निषाद ने मोतीकटरा में हुए घोटाले में ग्राम प्रधान, पंचायत सेकेट्री आदि के खिलाफ गबन का मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें चार्जशीट लग चुकी थी, लेकिन छोटेलाल उससे संतुष्ट नहीं हुआ और उसने कोर्ट के आदेश से केस को फिर से खुलवाया। इस केस की विवेचना गरौठा में तैनात दरोगा बृजेश कुमार यादव कर रहे थे। आरोप है कि बृजेश कुमार छोटेलाल से चार्जशीट की एवज में 30 हजार रुपयों की मांग कर रहे थे। मामला पांच हजार में तय हो गया। इस बीच छोटेलाल ने इसकी शिकायत भ्रष्टाचार निवारण संगठन से कर दी। मंगलवार को गरौठा थाना के पास चाय की दुकान पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम के निरीक्षक अम्बरीश यादव के नेतृत्व में योजना बनायी गई है। इसके तहत शिकायतकर्ता से दरोगा को बुलवाया। दरोगा बृजेश कुमार वहां पहुंचा और छोटेलाल से पांच हजार रुपये लिए। इसी दौरान टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया और उसके पास से रिश्वत में लिए गए पांच हजार रुपये बरामद कर लिए। बाद में उसे गिरफ्तार कर नवाबाद थाना लाया गया, जहां से कार्रवाई कर लखनऊ भेजने की तैयारी की जा रही है।

भारत में कोरोना संक्रमण के वास्तविक मामले आधिकारिक मामलों से 17 गुना ज्यादा संभव

—बीएचयू में वैज्ञानिक अध्ययन के बाद तथ्य सामने आया

वाराणसी, (हि.स.)। भारत में कोरोना संक्रमण के वास्तविक मामले आधिकारिक आंकड़ों से 17 गुना अधिक रहे होंगे। बीएचयू के वैज्ञानिकों के एक अध्ययन में ये तथ्य सामने आया है। आधिकारिक आकंडों के अनुसार भारत में अब तक 4.5 करोड़ आबादी कोरोना से संक्रमित हुई है। वहीं, बीएचयू के वैज्ञानिकों द्वारा किये गए एक वैज्ञानिक अध्ययन में दावा किया गया है कि देश में वास्तविक कोरोना संक्रमण संभवतः 17 गुना अधिक रहा होगा। बीएचयू के जीन विज्ञानी प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे के नेतृत्व में हुए इस अध्ययन में देश भर के 34 शोध संस्थानों के 88 वैज्ञानिक शामिल थे। वैज्ञानिकों की इस टीम ने सितंबर-दिसंबर 2020 के महीने के दौरान छह राज्यों के चौदह भारतीय जिलों के शहरी क्षेत्र में 2301 व्यक्तियों के बीच सेरोसर्वे (एंटीबॉडी परीक्षण) किया। इस अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह था कि भारतीय आबादी का एक बड़ा हिस्सा कोविड संक्रमण के लिए एसिमप्टोमैटिक था और 26-35 आयु वर्ग में एसिमप्टोमैटिक लोगों की अधिकतम संख्या थी।

यह अध्ययन प्रतिष्ठित विज्ञान पत्रिका इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इन्फेक्शस डीजीजेस (आईजेडआईडी) में प्रकाशित हुआ है। किसी भी कोरोना लहर के बाद लोगो में एंटीबाडी की जांच वास्तविक संक्रमण का सटीक आंकलन करता है। इसी प्रक्रिया को अपनाते हुए टीम ने चौदह भारतीय जिलों से शहरी इलाकों के रोजाना भीड़भाड़ में रहने वाले ऐसे लोग (स्ट्रीट वेंडर्स) जिन्हें कोरोना संक्रमण का खतरा सबसे अधिक होता है, उनके सैंपल पर यह शोध किया। उन्हीं लोगों के नमूने लिए गए जिन्होंने स्वयं रिपोर्ट किया था कि उनमें कभी कोई कोविड लक्षण नहीं रहा या आरटी पीसीआर परीक्षण पॉजीटिव नहीं रहा था। छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले में एंटीबॉडी-पॉजिटिव लोगों का न्यूनतम अनुपात देखा गया, जबकि एंटीबॉडी-पॉजिटिव व्यक्तियों का अधिकतम अनुपात उत्तर प्रदेश राज्य के गाजीपुर जिले में पाया गया। शोध के अनुसार आधिकारिक आंकड़ों तथा संभावित वास्तविक आंकड़ों का अंतर एसिमप्टोमैटिक मामलों की अधिक संख्या होने के कारण थी। अध्ययन में गणितीय आंकलन की मदद से इस नतीजे पर पंहुचा गया है। प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे ने बताया कि अध्ययन के नतीजों को सावधानीपूर्वक समझने की आवश्यकता है। क्योंकि यह एक सीमित भौगोलिक क्षेत्र पर ही आधारित है।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा का करेंगे अनावारण

जिलाधिकारी गौरांग राठी ने किया संभावित स्थलों का निरीक्षण

भदोही,(हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक बुधवार यानी 08 जनवरी को जनपद भ्रमण पर आ रहे हैं। वह सुरियावां नगर में स्थापित दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी की प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे। उपमुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा है। जिलाधिकारी गौरांग राठी प्रशासनिक अफसर सुरियावां नगर का भ्रमण किया है। उन्होंने बाईपास चौराहे पर स्थापित होटल प्रतिमा का निरीक्षण किया। उपमुख्यमंत्री की ओर से इस अटल बिहारी बाजपेयी की प्रतिमा के अनावरण के बाद बाईपास चौराहे का नाम अटल बिहारी वाजपेयी चौराहा हो जाएगा। जिलाधिकारी राठी उपमुख्यमंत्री पाठक के प्रस्तावित निरीक्षण के पूर्व संभावित स्थलों का दौरा कर वहां आवश्यक निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के प्रस्तावित जनपद भ्रमण के दृष्टिगत जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देशन व निरीक्षण में प्रशासनिक अमला द्वारा सुरियावां क्षेत्र में अटल चौराहे पर प्रतिमा अनावरण, विकासखंड सुरियावां कार्यालय के निकट अनुसूचित जाति बस्ती, धान क्रय केंद्र ,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कस्तूरीपुर गौशाला व प्राथमिक विद्यालय आदि स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया है।

बड़ी साजिश की शिकार हुई है ममता, रामगढ़ की जनता करेगी न्याय : अविनाश पांडे

रामगढ़, (हि.स.) । रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव में इस बात का फैसला होगा कि ममता देवी किस प्रकार न्याय दिया जाएगा। ममता देवी विधायक रहते हुए एक बड़ी साजिश की शिकार हुई। रामगढ़ की जनता पर अनचाहा चुनाव लादा गया। इन सबके जिम्मेदार व्यक्ति को आम आवाम सबक सिखाएगी। यह बात मंगलवार को रामगढ़ में यूपीए उम्मीदवार बजरंग महतो के नामांकन में शामिल होने आए कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कही। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ममता देवी ने हर स्तर पर अपनी भूमिका काफी अच्छे से निभाई। चाहे वह पारिवारिक स्तर हो, एक बच्चे के मां के रूप में हो या आम आवाम के लिए लड़ाई लड़ने की बात हो। यही वजह है कि जनता उन्हें आंदोलनकारी नेता के रूप में याद करती है।2019 में रामगढ़ की जनता ने उस संघर्षशील महिला को विधायक के पद पर बिठाया था। लेकिन साजिशकताओं के द्वारा उन्हें पद से हटाया गया। झूठ का सहारा लेकर कोर्ट में उन्हें एक हत्यारा साबित किया गया। न्यायालय के हर फैसले का पार्टी सम्मान करती है। लेकिन कोर्ट का फैसला लोगों के गले से नहीं उतर रहा। एक दबंग और गुंडे प्रवृत्ति के जनप्रतिनिधि, जिन पर 34 प्राथमिकियां दर्ज हैं, उन्हें मात्र 18 महीने की सजा सुनाई जाती है। इसके ठीक 5 दिन पहले जनता की लड़ाई लड़ रही ममता देवी को कोर्ट में झूठा साबित कर 5 साल की सजा सुनाई गई। एक ही कोर्ट के दो फैसले लोगों को रास नहीं आ रहे। रामगढ़ की जनता जानती है इन सब साजिश के पीछे किसका हाथ है। अविनाश पांडे ने कहा कि आज जो महिला जेल में है उसका 3 महीने का बच्चा घर में मौजूद है। लेकिन ममता देवी किसी भी स्तर पर साजिश कताओं के आगे घुटने नहीं टेक रही। आज उनके पति बजरंग न्याय के लिए चुनावी संघर्ष में शामिल हुए हैं। अविनाश पांडे ने कहा कि 27 फरवरी को जब बूथ पर जनता ने पहुंचेगी तो साजिशकर्ताओं के होश फाख्ता हो जाएंगे। नामांकन के दौरान जनता का यह हुजूम चुनावी परिणाम की घोषणा खुद ब खुद करता हुआ दिखाई दे रहा है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि राज्य के मुखिया हेमंत सोरेन का यह गृह जिला है। रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव मे वे खुद शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उनके मुख्यमंत्री से बात भी हुई है। उन्होंने कहा है कि अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर रही ममता देवी को न्याय दिलाने के लिए वे जनता के बीच जाएंगे।

राजभवन उद्यान के देसी-विदेशी फूल लोगों को कर रहे आकर्षित

रांची, (हि.स.)। राजभवन उद्यान का भ्रमण करने और उद्यान की खूबसूरती देखने के लिए लोगों का हुजूम लगातार उमड़ रहा है। सुबह से ही लोग कतार में लगे रहे हैं। हर दिन सड़कों पर मेला सा नजारा दिखता है। इस कारण सड़कों पर जाम लग रहा है। छुट्टी के दिन रांची के बाहर से भी लोग उद्यान का दीदार करने पहुंच रहे हैं। 31 जनवरी से अब तक 1,87,444 लोग राजभवन उद्यान का भ्रमण कर चुके हैं। यहां के देसी-विदेशी फूल, फल, औषधीय पौधे, 200 किस्म के 15 हजार से अधिक गुलाब के फूल, 45 प्रजाति के विदेशी मौसमी फूल, 30 वेराइटी के औषधीय पौधे, नौ फाउंटेन, झूले आदि लोगों को काफी पसंद आ रहे हैं। साथ ही कल्पतरू, पीला बांस, रुद्राक्ष, सिंदूर, कबाब चीनी, दाल चीनी जैसे कई पेड़-पौधे को देखने की उत्सुकता दिख रही है। फूलो झानो, अशोक उद्यान, नेहरू उद्यान, मूर्ति गार्डेन, गुरु गोविंद सिंह वाटिका, बुद्धा उद्यान, पीपल प्लॉट, अमरूद बगान, मैंगो प्लॉट, लीची बगान में लोग खूब सेल्फी ले रहे हैं। युवा फूलों के बीच रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर करते दिखे। बच्चे झूले का आनंद लेते दिखे, तो बड़े बुजुर्ग में फल फूलों के पौधों के बारे में जानने की जिज्ञासा दिखी। राजभवन उद्यान का दीदार लोग अब 10 फरवरी तक कर सकेंगे। राजभवन उद्यान का भ्रमण करने के लिए समय सीमा में बदलाव किया गया है। राज्यपाल के निर्देश पर समय बढ़ाया गया है। लोग शाम 4:30 बजे तक राजभवन उद्यान का भ्रमण कर सकेंगे। दोपहर दो बजे तक लोगों को प्रवेश मिलेगा। पहले सात फरवरी तक राजभवन उद्यान आमलोगों के लिए खोलने का निर्णय लिया गया था। इस बार राजभवन में कई नयी चीजें देखने को मिल रही हैं। इसमें खास कर अशोक स्तंभ, ब्रिज, चिल्ड्रेन पार्क, सोहराई आर्ट, पहाड़ पर चरखा आदि चीजें लोगों को आकर्षित कर रही हैं। लोग इनके बीच सेल्फी लेते दिख रहे हैं। उद्यान में बच्चों के साथ बड़े भी खूब मस्ती कर रहे हैं।

झामुमो विधायक लोबिन ने मुख्यमंत्री और महाधिवक्ता पर साधा निशाना

रांची, (हि.स.)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक और झारखंड बचाओ मोर्चा के मुख्य संयोजक लोबिन हेंब्रम ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और महाधिवक्ता राजीव रंजन पर निशाना साधा है। हेंब्रम मंगलवार को विधानसभा के विधायक आवास में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जब बाबूलाल मरांडी की सरकार थी तो बिहार पुनर्गठन अधिनियम के तहत बिहार की स्थानीय नीति को मरांडी ने लागू किया था। उसके खिलाफ राजीव रंजन हाई कोर्ट गए थे और झारखंड को स्थानीय नीति नहीं मिल पायी थी। ऐसे में झारखंड विरोधी मानसिकता वाले व्यक्ति को आखिरकार सरकार ने किस आधार पर इतनी बड़ी जिम्मेवारी सौंप दी। लोबिन ने कहा कि झारखंड को लेकर जो भी नीति नियम बन रहे हैं, उसे ना तो राजीव रंजन हाई कोर्ट में और ना ही राजभवन के पास सरकार का पक्ष मजबूती से रख पा रहे हैं। इसलिए सरकार इस झारखंड विरोधी महाधिवक्ता राजीव रंजन को अविलंब हटाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री किस हैसियत से झारखंडी जोहार यात्रा और खतियान यात्रा कर रहे हैं जबकि सरकार की ओर से जो भी नीति बनायी जा रही है उसे राजभवन और कोर्ट खारिज कर दे रहा है। उन्होंने पूछा कि इस तरह की यात्रा का मतलब क्या है। उन्होंने कहा कि अब तक हाई कोर्ट से नियोजन नीति रिजेक्ट हो चुका है और राज्यपाल ने स्थानीय नीति को लौटा दिया है तो मुख्यमंत्री का नैतिक दायित्व अब नहीं है वह इस तरह की यात्रा करें। उन्होंने कहा कि एक ओर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कहते हैं कि पारसनाथ आदिवासियों का था और आदिवासियों का रहेगा लेकिन केंद्र सरकार को जो पत्र लिखा जाता है, उसमें आदिवासी शब्द का जिक्र नहीं होता है और इसे जैन मुनियों का तीर्थ स्थल बताया जाता है। लोबिन ने कहा कि मुख्यमंत्री आदिवासी समाज को बेवकूफ बनाने का काम कर रहे हैं। इसलिए 21 और 22 फरवरी को पारसनाथ में आदिवासियों का जुटान होगा। उन्होंने कई कार्यक्रमों की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि चार मार्च को हजारीबाग में प्रमंडलीय सम्मेलन, 18 मार्च को रांची में आदिवासी जमीन बचाने को लेकर बड़ी रैली, 21 और 22 फरवरी को पारसनाथ में पूरे देश के आदिवासियों का जुटान, 13- 14 मार्च को विधानसभा के समक्ष धरना और 15 मार्च को विधानसभा घेराव होगा।

मुंगेर देश का पौराणिक स्थल, इसके महत्व को समझते हैं: मुख्यमंत्री

पटना/मुंगेर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को 'समाधान यात्रा' के तहत मुंगेर जिले में विकास योजनाओं का जायजा लिया। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हमलोग मुंगेर हमेशा आते रहे हैं। मुंगेर देश के पौराणिक स्थलों में से एक है। हमलोग इसके महत्व को समझते हैं। बिहार में वानिकी कॉलेज की स्थापना की बात हुई तो हम लोगों ने तय किया कि यह मुंगेर में ही बनेगा। यह कॉलेज काफी सुंदर बना है। सीएम ने कहा कि हमने इसका जायजा लिया है। वानिकी कॉलेज की चर्चा बाहर भी होने लगी है। इसमें बहुत सारे स्टूडेंट्स पढ़ेंगे। यह इतना अच्छा बना है कि बहुत सारे लोग इसको देखने भी आयेंगे। मुंगेर के लिए वानिकी कॉलेज बहुत ही महत्वपूर्ण है। इंजीनियरिंग कॉलेज पहले ही बन गया है। मेडिकल कॉलेज भी बनने वाला है। गंगा नदी में पाई जाने वाली डॉल्फिन को सुरक्षित रखने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए जो कुछ भी करना जरूरी होगा हमलोग करेंगे। इसको लेकर हमलोग शुरू से काम कर रहे हैं। इस बार वर्षापात नहीं होने से किसानों को दिक्कत हुई है। सुखाड़ की स्थिति में भी हमलोगों ने यहां आकर एक-एक चीज की जानकारी ली थी और लोगों की सुविधा को लेकर सरकार ने कदम उठाये थे।मुंगेर में पर्यटन की संभावना के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए जो भी संभव होगा, किया जायेगा । इससे पहले सीएम ने यात्रा के दौरान जमालपुर प्रखंड के गुलालपुर में धूसर जल प्रबंधन इकाई का निरीक्षण किया। उन्होंने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया और वहां प्लास्टिक कतरन मशीन को स्टार्ट कर उसकी कार्य प्रणाली को देखा। मुख्यमंत्री ने कंबल निर्माण इकाई का फीता काटकर उद्घाटन किया । उन्होंने जिला औद्योगिक प्रवर्तन योजना के अंतर्गत पाल हस्तकरघा बुनकर संघ के लोगों से मुलाकात भी की और जीविका स्वयं सहायता समूह को 4 लाख 12 हजार रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र मंगरा का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली और बच्चे-बच्चियों से बात की। वहां गर्भावस्था के दौरान स्वास्थ्य जांच केंद्र तथा पोषण संबंधी जानकारी देने वाले केंद्र का भी उन्होंने निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने गोद भराई के बाद अन्नप्राशन की शुरूआत की। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के लाभुकों को उन्होंने सांकेतिक चेक प्रदान किया। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल जिसमें नीरा उत्पाद, बांस उत्पाद, सखुआ भोजपत्र सहित अन्य उत्पादों को दशार्या गया था।

विधानसभा चुनाव में हम चिराग पासवान को सीएम के रूप में देखना चाहते हैः हबीबुर्रहमान

किशनगंज,(हि.स.)। हलीम चौक स्तिथ लोजपा कार्यालय में मंगलवार को बैठक आयोजित किया गया।इस बैठक मे लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष हबीबुर्रहमान ने प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में हम चिराग पासवान को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार समाधान यात्रा में आये और जिले को ज्यादा कुछ नया नहीं मिला। जिलाध्यक्ष हबीबुर्रहमान ने कहा कि लोजपा के राष्ट्रीय नेता चिराग पासवान के नेतृत्व में पार्टी को और भी ससक्त बनाया जा रहा है। प्रेसवार्ता में विस्तार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

केन्द्रीय विश्वविधालय के भूमी अधिग्रहण की समस्या का समाधान करे मुख्यमंत्रीः जाप

मोतिहारी,(हि.स.)। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थायी कैंपस निर्माण के लिए अधिशेष भूमि अधिग्रहण की मांग को लेकर जन अधिकार छात्र परिषद ने प्रेस वार्ता कर मुख्यमंत्री के चम्पारण में होने वाली समाधान यात्रा से पूर्व जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया को पूर्ण करने की मांग की है। इस दौरान जन अधिकार छात्र परिषद के तिरहुत प्रमंडल अध्यक्ष आकाश कुमार सिंह ने कहा कि बापू के कर्मभूमि चम्पारण में बापू के नाम से स्थापित महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय अपनी स्थायी कैंपस की बाट जोह रही हैं। वर्तमान समय मे विश्वविद्यालय चार अलग अलग जगहों पर किराये के मकान में संचालित हो रहे हैं। कही लाइब्रेरी हैं तो कही क्लास कही हैं। प्रशासनिक कार्य को लेकर छात्रों को दिनभर घूमते हुए बीत जाता हैं और अलग-अलग कैंपस होने के कारण बेहतर शैक्षणिक परिवेश भी नही बन पा रहा है। छात्र नेताओं ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार समाधान यात्रा के तहत चम्पारण आ रहे हैं तो ऐसे में छात्रों का आग्रह हैं कि चम्पारण की सबसे बड़ी समस्या केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्थायी कैंपस के लिए जमीन अधिग्रहण की बाधा को दूर करे।वही उन्होने कहा कि बिहार विश्वविद्यालय के की सत्र विलंब की समस्या से जुझ रहा है। सीएम इस समस्या का समाधान करेंगे। जाप के छात्र नेताओं ने कहा कि केविवि के जमीन अधिग्रहण को लेकर बीते दिनों मुख्यमंत्री जी को पत्र लिखा गया था। जिस पर उन्होंने संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी और शिक्षा विभाग के सचिव को अग्रेतर करवाई के लिए भेज दिया है,लेकिन उस पर कार्रवाई तेज गति से नही हो रहा है। मौके पर छात्र नेता पुन्नू सिंह, जन अधिकार छात्र परिषद के केविवि अध्यक्ष आकाश अस्थाना , छात्र नेता हम्माद जफर खान, केविवि उपाध्यक्ष रविशंकर कुमार मिश्रा, सचिव सह मीडिया प्रभारी राहुल कुमार ,आकाश कुमार आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

अडानी को लेकर हंगामा है क्यों बरपा

बाजार से लेकर संसद तक भारत के प्रमुख व्यवसायी गौतम अडानी और उनके समूह को लेकर हंगामा मचा हुआ है। जैसा कि हम सब जानते हैं कि इस हंगामे का आधार अमेरिका स्थित हिंडेनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट है, जिसमें अडानी समूह पर अनेक आरोप लगाए गए हैं। यह रिपोर्ट 24 जनवरी को जारी हुई लेकिन इसको लेकर हंगामा खड़ा हुआ 26 जनवरी से। दो दिन तक इस रिपोर्ट पर किसी ने ध्यान नहीं दिया लेकिन अचानक से कुछ मीडिया समूहों ने इस रिपोर्ट की चर्चा शुरू की तो उसके बाद अडानी समूह को लेकर एक नकारात्मक वातावरण बनाया जाने लगा और इस काम में एक विशेष वर्ग के बुद्धिजीवी, पत्रकार और एक्टिविस्ट सक्रिय हो गए। इस कारण भी आम लोगों के मन में संदेह पैदा हुआ कि हिंडेनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट सही है या फिर किसी साजिश के अंतर्गत यह खेल खेला जा रहा है। इस विमर्श का असर यह हुआ कि अडानी समूह के शेयर तेजी से गिरने लगे। गौतम अडानी ने स्वयं आगे आकर हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट पर सफाई दी। यह भी कहा कि जो आरोप लगाए गए हैं, वह सब बातें पहले से सार्वजनिक हैं। अडानी समूह ने कभी कुछ भी छिपाया नहीं। इसी बीच अडानी समूह ने अपने एफपीओ को वापस ले लिया। इस पर भी अडानी ने सफाई दी कि उनके लिए निवेशकों का हित सर्वोपरि है। इसलिए फिलहाल वे एफपीओ वापस ले रहे हैं। अडानी समूह के एफपीओ में बड़े कारोबारी समूहों ने विश्वास दिखाया था। इस मुद्दे पर अब राजनीति शुरू हो गई है। यह तो सभी को ध्यान ही है कि भारत के व्यवसाई अंबानी–अडानी कांग्रेस के निशाने पर रहते हैं। कांग्रेस के शीर्ष नेता लगातार अंबानी–अडानी पर तीखे हमले बोलते हैं। यही कारण है कि अडानी समूह के खिलाफ आई इस रिपोर्ट को कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों सहित कुछ विपक्षी दल भारत सरकार के विरुद्ध हथियार बनाने की कोशिश कर रही हैं। अडानी समूह में निवेश करने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को भी कांग्रेस ने निशाने पर लिया है। अलग–अलग राज्यों में कांग्रेस ने इनके कार्यालयों पर प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही संसद में भी हंगामा किया जा रहा है। जिस तरह से संसद को बाधित किया जा रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्षी दलों की मांग है कि अडानी मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया जाए। पिछले कुछ समय से एक ऐसा क्रम बन गया है कि जैसे ही संसद का सत्र शुरू होता है, उससे ठीक पहले किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा कोई समाचार या रिपोर्ट उजागर की जाती है और उस रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस–कम्युनिस्ट सहित उनकी सहयोगी पार्टियां एवं संस्थाएं सड़क से संसद तक हंगामा खड़ा करती हैं। इस बार भी यही हुआ, बजट सत्र से ठीक पहले एक नए मुद्दे को लेकर संसद में हंगामा किया जा रहा है। यह जो क्रम है, उससे भी आम आदमी को हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट और विपक्ष की नीयत पर संदेह है। संसद के काम को ठप करना एक तरह से जनता का नुकसान है। कांग्रेस को चाहिए कि वह संसद की कार्यवाही को चलाने में सहयोग करे और अपने प्रश्नों को संसद में उठाए। अडानी मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति के गठन की आवश्यकता है या नहीं, यह संसद में चर्चा के बाद तय होना चाहिए। कांग्रेस सरकार पर चुप्पी का आरोप लगा रही है लेकिन ऐसा नहीं है, सरकार और संबंधित संस्थाएं पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने आवश्यक कार्यवाही भी शुरू कर दी है। इस पूरे प्रकरण की वस्तुस्थिति को समझने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक तथा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) सक्रिय हो गई हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी स्पष्ट किया है कि ये नियामक संस्थाएं अपना काम करेंगी। सरकारी नियंत्रण से मुक्त इन संस्थाओं पर भरोसा करना चाहिए। रिजर्व बैंक ने अडानी समूह को दिए गए कर्ज के बारे में बैंकों से जानकारी मांगी है। वहीं, सेबी ने भी कहा है कि वह इस मामले की पूरी जांच और समुचित कार्यवाही करेगी। फिलहाल हवा–हवाई आरोपों को नकारते हुए रिजर्व बैंक ने इस संदेह को खारिज कर दिया है कि इस मामले से देश की बैंकिंग प्रणाली पर गंभीर असर होगा। एक तरफ भारतीय व्यवसाई समूहों के प्रति दुराग्रह रखने वाली ताकतों के आरोप हैं और दूसरी ओर आर्थिक मामलों की जानकार संस्थाओं के मत। उचित होगा कि हम बाहरी संस्थाओं के प्रारंभिक आरोपों के आधार पर ही अपने देश के व्यवसायियों को लेकर नकारात्मक वातावरण बनाने की जगह जिम्मेदार संस्थाओं की जांच रिपोर्ट की प्रतीक्षा करें। स्मरण रखें कि हिंडेनबर्ग रिसर्च भी सवालों से परे नहीं है, उसके कामकाज के तरीके भी संदेहास्पद हैं।

अडानी समूह के एफपीओ में बड़े कारोबारी समूहों ने विश्वास दिखाया था। इस मुद्दे पर अब राजनीति शुरू हो गई है। यह तो सभी को ध्यान ही है कि भारत के व्यवसाई अंबानी–अडानी कांग्रेस के निशाने पर रहते हैं। कांग्रेस के शीर्ष नेता लगातार अंबानी–अडानी पर तीखे हमले बोलते हैं। यही कारण है कि अडानी समूह के खिलाफ आई इस रिपोर्ट को कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टियों सहित कुछ विपक्षी दल भारत सरकार के विरुद्ध हथियार बनाने की कोशिश कर रही हैं। अडानी समूह में निवेश करने के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को भी कांग्रेस ने निशाने पर लिया है।अलग–अलग राज्यों में कांग्रेस ने इनके कार्यालयों पर प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही संसद में भी हंगामा किया जा रहा है। जिस तरह से संसद को बाधति किया जा रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्षी दलों की मांग है कि अडानी मामले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया जाए। पिछले कुछ समय से एक ऐसा क्रम बन गया है कि जैसे ही संसद का सत्र शुरू होता है, उससे ठीक पहले किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा कोई समाचार या रिपोर्ट उजागर की जाती है और उस रिपोर्ट को लेकर कांग्रेस–कम्युनिस्ट सहित उनकी सहयोगी पार्टियां एवं संस्थाएं सड़क से संसद तक हंगामा खड़ा करती हैं। इस बार भी यही हुआ, बजट सत्र से ठीक पहले एक नए मुद्दे को लेकर संसद में हंगामा किया जा रहा है। यह जो क्रम है, उससे भी आम आदमी को हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट और विपक्ष की नीयत पर संदेह है।

बोध कथा

सत्कर्म का परिणाम

कर्म केवल इन्द्रियों से नहीं, मन और भावनाओं से भी होता है। कर्म जीवन का एक व्यवहार भी है। जब तुम्हारे कर्म सकारात्मक होते हैं तब वे सेवा का, कर्तव्य का रूप लेते हैं। जब सिकंदर भारत आया और पौरस के साथ उसका युद्ध हुआ, तो एक दिन शाम के समय उसने देखा कि दोनों तरफ के सैनिक मैदान में घायल पड़े हैं और एक कृशकाय व्यक्ति सैनिकों के पास जाकर उनका उपचार कर रहा है।वह व्यक्ति यूनानी नहीं, भारतीय था, फिर भी वह केवल भारतीय सैनिकों का ही नहीं, यूनानियों का भी उपचार कर रहा था। जब सिकंदर ने यह दृश्य देखा तो उस व्यक्ति को बुलाकर पूछा, ₹तुम यह क्या कर रहे हो? हम तो तुम्हारे देश के शत्रु हैं, तुम शत्रु का उपचार क्यों करते हो? उस व्यक्ति ने कहा, ₹ मैं एक चिकित्सक हूँ और मेरे लिये न कोई मित्र है, न कोई शत्रु! जो भी घायल है वह मेरे लिये मरीज है, और मेरा कर्त्तव्य है उसका उपचार करना। मरीज चाहे कोई भी हो, उसका इलाज करना ही मेरा कर्त्तव्य है। सिकंदर ने जब उस व्यक्ति से नाम पूछा तो उसने कहा, 'थेरावान।' सिकंदर ने थेरावान से कहा, ₹तुम्हारे कर्म ने मेरे ह्रदय को परिवर्तित कर दिया है। आज से मेरे देश में चिकित्सा तुम्हारे नाम से जानी जायेगी।₹ और यूनान में चिकित्सा का नाम पड़ा थेरेपी, उस कृशकाय चिकित्सक, थेरावान के नाम पर। अगर वह अपने ही सैनिकों का उपचार करता और घायल शत्रु सैनिकों को मरने देता तो संभवतः आज उसका नाम थेरेपी के रूप में विश्व में प्रसिद्ध नहीं होता। लेकिन यह उसके कर्मों का परिणाम था कि एक क्रूर सम्राट का ह्रदय परिवर्तन हुआ और उस क्रूर सम्राट् ने एक अज्ञात व्यक्ति को सम्मानित किया । यह अच्छे कर्म का परिणाम है। इसलिये हमारी वैदिक और यौगिक संस्कृति में यह कहा जाता है कि तुम्हारे द्वारा जो भी कर्म होते हैं, उनसे हमेशा, हमेशा, हमेशा दूसरों का हित, कल्याण एवं मंगल होना चाहिये। जिस कर्म के द्वारा दूसरे का कल्याण नहीं होता, वह कर्म तुम्हें पतन की ओर, नरक की ओर ले जाता है, और जिस कर्म से तुम्हारा भी और दूसरों का भी कल्याण होता है, वह कर्म तुम्हें ईश्वरत्व की ओर, दिव्यता की ओर ले जाता है।

आयकर दाताओं द्वारा की जा रही बचत पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है

गांव और मध्यम वर्ग का बजट

डा. अश्वनी

पिछले कुछ समय से सरकार का जोर पर्यटन पर है। इस बजट में कनैक्टिविटी बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र में स्वरोजगार, कौशल निर्माण समेत कई प्रावधान बजट में हैं। हालांकि अपेक्षा की जा रही थी कि इस बजट में मैन्युफैक्चरिंग पर ज़ोर रहेगा, बजट में उसके लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं दिख रहे। आज देश चीन से भारी आयातों और उस कारण बढ़ते व्यापार घाटे की त्रासदी से गुजर रहा है। उससे बचने का कोई खास उपाय इस बजट में नहीं दिखता है। 2022-23 वर्ष के संशोधित अनुमानों के अनुसार कुल खर्च लगभग 42 लाख करोड़ रुपए रहेगा। उसकी तुलना में इस साल लगभग 45 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है, यानी मात्र 7 प्रतिशत की वृद्धि। शायद राजकोषीय घाटे को 5.9 प्रतिशत तक सीमित करने के उद्देश्य से खर्च को सीमित किया गया है।

अमृत काल का पहला और मोदी सरकार-2 का आखिरी संपूर्ण बजट वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी 2023 को संसद के समक्ष प्रस्तुत किया। उम्मीद के मुताबिक मध्यम वर्ग के लिए आयकर (नई कर प्रणाली में) घटाया गया है, जिसका कुल राजस्व पर असर 37 हजार करोड़ रुपए होगा। गौरतलब है कि नई आयकर प्रणाली से आयकर रिटर्न भरना आसान हो जाएगा, लेकिन इसका आयकर दाताओं द्वारा की जा रही बचत पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। आज के दौर में जहां जीएसटी बजट की परिधि से बाहर हो चुका है, कारपोरेट टैक्स में भी कोई खास कमी या वृद्धि की संभावना नहीं है, लेकिन आर्थिक विश्लेषकों की नजर सरकारी खर्च के आवंटन पर ज़्यादा होती है। वास्तव में सरकारी खर्च का आवंटन ही सरकार की नीतियों का दर्पण है। उस दृष्टि से विचार करें तो ध्यान में आता है कि इस बार के बजट में सरकार का ध्यान इंफ्रास्ट्रक्चर, ग्रामीण विकास, पर्यावरणीय अनुकूल ग्रोथ, शिक्षा, डिजिटलीकरण पर ज्यादा दिखाई देता है। मोटे अनाजों को प्रोत्साहन, कृषि ऋण, मत्स्य पालन, सहकारिता इत्यादि इस बजट के प्रमुख आकर्षण हैं। बहुआयामी प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों को बढ़ावा देते हुए डेयरी, मत्स्य क्षेत्र को बढ़ावा देने की बात बजट में शामिल है। कृषि ऋण का लक्ष्य बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रखा गया है। यह सभी कृषि एवं सहायक गतिविधियों को बढ़ावा देगा। ग्रामीण क्षेत्रों को आकांक्षी जिला और नई घोषणा के अनुसार आकांक्षी ब्लॉक योजना से भी ग्रामीण विकास को मदद मिलेगी। सूखाग्रस्त क्षेत्रों के लिए जल की व्यवस्था का लाभ भी कृषि को मिलेगा। पिछले वर्ष के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए पूंजीगत व्यय का हिस्सा बजट में 13.7 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है, जो जीडीपी का 4.5 प्रतिशत है। इसका लाभ इंफ्रास्ट्रक्चर समेत अन्यान्य प्रकार के क्षेत्रों को मिलेगा। 2.40 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय रेलवे के लिए, 7500 करोड़ रुपए लॉजिस्टिक्स समेत विभिन्न प्रकार के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) का प्रावधान इस बजट को खास बनाता है। इतना पूंजीगत व्यय, मात्रा की दृष्टि से ही नहीं,

हालांकि अपेक्षा की जा रही थी कि इस बजट में मैन्युफैक्चरिंग पर ज़ोर रहेगा, बजट में उसके लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं दिख रहे। आज देश चीन से भारी आयातों और उस कारण बढ़ते व्यापार घाटे की त्रासदी से गुजर रहा है। उससे बचने का कोई ख़ास उपाय इस बजट में नहीं दिखता है। 2022-23 वर्ष के संशोधित अनुमानों के अनुसार कुल खर्च लगभग 42 लाख करोड़ रुपए रहेगा। उसकी तुलना में इस साल लगभग 45 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है, यानी मात्र 7 प्रतिशत की वृद्धि। शायद राजकोषीय घाटे को 5.9 प्रतिशत तक सीमित करने के उद्देश्य से खर्च को सीमित किया गया है। लेकिन अच्छी बात यह है कि पूंजीगत व्यय में कटौती की बजाय वृद्धि ही हुई है। फिलहाल बजट से देश के नौकरीपेशा, मेहनतकश और मध्यम वर्ग गदगद हो सकते हैं। उसका विश्लेषण आगे करेंगे, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था की हकीकत 'आर्थिक सर्वेक्षण' और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आकलन से स्पष्ट है कि 2023-24 में जीडीपी की विकास दर 6-6.8 फीसदी के बीच रहेगी। आईएमएफ ने भी हमारी विकास दर 6.1 फीसदी आंकते हुए आकलन किया है कि भारत विश्व में सबसे तेज़ बढ़ती अर्थव्यवस्था होगी। 'आर्थिक सर्वेक्षण' में चालू वित्त वर्ष की विकास दर 7 फीसदी अनुमानित है। अर्थशास्त्रियों के विश्लेषण हैं कि यदि बीते चार साल का हिसाब देखा जाए, तो जीडीपी में बढ़ोतरी 3.2 फीसदी सालाना की दर से हुई है। चिंतित तथ्य यह है कि 2019-20 में, कोरोना महामारी से पहले, भी विकास दर 3.7 फीसदी थी। बजट को समझने से पहले यह जानना अनिवार्य है कि महंगाई दर 6.8 फीसदी और बेरोजग़ारी दर 7.2 फीसदी रही। यानी तय हदबंदियों से अधिक है। 'नेशनल करियर सर्विस पोर्टल' से स्पष्ट है कि जनवरी, 2023 तक 2.75 करोड़ से अधिक बेरोजग़ारों को नौकरी चाहिए। यह आंकड़ा 3.5 करोड़ भी बताया जाता है। बहरहाल महंगाई, बेरोजग़ारी, कम उत्पादन, कम निर्यात, कृषि और गरीबी आदि गंभीर चुनौतियां हैं, जिन्हें बजट में संबोधित किया गया है। वित्त मंत्री ने अपने 5वें बजट में सबसे बड़ी, उत्पादक, समावेशी, प्रगतिशील और मेहनतकश, नौकरीपेशा वर्ग से जुड़ी यह घोषणा की है कि अब 7 लाख रुपए तक कोई आयकर नहीं देना होगा। इस दायरे को एकदम 2 लाख रुपए बढ़ाया गया है। आम करदाता को 33,800 रुपए का सीधा फायदा होगा। इसी के मद्देनजर माना जा रहा है कि यह 45 करोड़ लोगों के मध्यम वर्ग का बजट है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसे एक और ताकतवर वर्ग माना है, लेकिन तथ्य यह भी है कि देश में 8 करोड़ से कुछ ज्यादा लोग ही आयकर रिटर्न भरते हैं, लेकिन औसतन 1.5 से 2 करोड़ भारतीय ही आयकर का भुगतान करते हैं। लिहाजा इसका व्यापक असर नहीं होगा, क्योंकि 98 फीसदी नागरिक पहले भी आयकर नहीं देते थे और अब तो कर का दायरा ही बढ़ाकर 7 लाख रुपए कर दिया गया है। इस व्यवस्था का देश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ सकता है, क्योंकि मध्यम वर्ग की परिधि में बड़ी आबादी आती है, बेशक वह करदाता नहीं है, लेकिन वह उपभोक्ता जरूर है, लिहाजा आम मांग और खपत बढ़ेगी। क्रयशक्ति में विस्तार होगा। जीएसटी संग्रह भी बढ़ेगा और अंततः अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। दरअसल बजट का फोकस किसान, कृषि, गरीब, सूक्ष्म-लघु उद्योग, युवा शक्ति, स्टार्टअप, महिलाओं आदि पर ज्यादा रहा है। किसानों के लिए 20 लाख करोड़ रुपए की ऋण योजना तैयार की गई है, तो प्राकृतिक खेती के लिए 1 करोड़ किसानों की आर्थिक मदद और प्रोत्साहन, सूक्ष्म-लघु उद्योगों के लिए 2 लाख करोड़ के अतिरिक्त व्यय का प्रावधान किया गया है। कुल मिलाकर बजट अच्छा और समावेशी है। एकदम चुनावी और लोकलुभावन नहीं है।

युवाओं को कृषि से जोडऩा जरूरी

हिमाचल प्रदेश 15 अप्रैल 1948 को महज चार जिलों के साथ भारत का एक प्रांत बना था। 25 जनवरी 1971 को हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य की प्राप्ति हुई और उसके बाद इस छोटे से प्रदेश ने भारत के पहाड़ी राज्यों की श्रेणी में अव्वल स्थान प्राप्त किया है।25 जनवरी 2023 को इस प्रदेश के राज्यत्व का 53वां दिवस मनाया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हमीरपुर जिला में किया गया। इसके मुख्य अतिथि नादौन विधानसभा क्षेत्र के आम जनमानस के दिलों में राज करने वाले श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू थे जो कि वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घागस में उगी मक्की की रोटी, दाल तथा कढ़ी का खानपान करके सुर्खियां बटोरी थी। प्रदेश की भूमि पर उगे अनाज को पूरे भारत में बड़ी प्रसन्नता तथा स्वास्थ्यवर्धक प्रवृत्ति के साथ ग्रहण किया जाता है। दिन प्रतिदिन हिमाचल के पकवानों की मांग भी बढ़ रही है। ऐसे में यदि हिमाचल का युवा हिमाचल में उगे अनाज को पर्यटकों के खानपान का हिस्सा बनाए तो आने वाले समय में जहां एक तरफ हिमाचल के युवाओं को रोजगार मिल सकता है, वहीं वे प्रदेश की उन्नति में भी अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सकेंगे।

हिमाचल प्रदेश मूलतः एक कृषि प्रधान प्रदेश का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में यदि प्रदेश का युवा कृषि व्यवस्था से जुडक़र रोजगार के मार्ग को प्रशस्त करे तो आने वाले समय में प्रदेश नए आयामों को स्थापित कर सकता है। हिमाचल प्रदेश के गठन से लेकर अब तक कृषि व्यवस्था हिमाचल प्रदेश के जनमानस के जीवन का अहम हिस्सा रही है। हिमाचल प्रदेश 15 अप्रैल 1948 को महज चार जिलों के साथ भारत का एक प्रांत बना था। 25 जनवरी 1971 को हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य की प्राप्ति हुई और उसके बाद इस छोटे से प्रदेश ने भारत के पहाड़ी राज्यों की श्रेणी में अव्वल स्थान प्राप्त किया है। 25 जनवरी 2023 को इस प्रदेश के राज्यत्व का 53वां दिवस मनाया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हमीरपुर जिला में किया गया। इसके मुख्य अतिथि नादौन विधानसभा क्षेत्र के आम जनमानस के दिलों में राज करने वाले श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू थे जो कि वर्तमान में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घागस में उगी मक्की की रोटी, दाल तथा कढ़ी का खानपान करके सुर्खियां बटोरी थी। प्रदेश की भूमि पर उगे अनाज को पूरे भारत में बड़ी प्रसन्नता तथा स्वास्थ्यवर्धक प्रवृत्ति के साथ ग्रहण किया जाता है। दिन प्रतिदिन हिमाचल के पकवानों की मांग भी बढ़ रही है। ऐसे में यदि हिमाचल का युवा हिमाचल में उगे अनाज को पर्यटकों के खानपान का हिस्सा बनाए तो आने वाले समय में जहां एक तरफ हिमाचल के युवाओं को रोजगार मिल सकता है, वहीं वे प्रदेश की उन्नति में भी अपनी भूमिका सुनिश्चित कर सकेंगे। हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राजत्व के पावन अवसर पर इस प्रदेश की अधिकतर आबादी के मुख्य व्यवसाय कृषि व्यवस्था का विश्लेषण करना अनिवार्य हो गया है। प्रदेश की 90 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। अधिकतर ग्रामीण परिवारों का व्यवसाय खेतीबाड़ी ही है। हिमाचल में कुल भौगोलिक क्षेत्र 55673 लाख हेक्टेयर में से 9 लाख 59 हजार 223 हेक्टेयर भूमि के स्वामी 9.14 लाख किसान हैं। मंझोले और छोटे किसानों के पास कुल भूमि का 86.4 प्रतिशत भाग है। राज्य में कृषि भूमि केवल 10.4 प्रतिशत है। लगभग 80 प्रतिशत क्षेत्र वर्षा-सिंचित है और महज 20 फीसदी भूमि पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है। ऐसी प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हिमाचल वासी अपनी कड़ी मेहनत के दम पर हर वर्ष लाखों टन अनाज का उत्पादन करते हैं। हिमाचल प्रदेश भारत तथा वैश्विक पटल पर अपनी ईमानदारी तथा कड़ी मेहनत व स्वास्थ्यवर्धक मौसम के लिए जाना जाता है। ऐसे में प्रदेश में उत्पादित होने वाली प्राकृतिक वस्तुओं की मांग भी दिन-प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। वर्ष 2020 में पूरी मानव जाति को कोरोना वायरस ने संकट में डाल दिया था, लेकिन इस मुश्किल घड़ी में भी कृषि व्यवस्था ने मानव का हर पल साथ दिया। हिमाचल प्रदेश में कोरोना काल के दौरान आम, सेब, अमरूद, लीची, अनार, गेहूं, मक्की, धान व अदरक इत्यादि की बंपर फसल देखने को मिली थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों की कृषि व्यवस्था का विश्लेषण किया जाए तो खेतीबाड़ी पर अनेक संकट भी देखने को मिले हैं। समय पर बारिश का न होना, आवारा पशुओं व बंदरों का आतंक कुछ ही पलों में किसान की वर्ष भर की कड़ी मेहनत को उजाड़ देता है। ग्रामीण परिवार, विशेषकर जिनका आजीविका का मुख्य साधन खेतीबाड़ी है, आज उनकी आजीविका गर्त में चली गई है। दो दशक पूर्व खेती शान-ओ-शौकत का व्यवसाय माना जाता था। समय बदला और आज वही गरिमामय कृषि व्यवसाय बोझ लगना शुरू हो गया है। कृषि व्यवस्था प्रदेश की आर्थिकी की रीढ़ मानी जाती है। यदि कृषि व्यवस्था में असंतुलन पैदा हो गया तो अनाज की कमी पैदा होगी और साथ ही बेरोजगारी भी बढ़ेगी। विकास दर प्रभावित होगी तथा सामाजिक अशांति व अपराधीकरण में बढ़ोतरी होगी। वर्तमान समय में कृषि के गिरते उत्पादन को रोकने के लिए किसान अंधाधुंध कीटनाशक स्प्रे, खाद, इंजेक्शन व अन्य रसायनों का उपयोग कर रहे हैं जिसका प्रभाव उपभोक्ता वर्ग पर पड़ रहा है। उल्टी-दस्त, सिर चकराना, बेकाबू बुखार इत्यादि घातक बीमारियां दिन-प्रतिदिन आम जनता को अपनी चपेट में ले रही हैं। गर्मी के मौसम में फलों की खपत में बढ़ोतरी होती है, लेकिन बाजार में उपलब्ध फलों को पकाने में कृत्रिम प्रणालियों का सहारा लिया जाता है, जो कि जहर के समान है। आजकल लगभग सभी फलों को पकाने के लिए एथिलीन गैस का उपयोग आम बात हो गई है। बच्चों व गर्भवती महिलाओं के लिए इन फलों का सेवन अत्यंत हानिकारक होता है। बाजार में इन जहरीले फलों की बिक्री सरेआम होती है। किसी भी प्रकार का डर विक्रेताओं को नहीं होता। पैसे देकर जहर खरीदना तथा स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कितना उचित है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आज हर परिवार जहां महंगाई, बेरोजगारी की मार झेल रहा है, वहीं दूसरी तरफ मिलावटखोरी, हेराफेरी, विषैली वस्तुओं को खरीदने पर मजबूर है। जिस प्रदेश को फलोत्पादन में शीर्ष स्थान प्राप्त है, आज वही प्रदेश विषैले फलों, अंधाधुंध व अनियंत्रित कीटनाशकों के उपयोग का अड्डा बन गया है। इस समस्या से बचने का एकमात्र तरीका है कि प्रदेश के किसानों को जैविक खेती की तरफ ले जाकर खेतीबाड़ी की बुझती लौ को पुनः जगाया जाए। जैविक खेती स्वास्थ्यवद्र्धक, खेती की उपजाऊ क्षमता व संरक्षण में सहायक है, वहीं खेती व्यवस्था में रोजगार के नए दरवाजे खोलने में भी सहायक सिद्ध हो सकती है। प्रदेश की आर्थिकी कर्ज में डूबी हुई है। इसको उभारने में जैविक कृषि नई इबारत लिख सकती है। सिक्किम राज्य ने जैविक खेती के उत्पादन में देश में ऐसी मिसाल पेश की है, जो कि डूबती कृषि परंपरा को पुनः पटरी पर ला सकती है। प्रदेश के कर्णधारों को भी देवभूमि के किसानों को जैविक खेती में रंगना होगा। कृषि पर बढ़ती लागत, संसाधनों के अभाव एवं उर्वरकों व कीटनाशकों से पर्यावरण पर बढ़ते दुष्प्रभाव को रोकने के लिए निःसंदेह जैविक कृषि वरदान साबित हो सकती है। जैविक खेती से स्वच्छ पर्यावरण व संतुलित प्रकृति के स्तर को बनाए रखा जा सकता है। वहीं भूमि, वायु, जल को प्रदूषित किए बिना दीर्घकालीन एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। जैविक खेती में जमीन की उर्वरा शक्ति को लंबे समय तक बरकरार रखा जा सकता है। प्रदेश में बेरोजगारों की संख्या करीब 10 लाख तक पहुंच गई है। सभी बेरोजगारों को सरकारी क्षेत्र में नौकरी नहीं मिल सकती है। इसलिए वे अपनी क्षमता अनुसार अपनी प्रतिभा को पहचानते हुए कृषि को अपनाकर नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। आगामी बजट में कृषि क्षेत्र के लिए बजटीय प्रावधान करने होंगे।

देश दुनीया से

विवाह की उम्र और कानून

पहला राष्ट्रीय महिला आयोग और राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग द्वारा लड़कियों के विवाह की उम्र को अट्ठारह वर्ष से बढ़ा कर इक्कीस वर्ष किए जाने की और दूसरे सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश द्वारा सहमति से संबंध की उम्र को अठारह से घटा कर सोलह वर्ष किए जाने की। अब सोचना यह है कि अगर संसद विवाह की उम्र को बढ़ाकर इक्कीस वर्ष भी कर देती है तो इसका प्रभाव उसी पर होगा, जो विवाह जैसी संस्था पर भरोसा करता है। एक तरफ यौन स्वातंत्र्य को निजता का अधिकार माना जाता है, तो दूसरी तरफ उम्र के आधार पर अंतरराष्ट्रीय मानकों से अलग हट कर कानून बनाए जाते हैं। ऐसे में आवश्यक है कि सहमति से संबंध, विवाह की उम्र और पक्षकारों के वैयक्तिक अधिकारों के विवाद पर गहन विमर्श और यथासंभव विवादित मुद्दों के निस्तारण का प्रयास किया जाए। भारतीय दंड संहिता में सहमति की उम्र, बलात्संग के प्रावधान, बच्चों को लैंगिक अपराध से संरक्षण, बाल विवाह निरोधक कानून और वैयक्तिक विधियों की स्थिति प्रमुख हो जाती है। फिलहाल, लड़कियों के विवाह की उम्र अट्ठारह वर्ष से बढ़ा कर इक्कीस वर्ष करने का विधेयक प्रस्तावित है। किशोर न्याय देखभाल और संरक्षण अधिनियम में बलात्संग जैसे अपराधों में लिप्त सोलह से अठारह वर्ष के बच्चों की मानसिक परिपक्वता का निर्धारण करने और तदनुसार उनके साथ दंड विधान का प्रयोग करने की बात कही गई है। न्यायपालिका द्वारा समय-समय पर ऐसे निर्णय दिए जाते रहे हैं, जो कभी अत्यधिक प्रगतिशील माने जाते हैं, तो कभी रूढ़िवादी मानसिकता के पोषक। एक तरफ विवाह के अधिकार को व्यक्ति का मौलिक अधिकार बताया गया है, तो दूसरी तरफ उम्र के विवादित होने पर कानूनी निपटारे का प्रावधान भी किया गया है। विवाह जैसी संस्था, चाहे इसे हिंदू विधि के तहत संस्कार माना जा रहा हो, चाहे मुसलिम विधि के तहत संविदा, इसकी चूलें हिल रही हैं और वयस्कों के बीच सहजीवन सामान्य जीवन शैली होती जा रही है। ऐसे में महज उम्र का मापदंड अपराध निर्धारण के लिए संपूर्ण सत्य नहीं माना जा सकता। न्यायालय में जब भी उम्र के निर्धारण का प्रश्न उठा है, इस बात की पुरजोर वकालत की गई है कि किसी भी व्यक्ति को उम्र के आधार पर कानूनों के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। मगर विवाद की किसी भी स्थित में अमूमन दो वर्ष का लाभ पक्षकार बच्चे को मिलता है। ऐसे में जब हम 'इंडिपेंडेंट थाट बनाम भारत संघ' के मामले में 2017 में न्यायमूर्ति मदन बी लोकुर द्वारा दिए निर्णय को देखते हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि हमारे सामने आया प्रश्न काफी सार्वजनिक महत्त्व का है कि क्या एक पुरुष और उसकी पत्नी के बीच- पंद्रह से अठारह साल की उम्र की लड़की होने के संबंध में- यौन संबंध बलात्कार है? भारतीय दंड संहिता में इसका उत्तर नकारात्मक है, मगर हमारी राय में अठारह साल से कम उम्र की लड़की के साथ यौन संबंध बलात्कार है, चाहे वह शादीशुदा हो या नहीं। ऐसा लगता है कि तभी से वैवाहिक बलात्संग का प्रश्न अपने उत्तर तलाश रहा है। दूसरी तरफ बाल विवाह निरोधक कानून अठारह वर्ष से कम उम्र के विवाह को शून्य घोषित करता है, पर ऐसे विवाह से भी अगर कोई संतान उत्पन्न हो जाती है, तो फैक्टम वैलेट के सिद्धांत के तहत ऐसी संतान को जायज मानते हुए उसे समस्त अधिकार प्रदान किए जाते हैं। इस संदर्भ में दिल्ली उच्च न्यायालय के एक फैसले को देखें, जहां एक सत्रह वर्ष की अवयस्क मुसलिम लड़की ने प्रेम में पड़ कर मुसलिम विधि के अनुसार विवाह किया, पर अपने माता-पिता द्वारा प्रताड़ति की जा रही थी। उसने अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई, तब न्यायालय ने न सिर्फ उसे सुरक्षा प्रदान करने की अनुशंसा की, बल्कि यह भी कहा कि वह चाहे तो अपने पति के साथ रह सकती है। पर न्यायालय ने यह भी कहा कि इस आधार पर आगे के मामले निर्णीत न किए जाएं। उधर इस निर्णय के दो ही महीने बाद कर्नाटक उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने नाबालिग मुसलिम लड़की से शादी करने वाले व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए इस तर्क को खारिज कर दिया कि एक नाबालिग मुसलिम लड़की का यौवन या पंद्रह वर्ष की आयु प्राप्त करने पर विवाह, बाल विवाह निषेध अधिनियम का उल्लंघन नहीं करेगा।

एक तरफ यौन स्वातंत्र्य को निजता का अधिकार माना जाता है, तो दूसरी तरफ उम्र के आधार पर अंतरराष्ट्रीय मानकों से अलग हट कर कानून बनाए जाते हैं। ऐसे में आवश्यक है कि सहमति से संबंध, विवाह की उम्र और पक्षकारों के वैयक्तिक अधिकारों के विवाद पर गहन विमर्श और यथासंभव विवादित मुद्दों के निस्तारण का प्रयास किया जाए। भारतीय दंड संहिता में सहमति की उम्र, बलात्संग के प्रावधान, बच्चों को लैंगिक अपराध से संरक्षण, बाल विवाह निरोधक कानून और वैयक्तिक विधियों की स्थिति प्रमुख हो जाती है।

नागरिक बोध

लोकसभा में राहुल ने अडाणी को लेकर किया हंगामा

विपक्ष का अधिकार है कि बिना विरोध किये सत्तारूढ़ पार्टी को जाने नही देना है। जो तर्क दिया जाता है उसमें सच्चाई कितनी है? यह जरूरी नही है। लेकिन अभिव्यक्ति की आजादी में बिना सबूत अपने मन के उदगार पेश कर देश मे एक सन्देश पहुंचना है। राहुल के 45 मिनट के भाषण में मोदी और अडाणी के रिस्तो की फेहरिस्त सदन में पेश कर नाटकीय माहौल खड़ा कर दिया। 2014 के बाद अडाणी की संपत्ति बढ़ने की वजह मोदी का सहयोग करार देते हुए राहुल ने भारत यात्रा में पूछे गए लोगो के प्रश्नों को बयां कर सदन में हंसी मजाक का माहौल बनाने में सफल हुए। लोकसभा में बहस के दौरान कोई किसी की मर्यादा से सरोकार नही है। राहुल की शैली देखकर यह लगता था कि मोदी पर अंगुली दिखाकर यह साबित कर रहे है कि कांग्रेस दूध की धुली है। अडाणी की बढ़ती संपति के बारे में चुटकी लेते हुए राहल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए हंसी ठिठोली का माहौल खड़ा कर दिया।लेकिन दूसरी तरफ देश मे निंदा के पात्र बन रहे थे। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री पर अडाणी और मोदी के राजकीय संबंधों पर सवाल करना लाजमी नही है। देश को सच सुनने का हक है। कांग्रेस के कार्यालय में आजादी के दूसरे वर्षो से ही भ्रष्टाचार शुरू हुआ था। देश देख रहा है। कांग्रेस अपने गिरेबान में झांककर देखे। क्या कांग्रेस का शासनकाल साफ सुथरा था। कांग्रेस के समय मे सैकड़ो घोटाले हुए है। लेकिन आज के दौर में सत्तारूढ़ का हाथ पकड़कर कांग्रेस हिमत दिखाने की चेष्ठा कर रही है। अमीरों की लिस्ट में अडाणी 609 से दो नम्बर पर कैसे आ गए, उस प्रश्न के जवाब मांगकर राहुल ने अपने दिमाग की किरकिरी कराने में सफल हुए है। यह सर्वविदित है कि इंटरनेशनल बिजनेश में सफलता आसमान छूती है। राहुल को कांग्रेस का इतिहास पड़ने की आवश्यकता है। पक्ष विपक्ष मिलकर देश की उन्नति और विकासन में योगदान करने की जरूरत है। राहुल ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी जिस देश मे जाते थे।अडाणी को कॉन्टेक्ट मिल जाता था। लोकसभा में फोटो बताकर मोदी और अडाणी पर निशाना साधने पर राहुल सफल तो हो गए।

जंग के बीच रक्षा मंत्री को बर्खास्त करेगा यूक्रेन : करप्शन स्कैंडल के चलते गंवानी पड़ी कुर्सी, इंटेलिजेंस चीफ किर्लो बुदनोव को मिलेगी उनकी जगह

कीव।
जंग के बीच भ्रष्टाचार से जूझ रहे यूक्रेन ने अब अपने रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव को पद से हटाने का फैसला किया है। इनकी जगह अब यूक्रेन के मिलिट्री इंटेलिजेंस चीफ किर्लो बुदानोव लेंगे। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की पार्टी ने रविवार को इसकी घोषणा की। जेलेंस्की की सर्वेंट ऑफ पीपल पार्टी के हेड डेविड अर्खामिया ने टेलीग्राम के जरिए ओलेक्सी को पद से हटाए जाने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि जंग के दौरान यूक्रेन का रक्षा मंत्रालय किसी नेता की बजाय किसी ऐसे व्यक्ति के हाथ होना चाहिए जिसके पास फौज का अनुभव हो। दूसरे मंत्रालय में भेजे जाएंगे ओलेक्सी रेजनिकोव

ओलेक्सी रेजनिकोव जंग शुरु होने के 3 महीने पहले नवंबर 2021 में ही यूक्रेन के रक्षा मंत्री बने थे। जेलेंस्की की पार्टी के हेड डेविड अर्खामिया ने बताया कि ओलेक्सी रेजनिकोव को अब कोई दूसरा मंत्रालय सौंपा जाएगा। हालांकि जब रेजनिकोव से इसके बारे में पूछा गया तो उन्हें साफ कह दिया कि वो किसी भी दूसरे मंत्रालय को स्वीकार नहीं करेंगे। रक्षा मंत्रालय से हटाए जाने की घोषणा होने से पहले उन्होंने कहा था कि कोई भी हो हमेशा पद पर नहीं रहता है। मैं वहीं करूंगा जो जेलेंस्की मुझे कहेंगे। 24 जनवरी को यूक्रेन के डिप्टी डिफेंस मिनिस्टर याचेस्लाव शापोवालोव को भ्रष्टाचार से जुड़े एक स्कैंडल में फंसने के बाद इस्तीफा देना पड़ा था। रिपोर्ट के मुताबिक इसी स्कैंडल के चलते अब ओलेक्सी रेजनिकोव को भी हटाया जा रहा है। हालांकि, ओलेक्सी पर सीधे तौर पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा है। वहीं माना जा रहा है कि जंग के बीच रक्षा मंत्रालय में हुए स्कैंडल से दुनिया भर में यूक्रेन की छवि बिगड़ी है। जिसका खामियाजा ओलेक्सी को भुगतना पड़ा। रिपोर्ट में बताया गया था कि डिप्टी डिफेंस मिनिस्टर के निर्देश पर मंत्रालय ने खाने के सामान का कॉन्ट्रेक्ट तीन गुना ज्यादा महंगे दाम पर साइन किया था। द कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक एक अंडा जो कीव की दुकानों में 15 रुपए में मिलता है उसे 37 रुपए के भाव से खरीदा गया था। अंडे के साथ-साथ कुछ और भी खाने के सामानों को महंगे दामों पर खरीदा गया था। हाल ही के दिनों में यूक्रेन के कई बड़े अधिकारी और मंत्री भ्रष्टाचार के स्कैंडल में फंसे हैं। जेलेंस्की इनसे लगातार इस्तीफे मांग रहे हैं। पिछले हफ्ते 15 अधिकारियों को बर्खास्त किया जा चुका है। वहीं यूक्रेन के डिप्टी इंफ्रास्ट्रक्चर मिनिस्टर से भी इस्तीफा लिया चुका है।

रूस लगातार यूक्रेन के इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला कर रहा है। जिसमें वहां की कई महत्वपूर्ण इमारतें धराशायी हो चुकी हैं। ऐसे में यूक्रेन उन इमारतों को दोबारा रिस्टोर करने में काफी रुपए खर्च कर रहा है। वैसिल लोजिंसकी पर आरोप लगे कि इमारतों को रिस्टोर करने के काम के लिए खरीदी मशीनरी खरीदने के कॉन्ट्रैक्ट में उन्होंने 3 करोड़ 23 लाख रुपए की रिश्वत ली थी।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में वीकिपीडिया पर लगा प्रतिबंध हटाया गया, पीएम शहबाज शरीफ ने दिया था आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ऑनलाइन नॉलेज प्लेटफॉर्म वीकिपीडिया पर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया है।

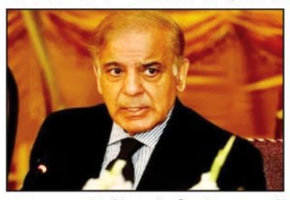

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आदेश पर तुरंत वीकिपीडिया का संचालन दोबारा शुरू करवाया गया। कुछ दिनों पहले ही दुनियाभर में चर्चित वीकिपीडिया पर पाकिस्तान की सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया था। वीकिपीडिया से प्रतिबंध हटाने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय मिनिस्ट्रीयल कमेटी ने फैसला लिया है। इसमें प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अलावा पाकिस्तान के कानून मंत्री आजम नजीर तरार, इकनॉमिक अफेयर एंड पॉलिटिकल अफेयर मंत्री अयाज सादिक और सूचना एवं प्रसारण मंत्री मरियम औरंगजेब शामिल थीं। मंत्रियों के इस परिषद ने वीकिपीडिया से तुरंत प्रतिबंध हटाने का सुझाव दिया था। पाकिस्तान टेलीकम्युनिकेशन अथॉरिटी (पीटीए) ने एक फरवरी को वीकिपीडिया से कुछ विवादित कंटेंट्स को हटाने के लिए कहा था। हालांकि, तब वीकिपीडिया विवादित कंटेंट को हटा नहीं पाया था। इसके दो दिन बाद ही पाकिस्तान सरकार ने वीकिपीडिया पर बैन लगा दिया था। सोमवार छह फरवरी को ये मामला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पास पहुंचा। तब उन्होंने तीन मंत्रियों वाले परिषद के साथ इसपर चर्चा की। इसके बाद प्रधानमंत्री ने बयान जारी किया। बयान के अनुसार, समिति ने कहा, विकिपीडिया एक उपयोगी साइट है, जिसने आम जनता, छात्रों और शिक्षाविदों के लिए ज्ञान और सूचना के प्रसार का समर्थन किया।

इस्लाम के अनुरूप हो सभी कानून : पाकिस्तान सीनेट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सीनेट ने सर्वसम्मति से संविधान के अनुच्छेद 227 की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें कहा गया है कि सभी मौजूदा कानूनों को पवित्र कुरान और सुन्नत में निर्धारित इस्लाम के आदेशों के अनुरूप लाया जाएगा और इस के विरुद्ध कोई कानून नहीं बनाया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, सीनेटर मुश्ताक अहमद द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव ने संविधान के अनुच्छेद 203सी और 203एफ की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया, जो सर्वोच्च न्यायालय में संघीय शरीयत न्यायालय और शरीयत अपीलीय पीठ के लिए प्रदान करता है। संकल्प के माध्यम से, सदन ने संघीय शरीयत न्यायालय में उलेमा न्यायाधीशों सहित न्यायाधीशों के रिक्त पदों पर गहरी चिंता व्यक्त की और सर्वोच्च न्यायालय में शरीयत अपीलीय पीठ की कम बैठकों के कारण महत्वपूर्ण मामलों के पेंडिंग होने पर चिंता व्यक्त की। सदन ने मांग की है कि अनिवार्य संवैधानिक शक्ति के अनुसार, सरकार तत्काल आधार पर संघीय शरीयत न्यायालय में उलेमा न्यायाधीशों सहित सभी न्यायाधीशों की नियुक्ति कर सर्वोच्च न्यायालय में संघीय शरीयत न्यायालय और शरीयत अपीलीय खंडपीठ को क्रियाशील बनाए। इस बीच, एहसास अंडरग्रेजुएट स्कॉलरशिप प्रोग्राम को जारी रखने के संबंध में एक प्रस्ताव को अपनाने के लिए दबाव डालने पर विपक्ष ने सरकार के 26 से 18 मतों से हार का स्वाद चखा।

स्वाति दवे सेंटर फॉर ऑस्ट्रेलिया-इंडिया रिलेशंस की अध्यक्ष नियुक्त

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने मंगलवार को स्वाति दवे को सेंटर फॉर ऑस्ट्रेलिया-

इंडिया रिलेशंस के सलाहकार बोर्ड की अध्यक्ष नियुक्त किया। दवे वर्तमान में एशिया सोसाइटी ऑस्ट्रेलिया के उपाध्यक्ष के रूप में और ऑस्ट्रेलिया-चीन संबंध सलाहकार बोर्ड के नेशनल फाउंडेशन के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। वह क्यूआईसी ग्लोबल इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए एक निवेश समिति की सदस्य भी हैं। अपनी नई भूमिका में, प्रवासी भारतीयों के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम करते हुए, दवे भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत व्यापार और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देंगी। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मामलों के मंत्री, सीनेटर पेनी वोंग ने एक बयान में कहा, दवे सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में अपनी व्यापक वरिष्ठ कार्यकारी और गैर-कार्यकारी निदेशक भूमिकाओं से मूल्यवान रणनीतिक, नेतृत्व का शानदार अनुभव लाएंगी। वोंग ने कहा, मैं इस महत्वपूर्ण पहल पर स्वाति दवे के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं, क्योंकि हम अपने सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय साझेदारों में से एक भारत के साथ संबंध को गहरा करना चाहते हैं। दवे ने हाल ही में एक्सपोर्ट फाइनेंस ऑस्ट्रेलिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ के रूप में काम किया था।

तुर्किये का युवक बोला- 2 झटकों से फैमिली खत्म हो गई, सीरियाई अफसर ने कहा- हर मिनट लाश मिल रही

अंकारा/दमिश्क।
तुर्किये, सीरिया, लेबनान और इजराइल सोमवार को जबरदस्त भूकंप से दहल उठे। 7.8 और 7.6 की तीव्रता वाले झटकों ने इन पड़ोसी देशों में करीब 4,300 लोगों को मौत की नींद में सुला दिया। राहत और बचाव अभियान जारी है, लेकिन लाशें मिलने का सिलसिला भी थम नहीं रहा है।

खराब मौसम और महंगाई का संकट झेल रहे तुर्किये में हालात बेहद खराब हैं। यहां मौतों का आंकड़ा भी 1,500 से ज्यादा हो चुका है। दूसरी तरफ, सिविल वॉर वाले सीरिया के बारे में तो सिर्फ वही पता लग रहा है जो वहां के जर्नलिस्ट इंटरनेशनल न्यूज एजेंसियों को बता रहे हैं। इस भूकंप के बाद कुछ कहानियां भी सामने आ रही हैं। हम यहां ऐसी ही तीन कहानियां आप तक पहुंचा रहे हैं।

तुर्किये : दूसरों को बचाने गया, खुद का परिवार खत्म हो गया - तुर्किये के अजमारिन में रहने वाले फरहाद ने बातचीत की। उनकी कहानी दिल को झकझोर देने वाली है। फरहाद कहते हैं- मेरे मुल्क में मौसम बहुत खराब चल रहा है। रोज बर्फबारी और बारिश हो रही है। उस वक्त रात के करीब चार बज रहे थे। मुझे कांच टूटने की आवाज आई। पहली बार में लगा जैसे किसी ने बाहर से पत्थर मारा है। मैंने उठकर देखना चाहा तो पैर जमीन पर नहीं टिक रहे थे।

फरहाद कहते हैं- मैं फौरन समझ गया कि भूकंप आया है। बहुत तेजी से चीखा और परिवार के बाकी 5 सदस्यों को उठाया। सब बाहर की तरफ भागे। पेरेंट्स बुजुर्ग थे। वो सही वक्त पर नहीं निकल सके। गैरेज का एक बड़ा हिस्सा उनके ऊपर आ गिरा। कई घंटे बाद उनके शव मिले।

जब पेरेंट्स को निकाल रहा था, तब पत्नी और बेटा सड़क के किनारे खड़े थे। इसी वक्त दूसरा झटका आया और करीब की एक बिल्डिंग चंद सेकंड में गिर गई और फिर सब-कुछ मेरी आंखों के सामने खत्म। समझ नहीं आता अब कहां जाउंगा, किसके लिए जिऊंगा।

सीरिया : लाशें निकालते-निकालते कलेजा पत्थर हो गया - सीरिया के सिविल डिफेंस से जुड़े एक अफसर ने कहा- यह तो डिजास्टर से भी भयानक है। मैं नहीं समझ सकता कि इसे क्या कहूं, आप ही कोई नाम सोच लीजिए। लाशें निकालते-निकालते हम थक चुके हैं। हर मिनट किसी न किसी मलबे से एक लाश बाहर निकाल रहे हैं। सच्चाई ये है कि हमारी ये हैसियत ही नहीं कि इस तरह के डिजास्टर को हैंडल कर सकें।

यह अफसर आगे कहता है- अब सिर्फ दुनिया ही हमें इस मौत के दलदल से निकाल सकती है। हम उनके आगे रहम और मदद की भीख मांगते हैं। हम भी इंसान हैं, पहले ही मुश्किल में थे। अब तो लगता है कि जैसे सब-कुछ खत्म हो गया। मैं नहीं जानता कि कुल कितने लोग इस मुल्क में मारे गए हैं। कई इलाकों तक तो हमारी पहुंच ही नहीं है। बस इतना कह सकता हूं कि मरने वालों का आंकड़ा उसकी सोच से कई गुना ज्यादा होगा। जो बच गए हैं, वो सिविल वॉर वाले इस देश में बच सकेंगे, उन्हें इलाज मिल सकेगा मुझे तो नहीं लगता।

तुर्किये : लोगों को बचाते-बचाते दोस्त मारा गया - गजियनटेप में रहने वाले इरदिम और उनका परिवार इस इलाके में रह रहा था। वो खुशकिस्मत रहे कि उनका परिवार किसी तरह बच गया। उनके घर से निकलने के बाद उनका दो मंजिला मकान ताश के पत्तों की तरह ढह गया। कुछ जानवर वहां रह गए थे, उनका अब तक कोई पता नहीं चल सका है।

इरदिम को परिवार के बचने का सुकून है और वो इसके लिए ऊपर वाले का शुक्रिया अदा करते हैं। फिर कुछ देर बाद आसमान की तरफ एकटक देखते हैं। इरदिम रोते हुए कहते हैं- 40 साल हुए इस कॉलोनी में रहते हुए। रात को ही तो मैंने अपने जिगरी दोस्त शियाद को डिनर के लिए घर बुलाया था। वो दो मकान छोड़कर रहता था।

इरदिम की आंखें मनमानी पूरी करके ही मानती हैं। मिट्टी लगी शर्ट की बांह से आंसू पोंछते हुए वो आगे कहते हैं। मैं परिवार के साथ सड़क पर खड़ा था। सामने एक मकान गिर रहा था। शियाद मेरे बच्चों को हौसला दे रहा था कि सब ठीक हो जाएगा। उसी वक्त वो मकान ढह गया। शियाद बच्चों को छोड़कर मलबे में दबे लोगों को बचाने दौड़ा। वो वहां पहुंचा तभी मकान का आखिरी बचा हिस्सा उसके ऊपर आ गया। कुछ देर पहले उसकी आंखें बंद हुई हैं, हमेशा-हमेशा के लिए।

चीन को गुब्बारे का मलबा नहीं लौटाएगा यूएस ; बाइडन बोले- दोनों देशों के रिश्ते कमजोर नहीं हुए

वॉशिंगटन।
अमेरिका ने निगरानी गुब्बारे का मलबा चीन को लौटाने से इनकार कर दिया है। जासूसी गुब्बारे को दक्षिण कैरोलिना के तट से दूर अटलांटिक महासागर में मार गिराया गया था। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीन के संबंधों पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि एक संदिग्ध चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराए जाने से वाशिंगटन और बीजिंग के बीच संबंध कमजोर नहीं हुए हैं।

व्हाइट हाउस के बाहर संवाददाताओं से बात करते हुए बाइडन ने कहा कि उनका हमेशा से मानना रहा है कि गुब्बारे को जितनी जल्दी हो सके मार गिराया जाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या गुब्बारे की घटना से अमेरिका-चीन संबंध कमजोर हुए हैं बाइडन ने कहा कि नहीं, हमने चीन को स्पष्ट कर दिया है कि हम क्या करने जा रहे हैं। वे हमारी स्थिति को समझते हैं। हम पीछे नहीं हटने वाले। हमने सही काम किया और यह कमजोर या मजबूत होने का सवाल नहीं है, यह वास्तविकता है।

इससे पहले अमेरिकी सेना ने निगरानी गुब्बारे के अवशेषों को इकट्ठा करने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि मुझे इस तरह के इरादे के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मलबे को वापस करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है। किर्बी ने कहा कि यह सच है कि इस गुब्बारे में खुद को गति देने, धीमा करने और मुड़ने की क्षमता थी। इसलिए इसमें प्रोपेलर थे, इसमें एक पतवार थी, अगर आप चाहें तो इसे दिशा बदलने की अनुमति दे सकते थे।

उत्तरी कमान के कमांडर जनरल ग्लेन वानहर्क के मुताबिक, गुब्बारे की ऊंचाई 200 फीट तक थी। उन्होंने कहा कि इसमें कई हजार पाउंड वजन का पेलोड था, जो मोटे तौर पर एक क्षेत्रीय जेट विमान के आकार का था।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने संवाददाताओं से कहा कि हमारा मानना है कि चीन की गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाई अमेरिका और दुनिया को दिखाई दे रही थी। इतना ही नहीं, उसी समय एक दूसरे पीआरसी निगरानी गुब्बारे को लैटिन अमेरिका से गुजरते हुए देखा गया था।

अमेरिका में बढ़ती भारत की साख, यूएसए कांग्रेस की अहम इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष बने भारतीय मूल के रो खन्ना

वॉशिंगटन।
अमेरिका में भारत और भारतीय मूल के लोगों की साख बढ़ती जा रही है। दरअसल अमेरिकी सदन में देश विशेष के सबसे बड़े द्विदलीय गठबंधन कांग्रेसनल कॉकस ऑन इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन्स का सह-अध्यक्ष भारतीय मूल के सांसद रो खन्ना को बनाया गया है। वहीं रिपब्लिकन पार्टी के सांसद माइक वाल्ट्ज को भी सह -अध्यक्ष बनाया गया है। रो खन्ना अमेरिकी की सत्ताधारी डेमोक्रेटिक पार्टी से सांसद हैं। गौरतलब है कि कांग्रेसनल कॉकस ऑन इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन्स के सह-अध्यक्ष बनने वाले भारतीय मूल के दूसरे सांसद हैं। इनसे पहले भारतीय मूल के एमी बेरा इस प्रतिष्ठित गठबंधन के सह-अध्यक्ष रह चुके हैं। एमी बेरा 2015-2016 के बीच सह अध्यक्ष रहे थे। एमी बेरा के समय में इस कॉकस में वह अकेले भारतीय मूल के सांसद थे लेकिन अमेरिकी संसद में भारतीय मूल के सांसदों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है, जिनमें डॉ. एमी बेरा, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार शामिल हैं। कांग्रेसनल कॉकस ऑन इंडिया एंड इंडियन अमेरिकन्स की स्थापना साल 1993 में की गई थी और इसका उद्देश्य दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करना है। कॉकस का सह अध्यक्ष चुने

जाने पर रो खन्ना ने कहा कि वह इस कॉकस का सह अध्यक्ष बनाए जाने पर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हम भारत और अमेरिका के संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे। भारत हमारी अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम है। रो खन्ना लगातार चार बार से कैलिफोर्निया के 17वें कांग्रेसनल जिले से सांसद चुने जा रहे हैं। वहीं माइक वाल्ट्ज ने सह अध्यक्ष बनने पर कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और भारत का अहम रणनीतिक साझीदार भी है। इसलिए मैं हाउस इंडिया कॉकस का सह अध्यक्ष बनाए जाने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और यह सुनिश्चित करूंगा कि दोनों देशों के बीच की यह साझीदारी, राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा के स्तर पर और मजबूत बने और एशिया और दुनिया भर के लोकतंत्रों की रक्षा की जा सके।

इस्लामाबाद के सिक्योर्ड पार्क में गैंगरेप : वारदात के बाद आरोपियों ने लड़की को 1 हजार रुपए दिए, कहा- इस वक्त पार्क मत आया करो

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के सिक्योर्ड और रेड जोन एरिया में गैंगरेप हुआ। इस जगह को फातिमा जिन्ना पार्क (स्न-9 पार्क) कहा जाता है। विक्टिम लड़की अपने ऑफिस कलीग के साथ वहां टहलने गई थी। उसी वक्त दो हथियारबंद बदमाश उन्हें वहां से करीबी जंगल में ले गए और वारदात को अंजाम दिया।

पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में इस घटना और आरोपियों के बारे में जानकारी दी है। गैंगरेप के बाद आरोपियों ने विक्टिम के हाथ में 1 हजार रुपए थमाए और कहा- यह वक्त पार्क में घूमने का नहीं है।

कैसे हुई घटना

घटना 2 फरवरी की शाम 7 से 8 बजे के बीच की है। एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करने वाली लड़की डिनर के बाद अपने ऑफिस कलीग के साथ स्न-9 पार्क गई। सर्दी के चलते पार्क में बहुत ज्यादा लोग नहीं थे। दोनों लोग वहां टहल रहे थे। कुछ मिनट बाद वहां दो लोग आए। इनमें से एक की 35 साल के करीब जबकि दूसरे की 18 या 19 साल थी। दोनों लोगों के पास पिस्टल थीं। उन्होंने इस कपल को बंदी बनाया और पार्क से कुछ दूर जंगल में ले गए। आरोपियों ने इन दोनों के साथ काफी मारपीट की। इसके बाद एक आरोपी लड़के को दूर ले गया। बाद में दोनों आरोपियों ने लड़की से गैंगरेप किया। उसके फटे हुए कपड़े भी काफी दूर फेंक दिए। बाद में दोनों आरोपी भाग गए। स्न-9 पार्क को इस्लामाबाद सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत रखा गया है। यहां कई सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

अब जागी पुलिस

पुलिस ने इस मामले को तीन दिन दबाए रखा, लेकिन लोकल मीडिया ने इसे उजागर कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। लड़की ने पूरी घटना की जानकारी दी है। विक्टिम ने कहा- आरोपियों ने मुझसे पूछा था कि इस लड़के से तुम्हारा क्या रिश्ता है। उन्होंने हमसे काफी मारपीट भी की। वारदात के बाद एक आरोपी ने मुझे 1 हजार रुपए दिए और कहा कि रात में इस वक्त पार्क में मत घूमा करो। पुलिस के मुताबिक- मामले की साइंटिफिक इन्वेस्टिगेशन की जा रही है। विक्टिम का मेडिकल कराया गया है और इसमें रेप की पुष्टि हुई है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पार्क में लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग चेक की जा रही है। आरोपियों के स्थानीय होने का शक है और उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हर सप्ताह हमारे शरीर में पहुंच रहा 5 ग्राम माइक्रो प्लास्टिक, शोधकर्ताओं ने बताया शरीर के लिए खतरनाक

सिंगापुर।
प्लास्टिक के कण मानव शरीर में चिंताजनक स्तर पर बढ़ रहे हैं। हमारे स्वास्थ्य के लिए यह किसी टाइम-बम की तरह बन चुके हैं, जो आधे से अधिक अंदरूनी अंगों को क्षति पहुंचा सकते हैं। मलयेशिया, ऑस्ट्रेलिया व इंडोनेशिया के अध्ययनकर्ताओं ने नई रिपोर्ट्स में यह दावा किया है। इसमें कहा गया है कि प्रति सप्ताह औसतन 5 ग्राम प्लास्टिक मानव शरीर में पहुंच रहा है। एक क्रेडिट कार्ड का वजन भी इतना ही होता है। कई लोगों में तो इससे कहीं ज्यादा प्लास्टिक पहुंच रहा है।

ताजा अध्ययन के अनुसार, प्लास्टिक में करीब 10 हजार प्रकार के केमिकल पूरी दुनिया में बिना रोकटोक मिलाए जा रहे हैं। चीन सबसे ज्यादा प्लास्टिक प्रदूषण फैला रहा है, इसके बाद इंडोनेशिया है। यहां के एयरलंग्गा विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ता वेरिल हसन का दावा है कि आज मानव शरीर में माइक्रो-प्लास्टिक पहुंचाने का प्रमुख माध्यम समुद्री मछलियां बन चुकी हैं। अनुमान है कि 2050 तक समुद्र में पहुंचे प्लास्टिक का वजन मछलियों के कुल वजन से ज्यादा होगा। मलयेशिया में साइंस विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ता ली योंग ये का दावा है कि आधे से अधिक मानव अंगों में माइक्रो प्लास्टिक पहुंच चुका है।

वैज्ञानिकों ने जारी की रिपोर्ट्स, कैंसर से लेकर अंदरुनी अंग फेल होने की आशंकाएं जताईं।

माइक्रो प्लास्टिक 5 मिलीमीटर से छोटे कण होते हैं। मलयेशियाई अध्ययनकर्ताओं ने 5 मिलीमीटर से छोटे 12 से लेकर 1 लाख तक प्लास्टिक कण तक मानव शरीर में रोज पहुंचने का दावा किया है। एक साल में 11,845 से 1,93,200 माइक्रो प्लास्टिक कण शरीर में पहुंचते हैं, इनका वजन 7.7 ग्राम से 287 ग्राम तक होता है। रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी और फोरियर-ट्रांसफॉर्म इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी के जरिए बेहद सूक्ष्म कणों की पहचान के प्रयास हो रहे हैं ताकि शरीर और विभिन्न पदार्थों में उनकी मौजूदगी का आकलन हो सके। फिलहाल सफलता नहीं मिली है।

शरीर में कहां से आ रहा

खाने-पीने की चीजों की प्लास्टिक पैकेजिंग और प्लास्टिक के प्लेट-ग्लास के साथ यह आ रहा है। सबसे ज्यादा पैकेज्ड बॉटल-वाटर लेने वालों को खतरा है, अध्ययन बताते हैं कि बॉटल के पानी में माइक्रो-प्लास्टिक ज्यादा है। प्रदूषण इसकी सबसे बड़ी वजह है। हमारे समुद्र, नदियां, मिट्टी, हवा और बारिश के पानी में प्लास्टिक पहुंच गया है।

मां के दूध तक में माइक्रोप्लास्टिक मिलने की पुष्टि वैज्ञानिकों ने की है। नीदरलैंड के वैज्ञानिकों को मांस के 8 में से 7 नमूनों में माइक्रो प्लास्टिक मिला, तो दूध के 25 में से 18 नमूनों में। समुद्री नमक, मछलियां खाने वालों को प्लास्टिक भी परोसा जा रहा है। अध्ययनों में इससे पाचन तंत्र व आंतों से लेकर कोशिकाओं को खतरा माना गया है। कैंसर व हृदय रोग, किडनी, पेट व लिवर के रोग, मोटापा, मां के गर्भ में मौजूद भ्रूण का विकास भी रुकने के दावे हुए हैं।

क्या है बचाव

माइक्रोप्लास्टिक की अहम वजह सिंगल यूज प्लास्टिक है। करीब 98 देशों में 2022 तक इन पर आंशिक या पूर्ण प्रतिबंध लगे हैं। यह तभी संभव है, जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा।

जयपुर एयरपोर्ट पर टर्मिनल विस्तार से मिलेगी जाम की समस्या से निजात

जयपुर, (हि.स.)। देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट में शुमार जयपुर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अब टर्मिनल-2 के बाहरी क्षेत्र में विकास कार्यों की शुरूआत हो चुकी है। इससे न सिर्फ एयरपोर्ट के अराइवल एरिया में जाम से निजात मिलेगी, बल्कि पलभर में यात्री एयरपोर्ट से बाहर मुख्य सड़क पर पहुंच सकेंगे। नए बदलाव से यात्री सुविधओं में बढ़ोतरी के साथ यात्रा को और अधिक सुगम बनाने के प्रस्ताव प्रस्तावित हैं। निजीकरण के बाद एयरपोर्ट पर लगातार विकास कार्यों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वीआईपी मूवमेंट के दौरान लगने वाले जाम से निजात पाने के लिए पोर्च लेन का विस्तार किया गया है। वर्तमान तीन लेन के साथ अब तीन नए लेन बनाए जाएंगे, जो वर्तमान टैक्सी पार्किंग के नजदीक होंगे। इस विस्तार के चलते पोर्च में लगने वाले किसी भी तरहे के जाम से हमेशा के लिए छुटकारा मिल जाएगा। एयरपोर्ट परिसर में निकास और प्रवेश द्वार भी अलग- अलग बनाए जाएंगे। अभी निकास और प्रवेश द्वार की दूरी को और अधिक विस्तृत किया जाएगा। यहां 270 के बजाय अब यहां 700 से अधिक चौपहिया वाहन एकसाथ

पार्क हो सकेंगे। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाओं और नई एयरलाइंस के साथ सफर करना आसान हुआ है। एयरलाइंस के अधिकारियों के अनुसार पिछले महीनों की तुलना में बुकिंग में बढ़ोतरी होनी शुरू हो गई है, जो विकास का एक अच्छा संकेत है। अब भी फेस्टिवल और टूरिस्ट सीजन है इसलिए पर्यटकों के आने का ट्रेंड इसी तरह बरकरार रहने की उम्मीद है। बीते कुछ महीनों में जयपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए काफी इंतजाम किए गए है, जहां एक तरफ यात्रियों के लिए 50 से अधिक स्टोर्स खोले गए। वहीं, एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए सुगम यातायात की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक हेल्प डेस्क तथा अन्य सुविधाए भी विकसित की गई।

स्थानीय कला और आधुनिकता के समावेश से जैसलमेर रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प

जैसलमेर, (हि.स.)। पर्यटक स्थल और सामरिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण, जैसलमेर के रेलवे स्टेशन का रेलवे द्वारा एक सौ चालीस करोड़ रुपये की लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विश्वस्तरीय पुनर्विकास किया जायेगा। देशभर से जैसलमेर आने वाले पर्यटको को स्टेशन के पुनर्विकास होने से अनेक यात्री सुविधाओं के साथ अलग अनुभूति मिलेगी। इसके साथ-साथ सेना के जवानो को अपने कार्यस्थल पर आवागमन के लिये विश्वस्तरीय स्टेशन की सुविधा भी उपलब्ध होगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार महाप्रबन्धक श्री विजय शर्मा के दिशा निर्देशन में जैसलमेर स्टेशन के पुनर्विकास का कार्य प्रगति पर है। रेलवे द्वारा कार्य का एलओए कंस्ट्रक्शन कंपनी को जारी कर दिया गया है। कंपनी द्वारा प्रतिनिधि नियुक्त कर स्टेशन के पुनर्विकास के लिए संसाधन स्थापित करने के प्रयास शुरू कर दिये गये है।वर्तमान में जैसलमेर स्टेशन पर साइट ऑफिस, तथा लेबर कैम्प इत्यादि का निर्माण कार्य जारी है। जैसलमेर स्टेशन पर लगभग 8327 वर्ग मीटर क्षेत्र में मुख्य स्टेशन बिल्डिंग का निर्माण किया जायेगा। स्टेशन के पुनर्विकास में राजस्थानी

हैरिटेज और आधुनिकता के समावेश से इसे आकर्षक लुक प्रदान किया जायेगा।

मुख्य स्टेशन बिल्डिंग में आगमन/प्रस्थान हेतु अलग-अलग प्रवेश व निकास द्वार, एक हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल में एयर कोनकॉर्स, कवर्ड प्लेटफार्म, लिफ्ट व एस्केलेटर की सुविधा, फुट ओवर ब्रिज, अत्याधुनिक सुविधाओं से स-सज्जित वेटिंग रूम, शॉपिंग कॉम्पलेक्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, उन्नत व मानक स्तर की लाइटिंग, फुड कोर्ट इत्यादि का प्रयोजन रखा गया है। इसके साथ ही स्टेशन पर पर्याप्त व सुव्यवस्थित पार्किंग सुविधा, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, संकेतक, शौचालय, बेगेज स्कैनर, मैटल डिटेक्टर तथा कोच गाइडेन्स बोर्ड व ट्रेन इन्डिकेटर इत्यादि के साथ समस्त प्रकार की आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। स्वर्ण नगरी के नाम से विख्यात जैसलमेर शहर में स्थित जैसलमेर स्टेशन का संपूर्ण पुनर्विकास इसकी भव्यता और आकर्षक बिल्डिंग को देखने से नजर आएगा। जैसलमेर स्टेशन को सिटी सेन्टर के रूप में विकसित किया जायेगा जिससे स्टेशन, यात्रियों के साथ-साथ शहर के निवासियों के लिये भी आकर्षण का केन्द्र बने। स्टेशन पुनर्विकास में ऊर्जा खपत में कमी के लिए ग्रीन बिल्डिंग आधारित सुविधाएं होंगी, जो नवीनीकरणीय ऊर्जा के साथ कचरे के प्रसंस्करण, वर्षा जल संचयन आदि जैसे संसाधनों से युक्त होगी। स्टेशन पर हरित और पर्यावरण अनुकूल सौर ऊर्जा प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। स्टेशन पुनर्विकास का कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। स्टेशन पुनर्विकास का यह कार्य दो वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

अडाणी मामले को दबाने का प्रयास कर रही मोदी सरकार: दलबीर किरमारा

आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने एसबीआई बैंक के सामने किया रोष प्रदर्शन

हिसार, (हि.स.)। अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट बारे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पार्टी के वरिष्ठ नेता दलबीर किरमारा के नेतृत्व में मंगलवार को तोशाम रोड पर एसबीआई बैंक के सामने रोष प्रदर्शन किया। पार्टी ने इस मामले की संयुक्त संसदीय कमेटी (जेपीसी) से जांच करवाने की मांग उठाई। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता दलबीर किरमारा ने कहा कि अडाणी मामले में केन्द्र सरकार की चुप्पी देश के लिए खतरनाक साबित हो रही है। उन्होंने कहा मोदी व अडाणी की दोस्ती देश को ले डूबेगी। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं है तो इस मामले में सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए जनता के सामने जवाबदेही देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से केन्द्र सरकार अडाणी मामले को दबाने का प्रयास कर रही है, उसके दुष्परिणाम देश को भुगतने पड़ रहे हैं। इस अवसर पर उमेश रतन शर्मा, वीएल शर्मा, विरेंद्र शर्मा, रामस्वरूप खरड़, ओमप्रकाश ख्यालिया, सुभाष किरमारा, जोगीराम पंघाल, उमेद सिंह पान्नू, ईश्वर बेरवाल, दीया डोभी, चमेली वर्मा, विमला सातरोड़ व राजेंद्र कंवारी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

11 फरवरी को भिवानी आगमन पर मुख्यमंत्री का विरोध करेंगे धरनारत पीटीआई

भिवानी, (हि.स.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कमजोर नेतृत्व एवं बेबुनियादी नीतियों ने प्रदेश के 1983 बर्खास्त पीटीआई अपना रोजगार खोकर सडकों पर भूखे-प्यासे रोजगार बहाली की मांग कर रहे है, लेकिन मुख्यमंत्री उनकी मांगों को सुनने की बजाए उन्हे झूठे आश्वासन दिए जा रहे है। जिसके कारण बर्खास्त पीटीआई में रोष है तथा उन्होंने भिवानी आगमन पर मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाकर उनका विरोध किए जाने का ऐलान किया है। यह बात स्थानीय लघु सचिवालय के समक्ष धरने पर बैठे बर्खास्त पीटीआई को संबोधित करते हुए हरियाणा शारीरिक शिक्षक संघर्ष समिति के जिला प्रधान दिलबाग जांगड़ा ने कही। बहाली की मांग को लेकर जारी बर्खास्त पीटीआई का धरना मंगलवार को 968वें दिन भी जारी रहा। धरने को संबोधित करते हुए दिलबाग जांगड़ा ने कहा कि न्यायालय में विचाराधीन उनकी बहाली के मामले में प्रदेश सरकार द्वारा कमजोर पैरवी के कारण उन्हे आज तक बहाली नसीब नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के मुखिया जान-बूझकर न्यायालय में उनकी बहाली के मामले में स्टे लगवा रहे है, जबकि वे भी जानते है कि बर्खास्त पीटीआई के साथ पिछले 32 माह से लगातार अन्याय किया जा रहा है। जांगड़ा ने कहा कि बर्खास्त पीटीआई अपने रोजगार की आंस में लंबे समय से सडकों पर है। इस दौरान बहुत से बर्खास्त पीटीआई आर्थिक व मानसिक प्रताडना के दबाव में काल का ग्रास तक बन चुके है तथा बाकी बचे बर्खास्त अपने बच्चों को अच्छा खाना व शिक्षा तक मुहैया नहीं करवा पा रहे है। जिसके कारण उनमें रोष है तथा उन्होंने ऐलान किया कि 11 फरवरी को भिवानी आगमन पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल को काले झंडे दिखाकर उनका विरोध किया जाएगा तथा जल्द ही उनकी बहाली नहीं होती है तो वे भविष्य में सरकार के प्रत्येक विधायक, मंत्री व सांसद के कार्यक्रम का विरोध करने की रूपरेखा तैयार करेंगे।

ओएसजीयू के 30 छात्र स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम पूरा कर इंग्लैंड से भारत लौटे

हिसार, (हि.स.)। ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी के 30 छात्रों का दल मार्केटिंग डीन डॉ. रमनजीत सिंह के नेतृत्व में छह दिनों का स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम पूरा कर सकुशल भारत लौट गया है। चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो. चांसलर पूनम गोयल ने बताया कि स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम में छात्रों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत कुछ सिखा है जो कि भविष्य में अच्छा करियर बनाने में छात्रों के लिए बेहद जरूरी है। कुलपति डॉ. एनपी कौशिक तथा प्रति कुलपति अजय पोदार ने छह दिवसीय स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम पूरा कर ओएसजीयू लौटने पर सभी छात्रों को शुभकामनाएं दी। मार्केटिंग डीन डॉ. रमनजीत सिंह ने मंगलवार को बताया कि ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिट के छात्रों ने कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी इंग्लैंड और कोवेंट्री यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड का शैक्षणिक भ्रमण कर कई शैक्षणिक गतिविधियां में भाग लिया। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा छात्रों को प्रोत्साहित किया गया और प्रभावी स्किल कैसे विकसित करें इस पर विस्तार से चर्चा

की गई। अंतिम दिन छात्रों को प्रमाण पत्र भी दिए गए। इसके अलावा ओएसजीयू और कोवेंट्री यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड के बीच अनुबंध भी किया गया। जिसके आधार पर छात्रों को स्किल प्रशिक्षण समेत अन्य जरूरी प्रशिक्षण दिए जाएगे ताकि विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार कर अच्छे संस्थानों में उनकी प्लेसमेंट करवाई जा सके वहीं छात्रों ने भी इस भ्रमण को बड़ा ही कारगर और रोचक बताया। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता दलबीर किरमारा ने कहा कि अडाणी मामले में केन्द्र सरकार की चुप्पी देश के लिए खतरनाक साबित हो रही है। उन्होंने कहा मोदी व अडाणी की दोस्ती देश को ले डूबेगी। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं है तो इस मामले में सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए जनता के सामने जवाबदेही देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से केन्द्र सरकार अडाणी मामले को दबाने का प्रयास कर रही है, उसके दुष्परिणाम देश को भुगतने पड़ रहे हैं। इस अवसर पर उमेश रतन शर्मा, वीएल शर्मा, विरेंद्र शर्मा, रामस्वरूप खरड़, ओमप्रकाश ख्यालिया, सुभाष किरमारा, जोगीराम पंघाल, उमेद सिंह पान्नू, ईश्वर बेरवाल, दीया डोभी, चमेली वर्मा, विमला सातरोड़ व राजेंद्र कंवारी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कश्मीर में नार्को-आतंकवाद में वृद्धि चिंताजनक: लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी

श्रीनगर, (हि.स.)। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी जीओसी-इन-सी उत्तरी कमान ने मंगलवार को कहा कि कश्मीर में नार्को-आतंकवाद में चिंताजनक वृद्धि हो रही है। सेना भविष्य में किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। बीबी कैंट श्रीनगर में अलंकरण समारोह के पहले खंड में उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तरी कमान तत्परता और मनोबल की उच्च स्थिति में है। लगातार विकसित हो रहे खतरों और चुनौतियों का सामना कर रही है। लेफ्टिनेंट जनरल ने कहा कि जम्मू, कश्मीर और लद्दाख में सुरक्षा की स्थिति इलाके और परिचालन गतिशीलता में विशेष रूप से उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर विभिन्न विरोधियों से कई चुनौतियों का सामना करती है। उन्होंने कहा कि हम राष्ट्र की लोकतांत्रिक परंपराओं को बरकरार रखते हुए भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना भविष्य में किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है और हमेशा क्षेत्र के लोगों की भलाई के लिए काम करेगी। पिछले दो वर्षों ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, गलवान संघर्ष और कोविड-19 की नई चुनौतियों को सामने लाया गया है। उन्होंने कहा कि सेना ने इन चुनौतियों का डटकर सामना किया और दृढ़ता से इन पर सफलता हासिल की है। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि नियंत्रण रेखा पर स्थिति स्थिर बनी हुई है और संघर्ष विराम की समझ बनी हुई है। घुसपैठ के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए एक बहुत सख्त निगरानी और एक मजबूत प्रौद्योगिकी सक्षम बहु-स्तरीय काउंटर घुसपैठ ग्रिड को बनाए रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि संघर्षविराम उल्लंघन, घुसपैठ की कोशिशों या दुश्मन द्वारा किए गए किसी भी अन्य दुस्साहस से दृढ़ता से निपटा जाएगा। पिछले साल घुसपैठ की कई कोशिशों को नाकाम किया गया है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में नार्को-आतंकवाद में चिंताजनक वृद्धि हो रही है क्योंकि पाकिस्तान अब नार्को-आतंकवाद को अपने छद्म युद्ध में एक नए उपकरण के रूप में उपयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में ड्रोन के माध्यम से ड्रग्स के साथ-साथ हथियारों को भेजने की दोहरी रणनीति को नियोजित किया जा रहा है ताकि यहां पर सामाजिक ताने-बाने को भंग करके अशांति फैलाई जा सके। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों की सीमा पार से तस्करी आतंकवाद को सहायता प्रदान करती है। सुरक्षा बल दुश्मनों की इस रणनीति के लिए खिलाफ डटकर खड़े हैं और खतरे को रोकने के लिए काउंटर ड्रोन उपाय शुरू कर चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारा ध्यान सभी हितधारकों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ तालमेल बनाकर, शांति स्थापित करने और विकासात्मक गतिविधियों को शुरू करने के लिए हमारे खुफिया सेटअप को मजबूत करने पर है। एलएसी की स्थिति पर उन्होंने कहा कि यथास्थिति को एकतरफा बदलने के चीनी प्रयासों के लिए सेना की प्रतिक्रिया भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा एक तेज, निडर और समन्वित कार्रवाई थी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिकूल आक्रामक डिजाइन या प्रयास का निश्चित रूप से बलों की उचित मुद्रा और तीनों सेवाओं के बीच पूर्ण तालमेल के साथ एक मजबूत इरादे से मुकाबला किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राजनयिक और परिचालन स्तर पर एलएसी की स्थिति को हल करने के उपाय भी साथ-साथ चल रहे हैं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर भौतिक गश्त और तकनीकी माध्यमों का वर्चस्व है और हमारी क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर की जनता को अपने पैरों तले कुचल रही भाजपा सरकार: हर्ष देव

जम्मू, (हि.स.)। आम आदमी पार्टी के जम्मू व कश्मीर के चेयरमैन और पूर्व मंत्री हर्ष देव9 सिंह ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर राज्य को डाउनग्रेड करने और पिछले लगभग चार वर्षों से इसे अपने छद्म शासन के अधीन करने के बाद भाजपा शासन ने लोगों की आकांक्षाओं को पैरों तले कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हर्ष देव सिंह ने आज जम्मू में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर के पूर्ववर्ती ऐतिहासिक राज्य को उसके राज्य के दर्जे से हटाकर यूटी स्तर पर गिरा दिया गया है। इसके साथ ही इसे विकास पैकेजों से वंचित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यहां के स्थानीय लोगों की भूमि और नौकरियों को बाहरी लोगों के लिए खोल दिया गया है। सभी महत्वपूर्ण आवाजों को दबा दिया गया है। उन्होंने कहा कि जून 2018 से केंद्र के छद्म शासन के माध्यम से राज्य के मामलों को चलाने और अब गरीब लोगों को उनकी भूमि से बेदखल करने के

अलावा सरकार के दमनकारी तंत्र के माध्यम से संस्थानों को ध्वस्त करके भाजपा शासन यहां के लोगों के धैर्य की परीक्षा लेता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब और गरीब किसानों से जमीन वापस लेने के लिए सरकार के नवीनतम कदम के साथ लोगों को किसी न किसी बहाने से परेशान, डराया और सताया जा रहा है। इससे जनता के बीच बड़े पैमाने पर नाराजगी पैदा हुई है। केंद्र में बाबुओं द्वारा नियमित आधार पर जम्मू-कश्मीर के लिए नए कानून बनाए जा रहे हैं और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम का सहारा लेकर गृह मंत्रालय के तत्वावधान में बिना किसी विधायी मंजूरी के जम्मू-कश्मीर में लागू किए जा रहे हैं।

नगरी चौकी हवालात में हुई युवक की मृत्यु मामले में चौकी प्रभारी, मुंशी सहित एसपीओ पर गिरी गाज

कठुआ (हि.स.)। नगरी चौकी हवालात में हुई युवक की मृत्यु मामले में चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर किया गया जबकि मुंशी सहित एक एसपीओ को तत्काल निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार नगरी चौकी हवालात में बीते सोमवार को एक युवक की मृत्यु हो गई थी। जिसकी गाज नगरी चौकी प्रभारी, मुंशी सहित एक एसपीओ पर गिरी है। मंगलवार को जीएमसी कठुआ में मृतक सोनू के पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया। मौके पर पहुंचे बहुजन समाज पार्टी के सोमराज मजोत्रा ने बताया कि बीते सोमवार को नगरी पुलिस चौकी की हवालात में सोनू नामक युवक ने आत्महत्या कर ली थी जोकि सरासर पुलिस की लापरवाही है। उन्होंने बताया कि मृतक सोनू के परिवार के

पुनर्वास के लिए उन्होंने पुलिस के आला अधिकारियों से बात की है और उन्होंने भी आश्वासन दिया है कि परिवार के पुनर्वास के लिए पुलिस हर संभव प्रयास करेगी। वहीं परिजनों ने इस मामले में मैजिस्ट्रेट जांच की मांग भी रखी ताकि जो भी दोषी होगा उसे कड़ी सजा दी जाए। मजोत्रा ने बताया कि उन्होंने पुलिस विभाग के समक्ष बच्चों की पढ़ाई का खर्चा, उसके अलावा मृतक की पत्नी को एसपीओ लगाने की मांग रखी है जिसपर पुलिस ने बच्चों की पढ़ाई के खर्चा की सहमति जताई है जबकि एसपीओ के लिए आला अधिकारियों से सिफारिश का आश्वासन दिया है।

जालंधर लोकसभा सीट पर मई में उपचुनाव करवा सकता है चुनाव आयोग

जालंधर(ईएमएस)। सांसद संतोख चौधरी के निधन पर खाली हुई जालंधर लोकसभा सीट पर चुनाव आयोग मई में उपचुनाव करवा सकता है। चुनाव आयोग के निदेर्शों पर जिला प्रशासन ने उपचुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। माना जा रहा है कि यह चुनाव 2023 में कर्नाटक व कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव के साथ ही जालंधर लोकसभा उपचुनाव की तारीख की घोषित कर दी जाएगी। उपचुनाव के ऐसे समीकरणों को देख जिला स्तर पर उपचुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है और जिला स्तर पर भी आयोग ने तैयारियों को लेकर कमर कस ली है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा हलका की किसी भी सांसद के निधन होने सहित अन्य कारणों से खाली हुई सीट पर 6 महीनों के भीतर उपचुनाव कराया जाना अनिवार्य होता है। चुनाव आयोग के निदेर्शों के बाद जिला

चुनाव विभाग ने अपनी गतिविधियों को तेज कर दिया है। उपचुनाव को लेकर मतदान से लेकर मतगणना की प्रक्रिया तक की पुनः समीक्षा की जा रही है। इसी कड़ी के तहत डायरैक्टर लैंड रिकॉर्ड कार्यालय, नजदीक स्पोर्ट्स कालेज में बने स्ट्रांग रूम में रखी हुई वोटिंग मशीनों की फर्स्ट लैवल चैकिंग शुरू कर दी गई है जिसके तहत भारत इलैक्ट्रिक लिमिटेड, बैंगलोर से 18 इंजीनियर की टीम मशीनों की जांच कर रही है और जांच का काम 20 फरवरी तक निपटाने का टारगेट रखा गया है। इसके अलावा जिला चुनाव कार्यालय जालंधर लोकसभा हलका के अंतर्गत आते जालंधर नॉर्थ, सैंट्रल, वैस्ट, कैंट, नकोदर, शाहकोट, करतारपुर, आदमपुर व फिल्लौर विधानसभा हलकों के अधीन आते सभी पोलिंग स्टेशनों की फिजिकल वैरिफिकेशन करवा रहा है जिसके लिए सभी बीएलओ व सुपरवाइजरों से समूची रिपोर्ट सबमिट कराई जा रही है। माना जा रहा है कि भारतीय चुनाव आयोग अप्रैल महीने में जालंधर लोकसभा उपचुनाव का नोटिफिकेशन जारी कर देगा।

तीन करोड़ की फिरौती के लिये अगवा करने वाले 8 लोग गिरफ्तार, पुलिस ने बुजुर्ग को छुड़ाया

कपूरथला(ईएमएस)। तीन करोड़ की फिरौती के लिये एक बुजुर्ग को पिस्तौल की नोंक पर अगवा करने के मामले में पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार कर अगवा बुजुर्ग को छुड़वा लिया है। एसएसपी कपूरथला नवनीत सिंह बैंस ने बताया कि 3 जनवरी को गांव गाजी गुडाना के एक बुजुर्ग लखविन्द्र सिंह को काले रंग की टाटा सफारी में आए कुछ व्यक्तियों ने फायरिंग करते हुए पिस्तौल के दम पर अगवा कर लिया था। पीड़ित व्यक्ति के लड़के अमरीका में रहते हैं, जिनसे उक्त आरोपियों ने 3 करोड़ रुपए की फिरौती की मांग की थी। जब इसकी जानकारी कपूरथला पुलिस को मिली तो एसपी हरविन्द्र सिंह की निगरानी में एक विशेष टीम जिसमें डीएसपी भुलत्थ सुखनिन्द्र सिंह, डीएसपी बरजिन्द्र सिंह, सीआईए स्टाफ कपूरथला के इंचार्ज इंस्पैक्टर जरनैल सिंह तथा थाना ढिलवां के एसएचओ हरजिन्द्र सिंह को शामिल कर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल छुड़वाने के आदेश दिए गए। इसके बाद पुलिस टीम ने दबाव बनाते हुए 6जनवरी को अगवा किए गए व्यक्ति लखविन्द्र सिंह को छुड़ाने में कामयाबी हासिल की। इसके बाद पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों की तलाश में लगातार छापामारी जारी रखी। इस दौरान खुलासा हुआ कि इस वारदात को आरोपी गुरइकबाल सिंह उर्फ वर ने अपने साथियों के साथ अंजाम दिया था। एसएसपी बैंस ने बताया कि आरोपी के भतीजे पवन वीर सिंह निवासी गाजी गुडाना थाना ढिलवां ने ही लखविन्द्र सिंह को अगवा करने के लिए उसकी रैकी की थी। उक्त जानकारी के आधार पर आरोपी पवन वीर सिंह को 11 जनवरी को गिरफ्तार कर लिया। इसके खुलासे के बाद आरोपियों विजय कुमार निवासी गांव फत्तू चक्क थाना ढिलवां जिला कपूरथला, जस्स निवासी कपूरथला, जीता निवासी पड्डा बेट, हरमन निवासी बामूवाल, गुरमुख निवासी लखणके पड्डे सहित 2 और अज्ञात आरोपियों को मामले में नामजद किया गया। उन्होंने बताया कि छापामारी के इस दौर में आरोपी गुरमुख सिंह निवासी लखण के पड्डे थाना सुभानपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। इससे अगवा करते समय इस्तेमाल की गई काले रंग की टाटा सफारी गाड़ी बरामद की गई।

जीएसटी ने 48 करोड़ की बोगस बिलिंग का पदार्फाश कर 4 को गिरफ्तार किया!

जालंधर(ईएमएस)। पंजाब जीएसटी विभाग ने 48 करोड़ की बोगस बिलिंग का पदार्फाश करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 2 लोगों की जमानत हो गई थी। 2 लोग अभी जेल में हैं। इन आरोपियों में पंकज कुमार (मैसर्ज पीके ट्रेडिंग कंपनी), रविंद्र सिंह (गुरु हरराय ट्रेडिंग कंपनी) ने सीजेएम अमित कुमार गर्ग की कोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी। इसे लेकर पंजाब स्टेट जीएसटी विभाग ने अपना पक्ष रखा जिस पर अदालत ने उक्त आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। इस घटनाक्रम में जाली बिलिंग करने के लिए गलत कागजात तैयार करवाकर विभाग को चकमा देने की कोशिश की गई। पंकज ने 2 पैन कार्ड बनवा रखे थे, इसमें एक पैन कार्ड पंकज कुमार के नाम पर जबकि दूसरा पैन कार्ड पंकज कुमार आनंद के नाम पर बनवाया था। अधिकारियों का कहना है कि यह बात

सामने आने पर विभाग ने जांच को आगे बढ़ाया, जिसके बाद यह स्कैंडल सामने आया। विभागीय जांच में कई रहस्यों से पर्दा उठ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि पंकज ने अपनी पत्नी सहित परिजनों के नाम पर जाली फर्म बनाकर विभाग को 16 करोड़ रुपए का चूना लगाया। वहीं जेल में बंद दूसरे आरोपी रविंदर सिंह पर विभाग को 5.40 करोड़ रुपए की चपत लगाने की बात उजागर हुई है। 48 करोड़ रुपए के इस घोटाले में आईटीसी का लाभ लेकर विभाग को चूना लगाया गया है। इसमें प्लास्टिक व लोहे की स्क्रैप का कारोबार दिखाया गया था, जबकि इसकी खरीद-फरोख्त केवल कागजों में हो रही थी। बैंक में जमा होने वाले पैसों को भी तुरंत प्रभाव से निकलवा लिया जाता था, जिसके चलते विभाग ने जांच को आगे बढ़ाया। स्टेट जीएसटी विभाग द्वारा 30 जनवरी को बोगस बिलिंग मामले को लेकर छापेमारी कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

भूकंप से तुर्किये की इकोनॉमी को भी झटका: करेंसी लीरा में रिकॉर्ड गिरावट, पहले से बढ़ी महंगाई से घर का किराया 19,700 से 131,000 रुपए पहुंचा

अंकारा।
तुर्किये इस वक्त आर्थिक संकट से गुजर रहा है। देश की करेंसी लीरा लगातार कमजोर हो रही है और महंगाई दर 57प्रतिशत के करीब है। कॉस्ट ऑफ लिविंग के बढ़ने से जनता परेशान है। वहीं तुर्किये और सीरिया में सोमवार सुबह आए 7.7 तीव्रता के भूकंप ने परेशानी को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

भूकंप से करीब 8 हजार करोड़ का नुकसान

यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, तुर्किये और सीरिया के कुछ हिस्सों को हिला देने वाले घातक भूकंप से करीब 1 बिलियन डॉलर (करीब 8.2 हजार करोड़ रुपए) का नुकसान हो सकता है। रिइंश्योरेंस ब्रोकर गैलाघेर रे के चीफ साइंस ऑफिसर स्टीव बोवेन ने कहा कि जनवरी 2020 में इसी क्षेत्र में 6.7 तीव्रता के भूकंप से लगभग 600 मिलियन डॉलर (करीब 4.9 हजार करोड़ रु.) का नुकसान हुआ था। हालांकि तुर्किये में, इंश्योरेंस पूल के जरिए जनता को कंपलसरी इंश्योरेंस ऑफर किया जाता है। 2021 इंश्योरेंस रिन्यूअल के आधार पर इसकी लगभग 2.5 बिलियन के क्लेम पेमेंट की कैपेसिटी है। वहीं सीरिया की बात करें तो वहां पहले से ही सिविल वॉर के कारण हालत खराब है। खाने-पीने से लेकर कई तरह की परेशानी है। भूकंप ने परेशानी और ज्यादा बढ़ा दी है।

भूकंप के 5 इकोनॉमिक इम्पैक्ट

बिल्डिंग और दूसरे स्ट्रक्चर के डैमेज होने से भारी नुकसान फैक्ट्रियों के प्रोडक्शन लॉस से सामान एक्सपोर्ट में देरी होगी पावर सप्लाई डिसरप्शन से लाइफ लाइन सर्विस ऑपरेट करना मुश्किल रेवेन्यू घटेगा और पब्लिक सेक्टर के एक्सपेंस बढ़ेंगे चोट, मृत्यु, या नौकरी जाने से घरेलू आय का नुकसान घर का किराया 19,700 से 131,000 रुपए पहुंचा एक रिपोर्ट में तुर्किये की एक महिला के हवाले से लिखा, पिछले साल मैं 4,500 लीरा (करीब 19,700 रुपए) रेंट दे रही थी, लेकिन मेरे मकान मालिक ने कहा कि उसे कीमत बढ़ानी होगी। हमने पेमेंट को दोगुना कर दिया, लेकिन फिर भी हमें फ्लैट छोड़ना पड़ा। तुर्किये में अब रेंट पर मकान तकरीबन 30,000 लीरा (करीब 131,000 रुपए) में मिल रहा है। स्ट्रीट पर महंगाई 600प्रतिशत महसूस हो रही एक अन्य नागरिक ने कहा, हम अचानक गरीब हो गए हैं। स्ट्रीट पर महंगाई 600प्रतिशत महसूस हो रही है, लेकिन पेंशन में बढ़ोतरी केवल 30प्रतिशत है। इस्तांबुल में, एक रेस्तरां मैनेजर, एर्सिन फुआट उलकु ने कहा, अब केवल बहुत अमीर या बहुत गरीब हैं। कोई मिडिल क्लास नहीं है। सरकारी सहायता के बाद भी महंगाई का सामना करना मुश्किल है। यहां भविष्य अंधकार में है।

न्यूज ब्रीफ

ऋणदाताओं के आवेदन पर एनसीएलटी ने बोलीकर्ता को नोटिस भेजा, अगली सुनवाई नौ को

नई दिल्ली। एनसीएलटी (नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल) ने रिलायंस कैपिटल के रिजोल्यूशन प्लान के तहत बोली लगाने वाली कंपनी टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स को नोटिस जारी की है। यह नोटिस ऋणदाताओं के आवेदन के बाद जारी किया गया है। मामले में अगली सुनवाई 9 फरवरी को होगी। रिलायंस कैपिटल के एक ऋणदाता की याचिका पर राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने मंगलवार को टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया। याचिका में कर्ज में डूबी कंपनी के दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत दूसरे दौर की वित्तीय बोलियों की अनुमति देने की अपील की गई है। एनसीएलएटी के चेयरपर्सन अशोक भूषण की अगुवाई वाली दो सदस्यीय पीठ ने नोटिस जारी कर प्रतिवादियों को तीन दिन में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। अपीलीय न्यायाधिकरण ने याचिका को नौ फरवरी, 2023 के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। न्यायाधिकरण ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई कर निर्णय सुनाएगा। रिलायंस कैपिटल की ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) में एक विस्त्रा आईटीसीएल (इंडिया) लिमिटेड ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के एक आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी में अपील की है। बीते दो फरवरी को एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने अनिल अंबानी प्रवर्तित रिलायंस कैपिटल (आरसीएपी) के अधिग्रहण के लिए नए दौर की नीलामी की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा था कि वित्तीय बोलियों के लिए 'चुनौती तंत्र' पहले ही समाप्त हो चुका है। पीठ ने टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स की बैंकरों के दूसरे दौर की नीलामी के फैसले को चुनौती देने की अपील को स्वीकार कर लिया था। 'चुनौती तंत्र' के आखिरी दौर में टॉरेंट इन्वेस्टमेंट्स ने सबसे ऊंची 8,640 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी।

देश में 7 साल में 90 हजार नए स्टार्टअप बने: रियल एस्टेट सेक्टर में 7 साल में 700 गुना बढ़े प्रॉप-टेक स्टार्टअप

नई दिल्ली। कोरोना काल में सोशल डिस्टेंसिंग का प्रचलन बढ़ने के बाद रियल एस्टेट और हाउसिंग कंपनियों ने ऑनलाइन प्रॉपर्टी प्रमोशन और सेल पर ज्यादा ध्यान दिया। यही वजह है कि रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े प्रॉप-टेक स्टार्टअप की संख्या में 2016 के मुकाबले 700 गुना की बढ़ोतरी देखने को मिली है। प्रॉपर्टी कंसल्टेंट एनारॉक की सोमवार को प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक 2016 में जहां देश में महज 2 प्रॉप-टेक स्टार्टअप थे वहीं 2022 के अंत तक इनकी संख्या 1400 से ज्यादा हो गई है। इनमें से 30प्रतिशत जहां प्री-सीड स्टेज में हैं वहीं 56प्रतिशत प्रॉप-टेक स्टार्टअप्स को निवेशकों से अच्छा-खासा फंड मिल रहा है। लगभग 14प्रतिशत प्रॉप-टेक स्टार्टअप फिलहाल मान्यता प्राप्ति की स्टेज में हैं और जल्द ही फंड उगाही की स्टेज में आ जाएंगे।

ट्रेन में वॉट्सअप से भी फूड ऑर्डर कर सकेंगे यात्री: रेलवे ने जारी किया नंबर, ऐसे उठा सकते हैं सर्विस का फायदा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे लगातार यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तरह-तरह के बदलाव करता रहता है। इस बीच रेलवे ने वॉट्सअप फूड डिलीवरी सिस्टम लॉन्च किया है। यानी यात्री अब वॉट्सअप पर ही फूड का ऑर्डर दे सकेंगे। इसके लिए यात्री को अपना नंबर का इस्तेमाल करना होगा। रेल मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय रेलवे ने अपने कस्टमर्स के लिए ई-कैटरिंग सर्विस को और ज्यादा फायदेमंद बनाने के लिए ये पहल की है। इसके लिए बिजनेस वॉट्सअप नंबर शुरू किया गया है। यात्री 8750001323 पर फूड ऑर्डर कर सकते हैं। भारतीय रेलवे ने शुरुआत में वॉट्सअप कम्युनिकेशन के माध्यम से ई-कैटरिंग सर्विसेज के लिए दो फेज की योजना बनाई है। पहले फेज में ग्राहकों के उस नंबर पर मैसेज भेजा जाएगा, जिसके जरिए टिकट ई-टिकट बुक किया गया है।

11 राज्यों में 20प्रतिशत इथेनॉल मिक्स वाले पेट्रोल की बिक्री

10प्रतिशत इथेनॉल मिलाने से 53 हजार करोड़ की विदेशी मुद्रा की बचत होती है

बेंगलुरू।
जैविक ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए बड़ी पहल हुई है। देश के 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के चुनिंदा पेट्रोल पंप पर सोमवार से 20 फीसदी इथेनॉल मिश्रण वाले पेट्रोल (ई-20) की खुदरा बिक्री शुरू हुई। पहले चरण में 15 शहरों में इस पेट्रोल की बिक्री शुरू की गई है। अगले दो साल में देश भर में ई-20 पेट्रोल की बिक्री शुरू हो जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत ऊर्जा सप्ताह-2023 में बताया कि 20प्रतिशत इथेनॉल की बिक्री को दो महीने बाद पेश करना था, लेकिन इसे लक्ष्य पूर्व लॉन्च किया गया है।

उन्होंने कहा कि 2014 में पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण को 1.5 फीसदी से 10 फीसदी किया गया था। पेट्रोल में 10प्रतिशत इथेनॉल मिलाने से देश को 53,894 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत होती है। इथेनॉल के बढ़ते इस्तेमाल से किसानों को भी इसका लाभ मिलता है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि 15 शहरों के 84 पेट्रोल पंप पर 20 फीसदी इथेनॉल वाले पेट्रोल की खुदरा बिक्री शुरू हो गई है। पेट्रोल में इथेनॉल के 20 फीसदी मिश्रण का पूर्व निर्धारित लक्ष्य 2030 का रखा गया था। लेकिन इसे भी अब घटाकर 2025 कर दिया गया है। अब ई-20 से पेट्रोल मद में हर साल लगभग 30 हजार करोड़ रुपए की बचत होने की संभावना है।

ई-20 पेट्रोल किन-किन गाड़ियों में इस्तेमाल होगा

दरअसल, देश में अधिकांश गाड़ियों के इंजन बीएस-4 से बीएस-6 स्टेज तक के हैं। इसके अनुसार 20 फीसदी इथेनॉल वाले पेट्रोल का इस्तेमाल सभी गाड़ियों में किया जा सकता है। बीएस यानी भारत स्टेज के इंजन में ई-20 का इस्तेमाल किया जा सकता है। वाहन निर्माता कंपनियों को पूर्व में ही ई-20 इंजनों के निर्माण के आदेश दिए जा चुके हैं।

क्या पुरानी गाड़ी में भी ई-20 पेट्रोल डलवाया जा सकता है

इंजन फ्लेक्स फ्यूल कंपेटिबल (अनुकूल) है तो ई-20 फ्यूल से अच्छा माइलेजा मलेगा। पावर भी ज्यादा मिलेगी। पुरानी इंजन वाली गाड़ियों में यदि ई-20 को डलवाया जाएगा तो कम माइलेज-कम पावर की आशंका रहेगी। पुरानी गाड़ी के इंजन में थोड़े बदलाव कराए जा सकते हें लेकिन ये बदलाव केवल इंजन के कोरेशन (घिसाव) को कम करने के लिए कराने पड़ेंगे।

क्या ई-20 आने से देश में पेट्रोल के दाम कम होंगे

ई-20 के तीन उद्देश्य है। पहला- आयात कम करना, दूसरा- प्रदूषण में रोकथाम और तीसरा-ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल। पेट्रोल पर अभी लगभग 52प्रतिशत केंद्र और राज्यों के टैक्स हैं। इथेनॉल पर अभी टैक्स कम हैं। ऐसे में दामों में ज्यादा कमी आने की संभावना कम है। मेरे हिसाब से ऐसा मानना गलत होगा कि ई-20 से पेट्रोल के दाम धड़ाम कर गिर जाएंगे।

अन्य देशों में पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेन्डिंग की क्या स्थिति है

ब्राजील सबसे ज्यादा 40प्रतिशत तक इथेनॉल की ब्लेन्डिंग करता है। अमेरिका में भी 20 से 30 फीसदी तक इथेनॉल ब्लेन्डिंग होती है। दिलचस्प तथ्य है कि इन देशों को पेट्रो प्रोडक्टस का आयात नहीं करना होता है। भारत पेट्रो जरूरतों का 85 फीसदी तक आयात करता है। हमने अभी पेट्रोल में ही इथेनॉल ब्लेन्डिंग शुरू की है। अभी डीजल में ब्लेन्डिंग शुरू नहीं हुई है। इथेनॉल का उत्पादन मूल रूप से गन्ने से किया जाता है। देश के कई राज्यों में गन्ने का बंपर उत्पादन होता है। अभी किसान इन्हें चीनी मिलों को ही बेचता है।

नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष ने कहा- ऑनलाइन गेमिंग को मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में लाना जरूरी

नई दिल्ली।
नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग को मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में लाना चाहिए। साथ ही, इसके लिए सख्त नियामक की भी जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश में पहले से ही प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) है। सभी ऑनलाइन गेमिंग ऑपरेटरों को इसके दायरे में लाना चाहिए। इसके अलावा, सभी ऑपरेटरों के पास 24 घंटे सातों दिन हेल्पलाइन सहित मजबूत शिकायत निवारण तंत्र भी होना चाहिए, जो ग्राहकों को जिम्मेदार गेमिंग साधनों पर सवालों के जवाब पाने में मददगार हो। राजीव कुमार पहले इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। उन्होंने सोमवार को इसी फाउंडेशन की ऑनलाइन गेमिंग पर एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक मजबूत नियामक प्रणाली होने से वैध ऑपरेटरों को ऑनलाइन स्किल गेमर्स को बनाए रखने में मदद मिलेगी। ग्राहकों का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा और जिम्मेदारी से खेल को बढ़ावा मिलेगा। यह रिपोर्ट विशेषज्ञों व संबंधित पक्षों से बातचीत के आधार पर बनाई गई है। 24 घंटे सातों दिन के लिए हो हेल्पलाइन व मजबूत शिकायत निवारण तंत्र। कई चुनौतियां, जिनसे निपटने की जरूरत रिपोर्ट में कहा गया है कि उभरते ऑनलाइन गेमिंग उद्योग में फ्लाई-बाई-नाइट ऑपरेटरों की उपस्थिति, चांस एवं गैंबलिंग वाले खेलों को स्किल गेम्स के साथ रखने की सतत समस्या और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका सहित कई चुनौतियां हैं। इनसे निपटने के लिए एक ऐसे वैधानिक नियामक या गेमिंग आयोग का गठन होना चाहिए, जो सेक्टर के दैनिक कामकाज को नियंत्रित करने के लिए लाइसेंस देने, मानकों, नियमों को बनाने और उनके अनुपालन के ऑडिट के लिए जिम्मेदार हो। विनियमन के पांच प्रमुख क्षेत्र विपणन एवं विज्ञापन, नाबालिगों की सुरक्षा, जिम्मेदारी से खेलने की व्यवस्था देना, मनी लॉन्ड्रिंग, वित्तीय धोखाधड़ी से सुरक्षा के उपाय और शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना हैं। विपणन-विज्ञापन सामग्री में आवश्यक सूचना एवं चेतावनियां होनी चाहिए। विज्ञापनों में नाबालिग या नशा करने वालों को लक्ष्य नहीं किया जाना चाहिए। विज्ञपन उन उन मंचों पर नहीं दिखाए जाने चाहिए।

कर के दरों में कोई बदलाव नहीं करेगी सरकार, राजस्व सचिव ने कहा- अभी स्थिरता को बनाए रखने पर जोर

नई दिल्ली।
सरकार अगले वित्त वर्ष में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कोई बदलाव नहीं करेगी। इसका मतलब है कि 2023-24 में भी जीएसटी में कर व्यवस्था को आसान नहीं किया जाएगा। उपभोक्ताओं का बोझ कम करने के लिए पिछले एक साल से अधिक समय से जीएसटी के नियमों को और सरल बनाने की उम्मीद की जा रही है। इस बीच, राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि अभी स्थिरता बनाए रखने पर जोर दिया जा रहा है। इसलिए अगले वित्त वर्ष में भी जीएसटी की कर दरों में कोई बदलाव नहीं होगा। उपभोक्ताओं को राहत के लिए लंबा इंतजार करना होगा। हालांकि, छोटे-मोटे बदलाव होते रहेंगे। लेकिन, कर दरों को मिलाने जैसे बड़े बदलाव जैसे फैसले अगले वित्त वर्ष में नहीं लिए जाएंगे। जीएसटी में अभी पांच कर दरें हैं, जो शून्य से 28 फीसदी के बीच हैं। इससे पहले 2021 में सरकार जीएसटी में दो दरों को मिलाने और कुछ वस्तुओं पर कर का बोझ कम करने पर विचार कर रही थी।

राजस्व सचिव ने कहा कि सरकार टैक्स बैंड को कम करना चाहती है। हालांकि, इसके लिए कोई समयसीमा निर्धारित नहीं की गई है। इसके अलावा, सरकार आयात शुल्क में भी कर व्यवस्था को कम कर उसे आसान बनाना चाहती है। अभी इसे जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुद्ध जीएसटी संग्रह में 12 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया है। 2023-24 में सरकार ने 8.54 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। सरकार ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को डेट सिक्योरिटीज से होने वाली ब्याज की कमाई पर 5 फीसदी कंसेशनल कर दर को वापस ले लिया है। मल्होत्रा ने कहा कि इससे निवेशकों पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा।

राजस्व सचिव ने कहा कि अप्रत्याशित लाभ कर व्यवस्था को खत्म नहीं किया जाएगा। इससे 250 अरब रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

फोनपे से विदेशों में भी कर सकेंगे पेमेंट: ऐप में यूपीआई इंटरनेशनल एक्टिवेट करना होगा, ऐसी सर्विस देने वाला भारत में पहला ऐप

नई दिल्ली।
फिनटेक मेजर फोनपे यूपीआई के जरिए इंटरनेशनल पेमेंट की सुविधा शुरू करने जा रहा है। इसके जरिए भारत के फोनपे यूजर्स विदेश यात्रा के दौरान यूपीआई का उपयोग करके इंटरनेशनल मर्चेंट को पेमेंट कर सकेंगे। फिलहाल इस फीचर में जिन देशों को शामिल किया जाएगा उनमें सिंगापुर, मॉरीशस, नेपाल और भूटान शामिल हैं। इस सुविधा का के लिए, फोनपे ऐप में यूपीआई इंटरनेशनल को एक्टिवेट करना होगा। फोनपे ने एक बयान में कहा, यूजर्स सीधे अपने भारतीय बैंक से विदेशी मुद्रा में भुगतान करने में सक्षम होंगे- ठीक वैसे ही जैसे वे अंतरराष्ट्रीय डेबिट कार्ड के साथ करते हैं। फिनटेक इंडस्ट्री के एक एग्जीक्यूटिव के अनुसार, यह कदम फोनपे के बड़े फॉरेक्स मार्केट के एक हिस्से पर कब्जा करने का प्रयास लगता है। यह एक ऐसी कैटेगरी है जहां पेमेंट ऐप्स के लिए एडिशनल पैसा बनाने का सीधा मौका है।

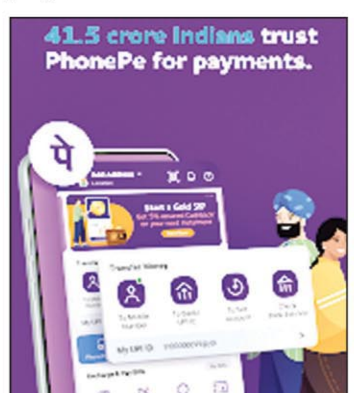

गेमचेंजर साबित होगा नया फीचर कंपनी के को-फाउंडर और चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, राहुल चारी ने कहा, पिछले 6 साल में, पूरे भारत में हमने यूपीआई पेमेंट रिवॉल्यूशन एक्सपीरिएंस किया है। यूपीआई इंटरनेशनल बाकी दुनिया को भी यूपीआई का अनुभव देने की दिशा में पहला बड़ा कदम है। चारी ने कहा कि इस फीचर का लॉन्च एक गेमचेंजर साबित होगा और विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों के पेमेंट करने के तरीके को पूरी तरह से बदल देगा। अन्य फिनटेक ऐप भी शुरू करेंगे क्रॉस बॉर्डर पेमेंट आने वाले महीनों में कुछ अन्य फिनटेक ऐप्स के भी क्रॉस बॉर्डर यूपीआई सपोर्ट शुरू कर सकते हैं। यूपीआई ने पिछले महीने 8 बिलियन से अधिक ट्रांजैक्शन प्रोसेस किए। यूपीआई इंटरनेशनल मौजूदा रोडमैप पर है। फॉरेन मार्केट में यूपीआई पेमेंट स्वीकार करने के लिए मर्चेंट को ऑनबोर्ड करना भारत के लिए एक टेस्ट की तरह होगा, क्योंकि मर्चेंट के बिना, यूपीआई यूजर्स पेमेंट नहीं कर पाएंगे। वीचैट पे और अलीपे भी देते हैं इंटरनेशनल पेमेंट सुविधा यह पहली बार नहीं है।

चैटजीपीटी को टक्कर देने के लिए गूगल लाया बार्ड

लेम्डा पर चलेगी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सर्विस, वेब से इन्फॉर्मेशन हासिल करने में होगा सक्षम

बेंगलुरू।
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर 6 साल काम करने के बाद गूगल ने आखिरकार अपना चैटबॉट बार्ड को रिवील कर दिया है। गूगल का ये चैटबॉट माइक्रोसोफ्ट के चेटजीपटी से मुकाबला करने के लिए बनाया गया है।

एक ब्लॉग पोस्ट में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने बताया कि बार्ड क्या है और इसके कुछ बेसिक फंक्शानिटी के बारे में जानकारी दी। बार्ड एक एक्सपेरिमेंटल कन्वरसेशनल द्ध सर्विस है। यह यूजर से कन्वर्सेशन के लिए कंपनी के लेंगवेज मॉडल डायलोग एप्लीकेशन पर रन करता है। पिचाई ने बताया कि बार्ड वेब से इन्फॉर्मेशन हासिल करने में सक्षम होगा, जबकि चैटजीपीटी से ये पॉसिबल नहीं है।

कुछ हफ्तों में बार्ड का इस्तेमाल कर सकेंगे लोग

कंपनी ने बताया कि इसकी शुरुआत कुछ टेस्टर्स के साथ की जा रही है। आने वाले कुछ हफ्तों में लोग इसका इस्तेमाल करना शुरू कर सकेंगे। शुरुआत में बार्ड को एक हल्के मॉडल संस्करण के साथ जारी कर रहा है, जिसके लिए कम कंप्यूटिंग पावर की आवश्यकता होगी। इससे बार्ड को ज्यादा से ज्यादा यूजर्स तक पहुंचाने और उनका फीडबैक लेने में आसानी होगी।

क्रिएटिविटी के लिए एक केंद्र बन सकता है बार्ड

पिचाई ने कहा कि हम ये सुनिश्चित करने के लिए अपने खुद के इंटरनल टेस्टिंग के साथ बाहरी प्रतिक्रिया को जोड़ेंगे कि बार्ड के जवाब हाई क्वालिटी, सुरक्षा और रियल वर्ल्ड की जानकारी के लिए हाई लेवल पर हों। हम टेस्टिंग के इस फेज को लेकर उत्साहित हैं, जिसमें बार्ड की क्वालिटी और स्पीड में सुधार जारी रखेंगे। पिचाई ने अपने ब्लॉग में लिखा है कि बार्ड क्रिएटिविटी के लिए एक केंद्र बन सकता है और जिज्ञासा के लिए एक लॉन्चपैड हो सकता है, जो आपको नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से 9 साल की उम्र में नई खोजों को समझाने में मदद कर सकता है या फुटबॉल में सबसे बड़े स्ट्राइकर्स के बारे में

जानकारी दे सकता है, और फिर आप अभ्यास करके अपनी स्किल्स को बढ़ा सकते हैं।

क्या है चैटजीपीटी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी काम करने वाली कंपनी ने एक नया चैटबॉट बनाया है। चैटबॉट यानी मशीन से चैट करना, लेकिन इसमें आपको इंसान से बात करने जैसी फीलिंग आएगी। इसका नाम है चैटजीपीटी यानी जेनेरेटिव प्रेट्रेन्ड ट्रांसफॉर्मर। यह एक कन्वर्सेशनल है। एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जिसके साथ आप इंसानों की तरह बातचीत कर सकते हैं। यानी आप उससे कुछ भी पूछोगे तो वो आपको इंसानों की तरह डिटेल में लिखकर उस सवाल का जवाब क्रिस्प तरीके से देगा। यह काफी एक्यूरेट होगा। इसे 30 नवंबर 2022 को लॉन्च किया गया था।

चैटजीपीटी के जवाब में गूगल का बार्ड

गूगल ने भी चैटजीपीटी को बार्ड की तरह ही डिजाइन किया है। आज खाने में क्या बनाएं, आज कहां घूमने जाएं या फिर अपने दोस्त की बर्थ डे पार्टी में क्या ले जाएं, ऐसे सवालों के जवाब बार्ड से पूछे जा सकते हैं।

चैटजीपीटी से मिल रही चुनौती के कारण डेवलप किया बार्ड

चैटजीपीटी के आने के बाद कई टेक दिग्गज आशंका जता रहे थे कि गूगल का सर्च इंजन खत्म हो जाएगा। जीमेल बनाने वाले पॉल बुचेट ने 2 दिसंबर को ट्वीट कर कहा था कि चैटजीपीटी के आने से गूगल एक से दो सालों में खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा था कि ट्वीटबॉट्स गूगल के सर्च इंजन के रिजल्ट पेज को खत्म कर देंगे। यहां तक कि यदि वे खुद भी को लाते हैं तो भी उनके बिजनेस का ज्यादातर हिस्सा खत्म हो चुका होगा। अब ऐसे में बार्ड के आने के बाद गूगल के सामने चुनौती बढ़ने वाली है। ऐसे में कंपनी ने बार्ड को लाकर अपना विकल्प तैयार किया है।

बार्ड जल्द बन सकता है चैटजीपीटी का विकल्प

चैटजीपीटी के पास भी जवाब देने की लिमिटेशन है। साथ ही इसके पास विकल्पों का अभाव है। वहीं गूगल पर हर दिन लगभग 8.5 अरब चीजें सर्च की जाती हैं। यानी हर सेकेंड लगभग 99 हजार सर्च होते हैं। औसतन एक शख्स गूगल पर हर रोज 3 या 4 बार कोई चीज सर्च करता है। गूगल आपको एक ही कैटेगरी में कई सारे विकल्प देता है। जैसे- आर्टिकल, वेबसाइट लिंक, न्यूज, फोटो और वीडियो। ऐसे में गूगल बार्ड को जल्दी ही डेवलप कर लेगा।

चार प्रमुख विदेशी बाजारों में खूब कमाई कर रही पठान

-उत्तरी अमेरिका, खाड़ी, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया में भी चल रही फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के सुपर स्टार शाहरुख खान की पठान फिल्म सभी चार प्रमुख विदेशी बाजारों में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। ये चार प्रमुख विदेशी बाजार उत्तरी अमेरिका, खाड़ी, यूनाइटेड किंगडम और ऑस्ट्रेलिया हैं। ये वे हैं जो नियमित रूप से 1 मिलियन डॉलर से अधिक की कमाई करते हैं और आज भारतीय फिल्म उद्योग को विदेशों से मिलने वाली कमाई में इनका 80-90 प्रतिशत हिस्सा होता है। पांचवां पाकिस्तान था, जो एक बड़े बाजार के रूप में उभर रहा था, लेकिन भू-राजनीतिक कारणों से 2019 के बाद से बॉलीवुड फिल्मों के वहाँ प्रदर्शित होने पर प्रतिबंध लगा हुआ है। फिल्म ने पिछले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया, शुक्रवार को यूनाइटेड किंगडम और शेष दो उत्तरी अमेरिका और खाड़ी में कल यह मुकाम हासिल किया था। पठान से पहले इन सभी बाजारों में शीर्ष फिल्में अलग-अलग फिल्में थीं क्योंकि ये सभी बाजार काफी अलग व्यवहार करते हैं और अलग-अलग परिपक्वता स्तर रखते हैं। शाहरुख खान अभिनीत पठान अब चारों बाजारों में सबसे ऊपर है, आखिरी बार ऐसा कुछ 2013 में आमिर खान अभिनीत धूम 3 के लिए हुआ था। सभी चार प्रमुख विदेशी बाजारों में शीर्ष ग्रॉसर्स इस प्रकार हैं - कनाडा में पठान 13.50 मिलियन डॉलर (11 दिन) में, दंगल 12.37 मिलियन डॉलर, पद्मावत 12.16 मिलियन डॉलर, पी.के. 10.57 मिलियन डॉलर और बजरंगी भाईजान 8.13 मिलियन डॉलर हैं। वहीं संयुक्त अरब अमीरात (जीसीसी) की बात करें तो पठान 9.60 मिलियन डॉलर (11 दिन) में, बजरंगी भाईजान 9.45 मिलियन डॉलर, दंगल 8.80 मिलियन डॉलर, सुल्तान - 8.60 मिलियन डॉलर और दिलवाले 8.45 मिलियन डॉलर हैं। यूनाइटेड किंगडम की बात करें तो पठान ने अभी तक 11 दिनों में 3.10 मिलियन पाउण्ड की कमाई की है। धूम 3 ने 2.71 मिलियन पाउण्ड, बजरंगी भाईजान 2.66 मिलियन पाउण्ड, माई नेम इज खान 2.3 मिलियन पाउण्ड और दंगल 2.56 मिलियन पाउंड कमाने वाली फिल्म है। वहीं ऑस्ट्रेलिया में पठान ने अभी तक 3.90 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (11 दिन) कमाई कर चुकी हैं। पद्मावत 3.16 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर, दंगल 2.63 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर, संजू 2.41 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर और पी.के. - 2.11 मिलियन डॉलर कामने वाली फिल्म हैं। सभी चारों बाजारों में टोटल ग्रॉस में कुछ नए बेंचमार्क भी देखने को मिलेंगे। यूनाइटेड किंगडम ने पहले 3 मिलियन पाउंड की कमाई देखी, और संभवतः 4 मिलियन पाउंड तक पहुंच जाएगी। ऑस्ट्रेलिया आज 4 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर पार कर जाएगा और संभवतः 5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक पहुंच जाएगा। उत्तरी अमेरिका पहले 15 से 20 मिलियन डॉलर की प्लस ग्रॉसर देखेगा, यह सम्भवतः 19 मिलियन डॉलर तक पहुँचेगा। और अंत में, गल्फ पहली बार 10 मिलियन डॉलर से अधिक की कमाई करने में सफल होगा।

सेल्फी का पहला गीत मैं अनाड़ी तू खिलाड़ी जारी

-गाने पर नाचे सलमान-अक्षय, वीडियो वायरल

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के खतरों खिलाडी यानि एक्टर अक्षय कुमार इस वर्ष की पहली फिल्म सेल्फी लेकर आ रहे हैं। इमरान हाशमी के साथ पहली बार परदे पर नजर आने वाले अक्षय कुमार की सेल्फी का पहला गीत मैं अनाड़ी तू खिलाड़ी जारी हो चुका है, जिसे श्रोताओं व दर्शकों ने खासा पसन्द किया है। लोग इस गाने पर जमकर रील्स बना रहे हैं। अब अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह सलमान खान के साथ इस गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि यह गीत अक्षय कुमार की ब्लॉकबस्टर रही 90 के दशक की फिल्म मैं अनाड़ी तू खिलाड़ी के टाइटल सॉंग मैं अनाड़ी तू खिलाड़ी का रीमेक है। अक्षय कुमार और सलमान खान ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक जैसा वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि अक्षय कुमार और सलमान खान पहले तो मोबाइल पर फिल्म सेल्फी के गाने मैं खिलाड़ी को देखते हैं। इसके बाद दोनों स्टार्स खुद इस गाने पर डांस करने लगते हैं। सलमान खान और अक्षय कुमार का डांस वीडियो खूब पसंद किया जा रहा है। दोनों के वीडियो पर फैंस जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। अक्षय कमार और इमरान हाशमी की फिल्म सेल्फी 24 फरवरी, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। राज मेहता के निर्देशन में बनी फिल्म सेल्फी में अक्षय कुमार और इमरान हाशमी के अलावा नुसरत भरूचा और डायना पेंटी भी नजर आने वाली हैं। फिल्म सेल्फी साल 2019 में प्रदर्शित हुई मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस का हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमार ने मुख्य भूमिका अभिनीत की थी। इस वर्ष अक्षय कुमार सेल्फी के अलावा ओह माय गॉड 2, गोरखा, बड़े मियां छोटे मियां, और कैप्सूल गिल फिल्मों में नजर आएंगे। वहीं, सलमान खान फिल्म ईद के मौके पर किसी का भाई किसी की जान और दीपावली के मौके पर टाइगर 3 में दिखाई देंगे। बता दें कि गत वर्ष बैक टू बैक तीन असफल फिल्में देने वाले अक्षय कुमार फिर एक बार दर्शकों के सामने आने की तैयारी में हैं।अक्षय कुमार हर वर्ष कम से कम 4 फिल्मों में नजर आते हैं। इस साल में उनकी सेल्फी उनकी पहली फिल्म है।

फिल्म कांगरुचुलेशन को प्रमोट कर रहे 3 इडियट्स

बालीवुड एक्टर आमिर खान और आर माधवन अपने को-एक्टर शरमन जोशी के साथ उनकी गुजराती फिल्म कांगरुचुलेशन को प्रमोट करने के लिए एक साथ नजर आएं। इंस्टाग्राम पर सालों बाद 3 इडियट्स के मुख्य कलाकारों को एक साथ देखकर फैंस बहुत खुश हुए। 2009 में राजकुमार हिरानी की फिल्म में उन्होंने रैंचो (आमिर), फरहान (माधवन) और राजू (शरमन) के पॉपुलर रोल निभाए। कुछ फैंस ने सजेस्ट किया की 3 इडियट्स का सीक्वल बनना चाहिए। बीते शुक्रवार को शरमन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें उन्होंने अपनी गुजराती फिल्म कांगरुचुलेशन, जिसे उन्होंने प्रोड्यूस भी किया है, को प्रोमोट किया। उन्होंने लिखा, 3 इडियट आर प्रमोटिंग कांगरुचुलेशन फिल्म इज रीलिजिंग टूडे। रेहान चौधरी द्वारा निर्देशित कांगरुचुलेशन में शरमन को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है जो प्रेगनेंट हो जाता है। एक्टर को आखिरी बार हिंदी फिल्म बबलू बैचलर (2021) में देखा गया था।

वर्क कमिटमेंट्स के चलते हनीमून पर नहीं जाएंगे सिद्धार्थ और कियारा

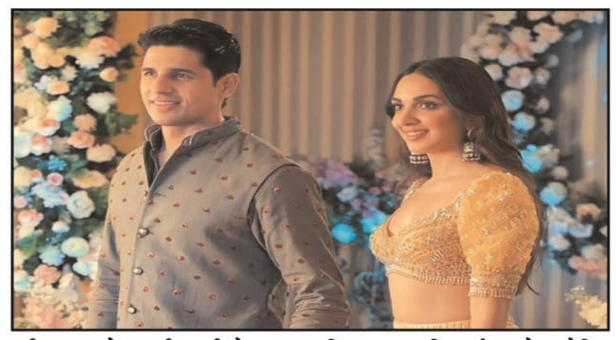

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी 6 फरवरी को एक-दूसरे के होने जा रहे हैं। राजस्थान के जैसलमेर के शाही पैलेस सूर्यगढ़ में उनकी शादी की रस्में शुरू हो चुकी हैं। यह दोनों सूर्यगढ़ पैलेस में अपने परिवार और करीबी रिश्तेदारों के सामने 6 फरवरी 2023 को 7 फेरे लेंगे। इस शादी में शामिल होने के लिए सितारों ने भी मुम्बई से रवानगी लेनी शुरू कर ली है। बताया जा रहा है कि शादी में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन भी शामिल होने वाले हैं। अब चर्चा है कि शादी के तुरंत बाद सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी अपने ड्रीम हनीमून के लिए नहीं निकल पाएंगे। बताया जा रहा है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी फिलहाल अपने वर्क कमिटमेंट्स में बंधे हुए हैं, जिसकी वजह से इनकी शादी के बाद तुरंत हनीमून की प्लानिंग पूरी नहीं हो पाएगी। प्राप्त समाचारों के अनुसार सिद्धार्थ मल्होत्रा शादी के बाद रोहित शेट्टी स्टारर अपनी डेब्यू वेब सीरीज को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे, शादी के तुरन्त बाद वे इस फिल्म के सेट पर पहुंचने वाले हैं। जबकि, अदाकारा कियारा आडवाणी शादी के बाद अपनी फिल्मों की शूटिंग में बिजी है। फिल्म स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की वेब सीरीज पुलिस फोर्स के अलावा अपनी हालिया रिलीज फिल्म मिशन मजून को लेकर चर्चा में हैं। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ दिखी थीं। इसके अलावा फिल्म स्टार योद्धा फिल्म में भी काम कर रहे हैं।

वहीदा रहमान सबके लिए एक प्रेरणा है

- 85 की उम्र में कर रही हैं वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी

मुंबई (ईएमएस)। अपने जमाने की मशहूर अदाकारा वहीदा रहमान को सिर्फ फोटोग्राफी ही नहीं, बल्कि स्कूबा डाइविंग में भी बहुत ही दिलचस्पी है। बीते रोज उन्होंने ट्विंकल खन्ना को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि - आप और कौन सी चीजें जिंदगी में अजमाना चाहती हैं इस प्रश्न का जवाब देते हुए वहीदा रहमान ने कहा था कि वह स्कूबा डाइविंग करना चाहेंगी। यही ट्वीट ट्विंकल ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा था कि - वहीदा रहमान सबके लिए एक प्रेरणा है, 81 साल की उम्र में वह जिस हिम्मत के साथ वहीदा रहमान वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी कर रही और स्कूबा डाइविंग जानना चाहती हैं वो काबिले तारीफ है। वहीदा रहमान ने बताया था कि- मुझे हमेशा से ही तस्वीरें लेना बहुत ही पसंद है। जब मैं छोटी थी, मैं सेट पर अपने साथ एक छोटा सा कैमरा भी ले जाती थी। वही शौक हमेशा से रहा है। जब बात वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी की आती है तो मैं बहुत ही खुश होती हूं। इससे पहले हमारे पास फोटोग्राफी सीखने के लिए स्कूल या शिक्षक नहीं थे। इसलिए मैं बहुत ही अजीब तरीके से करती थी, लेकिन जब मैं फिल्मों से दूर हो गई तो मेरे पास सीखने के लिए एक पर्याप्त समय था। आगे बात करते हुए वहीदा ने कहा कि- मुझे इस बात की खुशी है कि मैं एक अच्छे शौक का पीछा कर रही हूं, मुझे हमेशा से ही फोटोग्राफी का शौक रहा था, मैं लंबे समय से तस्वीरें भी ले रही हूं, लेकिन ठीक से सीखे बिना ही। मैंने तस्वीरें लेने के लिए पूरे भारत, तंजानिया, नामीबिया, केन्या, अरुणाचल प्रदेश और असम की भी यात्रा की है। 85 साल की उम्र में जैसे एक्ट्रेस वहीदा रहमान अपनी जिंदगी जी रही हैं वो सभी महिलाओं के लिए एक प्रेरणा है।

टेलर स्विफ्ट सर्वश्रेष्ठ संगीत वीडियो से सम्मानित

ग्रैमी अवॉर्डस में अमेरिकी गायक-गीतकार टेलर स्विफ्ट ने ऑल टू वेलः द शॉर्ट फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ संगीत वीडियो का अवार्ड जीता। टेलर ने एडेल, बीटीएस, डोजा कैट, हैरी स्टाइल्स और केंड्रिक लैमर को पीछे छोड़ दिया। ऑल टू वेलः द शॉर्ट फिल्म का वीडियो स्विफ्ट ने निर्देशित किया गया है। इससे पहले स्विफ्ट ने सर्वश्रेष्ठ संगीत वीडियो के लिए 11 ग्रैमी जीते थे। स्विफ्ट अपने ग्रेमी पुरस्कार को लेने के लिए प्रीमियर समारोह में नहीं थी, लेकिन उन्होंने बाद में ट्वीट किया, मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती कि मेरे लिए इसका क्या मतलब है। मेरे साथियों के लिए मुझे निर्देशक के रूप में स्वीकार करना और ऐसा करने में, मेरे संगीत की सराहना करने के लिए मेरे काम को स्वीकार करना एक बड़ी बात है।

औरों में कहां दम था की शूटिंग शुरू

ए वेडनसडे, स्पेशल 26 और एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी जैसी फिल्मों के बाद राइटर और डायरेक्टर नीरज पांडे अपनी अगली फिल्म औरों में कहां दम था का निर्देशन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह उनका 6वां डायरेक्टोरियल वेंचर होगा और फ्राइडे फिल्मवर्क्स द्वारा 15वां प्रोडक्शन होगा। फिल्म में अजय देवगन और तब्बू लीड रोल में हैं। यह फिल्म एक यूनिक म्यूजिकल लव स्टोरी है, जो 20 वर्षों में फैली एक महाकाव्य रोमांटिक ड्रामा है और 2002 और 2023 के बीच सेट की गई है। पॉपुलर म्यूजिक डायरेक्टर एम एम क्रीम ओरिजिनल साउंड ट्रैक की रचना करेंगे। फिल्म की शूटिंग हाल ही में दो-तीन दिन पूर्व शनिवार को जिमी शेरगिल और लीड स्टारकास्ट के साथ शुरू हुई और इसकी शूटिंग मुंबई में बड़े पैमाने पर की जाएगी।

राखी सावंत ने आदिल खान की गर्लफ्रेंड के नाम का किया खुलासा

राखी सावंत ने अपने पति आदिल खान दुरार्नी पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था। बताया जाता है कि उसका एक लड़की से अफेयर चल रहा था। राखी ने कहा था कि अगर आदिल नहीं सुधरा तो वह उसका असली रूप सबके सामने ला देगी, लड़की का नाम और फोटो व वीडियो सार्वजनिक कर देगी। अब राखी की बात सच हो गई है। राखी ने सबके सामने लड़की का नाम बताया। अब आदिल और उस लड़की की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। आदिल की गर्लफ्रेंड किसी भी मामले में राखी से कम नहीं है। खूबसूरती हो या फिटनेस, हर चीज में वह राखी को टक्कर देती नजर आ रही है। राखी बताती है कि आदिल की गर्लफ्रेंड का नाम तनु है। राखी आगे कहती है कि, जब मैं मराठी बिग बॉस में थीं, पांच हफ्ते बाद बाहर आने के बाद मुझे इसके बारे में पता चला। मैंने आदिल को समझाने का भी प्रयास किया। लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। अब तनु चंदेल और आदिल दुरार्नी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। राखी के मुताबिक 37 वर्षीय तनु इंदौर की रहने वाली है। वहां उनका एक फ्लैट भी है।

उसके पास खुद की बीएमडब्ल्यू कार है। राखी के मुताबिक, तनु आईआईटी से पास आउट है और अब एक बिजनेसवुमन है। राखी के मुताबिक तनु पिछले 8 साल से बॉलीवुड में स्ट्रगल कर रही है और कुछ छोटे प्रोजेक्ट्स में भी नजर आ चुकी है।

मौनी रॉय ने लगाया हॉटनेस का तड़का

अभिनेत्री मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और अपने फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती है। हाल ही में मौनी ने अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं, जो आग लगा रही हैं। लुक की बात करें तो मौनी ग्रे बिकिनी और ब्लैक साइड कट स्कर्ट में नजर आ रही है। गले में एक्ट्रेस ने नेकलेस पहना हुआ है। मिनिमल मेकअप और चोटी से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। इस लुक में एक्ट्रेस बेहद लग रही है। मौनी की कातिलाना अदाएं फैंस के दिलों पर कहर ढा रही हैं। फैंस इन तस्वीरों पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। काम की बात करें तो मौनी को आखिरी बार फिल्म ब्रह्मास्त्र में देखा गया था। फिल्म में मौनी के रोल को काफी पसंद किया गया। इसके अलावा मौनी हनी सिंह के साथ गाने गतिविधि में नजर आई थी, जिसे लोगों ने खूब प्यार दिया।

अजय देवगन ने तब्बू और जिमी शेरगिल के साथ शुरू की फिल्म 'औरों में कहां दम था' की शूटिंग

अजय देवगन भोला की शूटिंग पूरी करने के बाद अब औरों में कहां दम था फिल्म की शूटिंग में जुट गए हैं। नीरज पांडे के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में अजय देवगन के अलावा तब्बू और जिमी शेरगिल भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। अजय देवगन ने फिल्म के सेट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "नीरज पांडे, तब्बू और जिमी शेरगिल के साथ फिल्म औरों में कहां दम था के सेट से। अजय देवगन स्टारर भोला 30 मार्च को रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में भी अजय देवगन के साथ तब्बू भी दिखाई देंगी।"

सूडोकु नवताल- 6336

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6335 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7083

सु	रा	मा	त	र	र	अ	ट	गु	क	वि
दी	नी	सू	ह	का	ल	जी	दि	ल	को	ज
वा	र	ल	द	अं	त	त	मा	मो	ल	य
सं	वि	दा	गा	ल	क	वा	हा	ह	व	म
ट	ज	न	ष	व	म	डे	डी.	म्म	सी	चें
दि	य	य	स	जि	स्क	क	इ	द	म	ट
ने	ह	बु	मां	या	म	र	ह	र	जा	श
श	जा	ब	ला	ज	र	सौ	डी.	ट	फ	धी
मों	रे	त	सू	ह	रे	दा	ने	जे.	र	र
गि	ल	च	त्त	र	ट	क	बें	न	गां	थ
या	र	म	न	लां	बा	इ	र	म्हे	ह	धी

शब्दजाल में रणजी ट्राफी में तिहरा शतक बनाने वाले 10 नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

विजय मर्चेंट, सुनील गावस्कर, रमन लांबा, संजय मांजरेकर, गुल मोहम्मद, विजय हजारे, वसीम जाफर, दिनेश मोंगिया,अजीत वाडेकर, डी. जे. गांधी

शब्दजाल - 7082 का हल

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा
न	ला	क	प	इं	डो	र्जु	शि	या	ड़	म
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला
त	ण	अ	सौ	बी	जा	ह	कि	नि	ला	स
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा
क	म	ल	ना	थ	जी	ज	जी	न	द	न
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	रु	अ	प	श
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6036

		3				7
2	31		31		28	2
	2	1		3		4
3	34	6	31		33	
	5		3	2		1
5	31	5	32	7	38	3
			4			6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6035 का हल

3	1	7	6	2	5	4
5	31	3	37	1	28	7
4	3	5	7	6	1	2
2	29	6	40	7	34	3
1	6	2	4	3	7	5
7	32	4	26	5	34	1
6	5	1	3	4	2	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

4 से 26 मार्च के बीच होगा विमेंस प्रीमियर लीग : 13 फरवरी को होगा प्लेयर्स ऑक्शन, मुंबई और गुजरात फ्रेंचाइज के बीच हो सकता है ओपनिंग मैच

नई दिल्ली।
विमेंस प्रीमियर लीग का पहला एडिशन 4 मार्च से 26 मार्च तक मुंबई में खला जाएगा। ब्रेबॉर्न स्टेडियम मेजबानी करेगा। इसमें पहला मैच गुजरात और मुंबई की फ्रेंचाइज के बीच खेला जा सकता है। आईपीएल प्रेजिडेंट ने इसकी जानकारी दी। 13 फरवरी को ऑक्शन होगा। इसमें लगभग 1500 खिलाड़ियों ने लीग के लिए रजिस्टर कराया है और फाइनल लिस्ट इस सप्ताह के अंत में जारी होने की उम्मीद है।

जियो वर्ल्ड कनवेंशन सेंटर में होगी नीलामी

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में एक दिन का मेगा ऑक्शन होगा। पिछले दिनों खबरें आ रही थीं कि बीसीसीआई को ऑक्शन कराने के लिए होटल नहीं मिल रहे हैं। शादी का सीजन होने के कारण मुंबई और दिल्ली के ज्यादातर होटल बुक हो चुके थे। अब जाकर बीसीसीआई को होटल मिला है।

फ्रेंचाइजी मालिकों ने तय कराई तारीख

13 फरवरी की तारीख फ्रेंचाइजी मालिकों से बात कर तय की गई। क्योंकि फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट इस वक्त की इंटरनेशनल लीग टी-20 और साउथ अफ्रीका की लीग में व्यस्त हैं। ऐसे में डब्लूपीएल के लिए उन्हें पर्याप्त समय चाहिए था। 12 तारीख तक दोनों लीग के फाइनल हो जाएंगे, ऐसे में 13 ही सबसे बेस्ट डेट थी।

हर टीम को मिलेंगे 12 करोड़ रुपए

एक डब्लूपीएल टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। पुरुष आईपीएल के मुकाबले यह राशि बहुत कम है। मेंस आईपीएल में एक टीम के पास 95 करोड़ रुपए का पर्स रहता है। टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 6 करोड़, रनर-अप को 3 करोड़ और तीसरे नंबर पर रहने वाली टीम को एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

विमेंस प्रीमियर लीग की 5 टीमों की नीलामी भी हो गई है। सबसे ज्यादा बोली अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए लगी है। इस फ्रेंचाइजी के एवज में अडाणी ग्रुप 1,289 करोड़ रुपए बोर्ड को देगा। अहमदाबाद के अलावा मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और लखनऊ की फ्रेंचाइजी पर बोली लगी है। यानी यही पांच टीमें विमेंस प्रीमियर लीग में शिरकत करेंगी।

अंडर-19 खिलाड़ियों पर भी लगेगी बोली

एक टीम में कितनी खिलाड़ी शामिल हो सकती हैं, इस पर बीसीसीआई ने अभी तक कुछ नहीं कहा है। लेकिन, एक टीम में अगर 15 से 18 प्लेयर्स भी हुईं तो भी 5 टीमें करीब 75 से 90 खिलाड़ियों को खरीदेंगी। ऐसे में दुनिया भर की टॉप क्रिकेटर्स समेत भारत को अंडर-19 वर्ल्ड जिताने वालीं खिलाड़ियों पर भी बड़ी बोली लग सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

हरियाणा के मंत्री पर महिला कोच का नया खुलासाः संदीप ने कॉल कर कहा था- जो चाहती हो वही करूंगा, केस वापस ले लो

चंडीगढ़। यौन उत्पीड़न के आरोपों से घिरे से हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह को लेकर जूनियर महिला कोच ने बड़े खुलासे किए हैं। कोच का कहना है कि गृह मंत्री अनिल विज से मिलने से पहले मंत्री ने उसे मनाने की कोशिश की थी। मंत्री ने कोच से कहा कि तुम जो चाहती हो, मैं वही करूंगा, बस तुम केस वापस ले लो। मंत्री संदीप पर 31 दिसंबर को चंडीगढ़ में केस दर्ज हुआ। उसके अगले दिन यानी 1 जनवरी को महिला कोच गृह मंत्री से मिलने के लिए अंबाला गई थी। इन आरोपों के बीच जूनियर महिला कोच ने मामले की जांच कर रही चंडीगढ़ पुलिस के मिलने का समय मांगा है। वहीं मंत्री संदीप सिंह पहले ही आरोपों को नकार चुके हैं। जूनियर महिला कोच का कहना है कि अनिल विज से मिलने से पहले मंत्री ने कहा था कि तुमने जो नुकसान किया है, उसकी कीमत तो देनी पड़ेगी। कोच ने संदीप सिंह से कहा कि तुम सब कुछ खरीद सकते हो, लेकिन मुझे नहीं। हर आदमी एक जैसा नहीं होता। मुझे पैसे नहीं चाहिए। मुझे उतना ही हजम होगा जितने मैंने हाथ पैर तुड़वाए हैं, जितनी मैंने मेहनत की है। जूनियर महिला कोच का कहना है कि मैं खून-पसीना एक करके यहां तक पहुंची हूं। मुझे यदि उल्टे काम ही करने होते तो मैं पहले ही यह कर चुकी होती। इतनी मेहनत करके मैं यहां पहुंची हूं, इसे जाया नहीं जाने दूंगी। वह दूसरे लोग होते हैं, जो उल्टे कामों को करके अपने आगे बढ़ने की राह बनाते हैं, मैं वैसी नहीं हूं।

पीएम मोदी को गिफ्ट में मिली मेसी की जर्सीः बेंगलुरु में अर्जेंटीना की पेट्रोलियम कंपनी के अध्यक्ष ने तोहफे में दी

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री मोदी को एक खास तोहफा मिला। अर्जेंटीना की पेट्रोलियम कंपनी के अध्यक्ष पाब्लो गोंजालेज ने इंडिया एनर्जी वीक के मौके पर पीएम मोदी को मेसी टी-शर्ट भेंट की। फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के बाद पीएम मोदी ने लियोनल मेसी और अर्जेंटीना टीम को जीत बधाई दी थी। उन्होंने लिखा था - फीफा फाइनल 2022 को सबसे रोमांचक फुटबॉल मैचों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। वर्ल्ड कप चैंपियंस बनने पर अर्जेंटीना को बधाई! उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। शानदार जीत पर अर्जेंटीना और मेसी के लाखों भारतीय प्रशंसक खुश है। अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराया था। तय 90 मिनट तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर रही थी। एक्स्ट्रा टाइम के बाद मुकाबला 3-3 की बराबरी पर रहा था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट से फैसला हुआ। मैच में फाइनल में मेसी ने दो गोल किए थे। वहीं, फ्रांस के लिए किलियन एमबाप्पे ने हैट्रिक जमाई थी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत ऊर्जा सप्ताह 2023 का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान, पीएम मोदी ने भारत में एनर्जी डिमांड की बात पर जोड़ दिया। उन्होंने एनर्जी सेक्टर में ग्रोथ के बारे में बताया और कहा - आज भारत एनर्जी में निवेश के लिए सबसे बढ़िया स्थान है।

स्मृति मंधाना टॉप तीन में बरकरार; दीप्ति शर्मा आईसीसी टी20 रैंकिंग में तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना जारी आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में शीर्ष तीन प्लेयर में बनी हुई हैं, जबकि आलराउंडर दीप्ति शर्मा एक स्थान नीचे खिसक गई हैं। मंधाना दक्षिण अफ्रीका त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में सस्ते में आउट होने के बावजूद तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी ताहलिया मैकग्रॉ और बेथ मूनी क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर 612 रैंकिंग अंक पर बनी हुई हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 21 रन बनाने के बाद श्रीलंका की चमारी अथापथु के बराबर आ गई हैं, दोनों शीर्ष 10 में मौजूद हैं। दूसरी ओर, दीप्ति इसी त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में गेंदबाजी में 1/19 विकेट लेने के बावजूद ऑलराउंडरों की सूची में तीसरे स्थान पर खिसक गई। स्नेह राणा ने गेंदबाजी रैंकिंग में बढ़त हासिल की है, फाइनल में 2/21 का दावा करने के बाद चार स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर काबिज हैं। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 763 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर कायम हैं।

क्या टेस्ट में खत्म होगा विराट के शतक का सूखा

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत में कोहली का रिकॉर्ड कमजोर, लायन सबसे बड़ा खतरा

नई दिल्ली।
करीब तीन साल तक आउट ऑफ फॉर्म रहने के बाद विराट कोहली ने 2022 के आखिरी महीनों में अच्छी वापसी की। टी-20 इंटरनेशनल में उन्होंने करियर का पहला शतक जमाया, तो वनडे क्रिकेट में भी शतकों का सूखा खत्म किया। हालांकि, वे अब भी टेस्ट क्रिकेट में पुराने अंदाज में नहीं दिखे हैं।

ऐसे में सवाल उठता है कि क्या विराट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 फरवरी से शुरू हो रही चार टेस्ट मैचों की सीरीज में इस इंतजार को खत्म कर पाएंगे। इस सवाल का सटीक जवाब तो सीरीज शुरू होने पर ही मिलेगा। इस स्टोरी में हम देखेंगे कि विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में अब तक कैसा खेल दिखलाया है। हम यह भी जानेंगे कि कोहली के लिए सबसे ज्यादा मुश्किल कौन सा गेंदबाज पेश कर सकता है।

पहले देखिए 1172 दिन से चला रहा कोहली का स्ट्रगल - विराट ने अपना आखिरी टेस्ट शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ जमाया था। 1172 दिन हो चुके हैं रेड बॉल क्रिकेट में उनकी सेंचुरी आए। तब से उन्होंने 20 टेस्ट मैच खेल लिए। इनमें 6 अर्धशतक आए, लेकिन शतक नहीं। इस दौरान विराट का औसत भी 26.20 का ही रहा और वह 917 रन ही बना सके। बांग्लादेश के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में भी वह कुछ खास नहीं कर सके। उन्होंने 2 मैचों में 45 रन ही बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया के पिछले भारत दौरे पर फेल रहे थे विराट - ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली का रिकॉर्ड वैसे तो बहुत शानदार है, लेकिन भारत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका बल्ला खामोश रहा। 2017 की सीरीज में तो विराट 3 मैचों में महज 46 रन बना सके थे। इंजरी के चलते उन्होंने एक टेस्ट मैच मिस भी किया था। उस सीरीज में उनका औसत भी 9.20 का ही रहा। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम 2013 में भारत दौरे पर आई थी। तब विराट ने 4 मैचों में 1 शतक की मदद से 217 रन बनाए थे। इस तरह भारतीय जमीन पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली अब तक 7 टेस्ट में सिर्फ 1 शतक जमा पाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवरऑल अच्छा रिकॉर्ड - ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली ने भारत में भले ही बहुत अच्छी बल्लेबाजी न की हो, लेकिन ऑस्ट्रेलिया जाकर उनका बल्ला जमकर बोला है। कंगारुओं के खिलाफ उनके 7 शतकों में से 6 ऑस्ट्रेलिया में ही आए हैं। इस वजह से उनका प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवरऑल अच्छा हो जाता है।ऑस्ट्रेलिया के सामने 20 टेस्ट में उन्होंने 48.05 की औसत से कुल 1,682 रन बनाए हैं। इसमें 7 शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं।

नाथन लायन बन सकते हैं सबसे बड़ी चुनौती - इस सीरीज में विराट कोहली के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लायन सबसे बड़ी चुनौती बन सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट में लायन ने कोहली को 7 बार आउट किया है। दुनिया के किसी भी अन्य गेंदबाज ने इस फॉर्मेट में कोहली को लायन से ज्यादा बार आउट नहीं किया है। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन जरूर लायन की बराबरी पर हैं। लायन स्पिनर्स की मददगार भारतीय पिचों पर कोहली के लिए और भी खतरनाक हो जाते हैं। उन्होंने भारत में विराट को 6 मैचों में 4 बार आउट किया। इनमें 3 बार वो आउट हुए। भारत में लायन के खिलाफ विराट का औसत 40.25 का रहता है, जो कि लायन के खिलाफ उनके ओवरऑल औसत 50.42 से कम है।

कमिंस भी करते हैं परेशान - लायन के अलावा ऑस्ट्रेलियन टीम के कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस भी विराट को खूब परेशान करते हैं। विराट के खिलाफ 6 मैचों में कमिंस ने 5 बार उन्हें आउट किया है। इस दौरान कोहली का औसत भी 27.20 का ही रहा है। हालांकि, कमिंस ने भारत में विराट के सामने एक ही बार गेंदबाजी की है। कमिंस के अलावा जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क ने कोहली को 11-11 मैचों में 3-3 बार आउट किया है।

व्हाइट बॉल क्रिकेट में जोरदार फॉर्म - जैसा कि आपने खबर की शुरुआत में ही पढ़ा कि कोहली ने व्हाइट बॉल क्रिकेट, यानी वनडे और टी-20 में बेहतरीन फॉर्म हासिल कर ली है। एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ करियर का पहला टी-20 इंटरनेशनल शतक जमाने के बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भी खूब रन बनाए। वे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन (296) बनाने वाले बैटर बने। टूर्नामेंट के बाद उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे शतक भी जड़ दिया। इतना ही नहीं साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ 2 शतक लगाकर उन्होंने खुद के बेहतर फॉर्म में होने का सबूत भी दे दिया। फैंस की यही उम्मीद होगी कि उनकी यह शानदार लय टेस्ट क्रिकेट में भी ट्रांसफर होगी।

9 फरवरी से पहला टेस्ट - विराट के सामने एक बार वही कंगारू टीम खड़ी है, जिन पर दबदबा दिखाने से विराट जरा भी नहीं कतराते। ऐसे में देखना अहम होगा कि कोहली 9 फरवरी से नागपुर में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में कैसा परफॉर्म करते हैं। 9 के बाद 17 फरवरी से दिल्ली में दूसरा, एक मार्च से धर्मशाला में तीसरा और 8 मार्च से अहमदाबाद में चौथा टेस्ट खेला जाना है। यानी कि विराट के पास अपना टेस्ट फॉर्म वापस पाने का पर्याप्त समय है। वहीं, भारत में 1996 के बाद से ऑस्ट्रेलियन टीम एक ही बार टेस्ट सीरीज जीत पाई है। 2004 में टीम ने भारत को 2-1 से हराया था।

प्राइम वॉलीबॉल लीग सीजन-2

हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने अहमदाबाद डिफेंडर्स को चौंकाया, अपने पहले ही मैच में 3-2 से शानदार जीत दर्ज की

बेंगलुरू।
हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने 23 द्वारा संचालित रूपे प्राइम वॉलीबॉल लीग सीजन-2 के अपने पहले मैच में बेंगलुरू के कोरमंगला इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की. हैदराबाद ब्लैकहॉक्स ने अहमदाबाद डिफेंडर्स को 3-2 से हराकर अपनी विजयी शुरुआत की. हैदराबाद ने अहमदाबाद डिफेंडर्स को 13-15, 15-9, 15-14, 15-11, 10-15 से शिकस्त देकर मुकाबले से दो अंक हासिल कर लिए. पिछले सीजन में सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली हैदराबाद ब्लैक हॉक्स के कप्तान एसवी गुरुप्रशांत को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड से सम्मानित किया गया. युवा हैदराबाद ब्लैक हॉक्स की टीम ने नंदगोपाल सुब्रमण्यम की खराब सर्विस के सहारे मैच में पहला अंक अर्जित किया. लेकिन अहमदाबाद ने भी एलएम मनोज के स्पाइक की मदद से जल्द ही बराबरी कर ली. हैदराबाद के कप्तान एसवी गुरु प्रशांत ने फिर एक परफेक्ट ब्लॉक के दम पर अपनी टीम को मुकाबले में आगे रखा ब्लैक हॉक्स ने आगे भी हेमंत के स्पाइक के सहारे 7-4 की बढ़त बना ली. लेकिन अहमदाबाद ने डेनियल मोताजेदी के सर्व के सहारे विरोधी टीम की बढ़त को कम कर दिया. डिफेंडर्स ने फिर नंदगोपाल द्वारा लगाए गए सुपर ऐस की बदौलत मैच में बढ़त बना ली. हालांकि एक समय ऐसा लग रहा था कि पहला सेट हैदराबाद के हाथ से खिसक सकता है, तभी गुरु ने स्पाइक के साथ अपनी टीम बराबरी पर ला दिया. लेकिन गुरु के ही गलत स्पाइक ने डिफेंडर्स को पहले सेट में 15-13 से जीत दिला दी दूसरे सेट में अशमतुल्लाह के ब्लॉक ने हैदराबाद को पहला प्वाइंट दिलाया. लेकिन डेनियल ने फिर से स्पाइक के सहारे अपनी टीम को बराबरी दिला दी. एंड्रयू कोहुट द्वारा शानदार शॉट से स्कोर एक समय 3-3 से बराबर हो गया था, लेकिन गुरु ने स्पाइक के दम पर अंक लेकर हैदराबाद को एक बार फिर से सेट में आगे कर दिया।

एरोन फिंच ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लिया संन्यास : 2021 में जिताया वर्ल्ड कप, ऑस्ट्रेलिया के हाईएस्ट टी-20 रन स्कोरर

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया के टी-20 कप्तान एरोन फिंच ने मंगलवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया। फिंच ने पिछले साल वनडे से संन्यास लिया था। अब उन्होंने टी-20 से भी रिटायरमेंट ले लिया है। फिंच ऑस्ट्रेलिया की 2021 टी-20 वर्ल्ड कप विनिंग टीम के हिस्सा थे। फिंच टी-20 में ऑस्ट्रेलिया के हाईएस्ट रन स्केरर भी है।

बीबीएल खेलना जारी रखेंगे फिंच

क्रिकेट के इतिहास में ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल कप्तान, फिंच बिग बैश लीग में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेलना जारी रखेंगे। साल 2022 फिंच के लिए बतौर कप्तान अच्छा नहीं रहा। टी-20 वर्ल्ड कप में मेजबान ऑस्ट्रेलिया नॉकआउट स्टेज में जगह बनाने में नाकाम रहा। इससे उनकी कप्तानी भी सवालों के घेरे में भी आई थी।

2024 वर्ल्ड कप में नहीं खेलूंगा इसलिए अभी लिया संन्यास - फिंच

रिटायरमेंट के लिए जारी किए स्टेटमेंट में फिंच ने कहा - मुझे लगता है कि मैं 2024 टी-20 वर्ल्ड कप नहीं खेल पाऊंगा। इसलिए अभी रिटायरमेंट लेने का सही समय है। मुझे मैनेजमेंट को अगले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम के निर्माण और नए कप्तान को सेट होने के लिए समय देना चाहिए। 12 साल तक कप्तानी करके और दुनिया के बेस्ट प्लेयर्स के साथ खेल कर बहुत अच्छा लगा।

टी-20 क्रिकेट में नाम कमाया

फिंच ने टी-20 क्रिकेट के जरिए रिकॉर्ड बनाए। फिंच ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा समय तक रहने वाले कप्तान बने। उन्हें 2013 में टी-20 की कप्तानी सौंपी गई थी। फिंच ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 76 मैचों में कप्तानी की। फिंच ने इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मैच खेले। फिंच 3120 रनों के साथ ऑस्ट्रेलिया के हाईएस्ट टी-20 इंटरनेशनल रन स्कोरर भी है।

वनडे से किया था डेब्यू

फिंच ने 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था। फिंच ने कुल 146 वनडे खेले और 5406 रन बनाए। टी-20 में उन्होंने 103 मैच खेले और 3120 रन स्कोर किए। फिंच के बल्ले से इंटरनेशनल करियर में 19 शतक निकले। फिंच ने 31 अक्टूबर 2022 को आयरलैंड के खिलाफ अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला। इसमें उन्होंने 63 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली।

खेलो इंडिया में फिल्म स्टार माधवन के बेटे वेदांत: इस स्विमिंग स्टार ने कहा- जरूरी नहीं कि एक्टर का बेटा एक्टर ही बने, मेरे सपने पिता से अलग

भोपाल।
खेलो इंडिया यूथ गेम्स में स्विमिंग इवेंट शुरू हो रहें हैं। एक चेहरे या कहें नाम की जबरदस्त चर्चा है। ये हैं- वेदांत माधवन। वेदांत बेहतरीन स्विमर हैं, लेकिन उनकी पहचान फिलहाल पिता आर. माधवन की वजह से ज्यादा है। माधवन जितने कामयाब साउथ इंडियन मूवीज में रहे, उतनी ही सफलता उन्हें बॉलीवुड में भी मिली। बहरहाल, यहां बात वेदांत की। अकसर वो सोशल मीडिया पर भी सुर्खियों में रहते हैं। हालांकि, उन्हें भारतीय तैराकी के इमर्जिंग स्टार के तौर पर देखा जा रहा है। 2018 में पहला इंटरनेशनल मेडल जीतने के बाद से ही इस खिलाड़ी पर सबकी नजर है। 17 साल के वेदांत जूनियर चैंपियनशिप में देश का परचम लहरा चुके है। डेनिश ओपन 2022 में उन्होंने गोल्ड जीता। 8: 17.28 सेकेंड का

पर्सनल बेस्ट निकाला। 800 मीटर फ्रीस्टाइल में इंडियन नेशनल रिकॉर्ड 8: 00.76 है। जरूरी नहीं है कि एक्टर का बेटा भी एक्टिंग ही करे। मैं बचपन से स्विमिंग कर रहा हूं और इसे इन्जॉय करता हूं। मेरे मन में आया कि जो मुझे पसंद है, उसी में करियर बनाना चाहिए। इसमें क्या गलत है, अगर मेरे सपने पिता से अलग हैं। भारत और विदेश में स्विमिंग पूल और ट्रेनिंग में अब ज्यादा फर्क नहीं रहा है। ये बहुत फख्र कि बात है कि अब भारत में भी दुबई जैसी ट्रेनिंग दी जाती है। मैं कभी-कभी बेंगलुरु में भी ट्रेनिंग लेता हूं। वहां की ट्रेनिंग दुबई की प्रैक्टिस से ज्यादा अलग नहीं है। 2022 में डेनिश ओपन गोल्ड जीतने के बाद कॉन्फिडेंस मिला है। पिछले दो खेलो इंडिया यूथ गेम्स में एक सिल्वर और दो ब्रॉन्ज जीते हैं। कोरोना के दौरान भी बहुत प्रैक्टिस की। खुद पर बहुत काम किया है। जिम और साइकिलिंग के जरिए स्टेमिना बढ़ाया। खुद को फिट रखने की कोशिश की और जब भी मौका स्विमिंग की। इस वक्त मेरा फोकस खेलो इंडिया यूथ गेम्स पर है। इसके बाद कोशिश करूंगा कि यूथ कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वॉलीफाई करू। सच कहूं तो मेरा लॉन्ग टर्म गोल ओलिंपिक्स ही हैं। मैं माइकल फेल्प्स को आइडियल मानता हूं। हर बार आप कामयाब नहीं होते। इसलिए नाकामी भी गेम का हिस्सा है। इससे सीख कर आगे बढ़ना चाहिए। वाटर रिच होने के बावजूद इंडिया में इस खेल में मेडल क्यों कम मिलते हैं भारत में नदी से लेकर तीनों तरफ समुद्र हैं। यहां वाटर स्पोर्ट्स आसानी से कहीं भी खेला जा सकता है। बोटिंग से लेकर स्विमिंग तक वाटर स्पोर्ट्स के लिए यहां का क्लाइमेट सपोर्ट करता है। ऐसा होने के बावजूद भारत आज तक ओलिंपिक में एक भी मेडल नहीं ला पाया।

राहुल द्रविड़ ने बदलवा दी नागपुर टेस्ट की पिच

घास देख खुश नहीं थे टीम इंडिया के कोच, बदली गई साइट स्क्रीन की पोजीशन

नागपुर।
भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 9 फरवरी से नागपुर के जामथा में खेला जाना है। खबर आ रही है कि इस मैच के लिए विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन ने जो पिच तैयार करवाई थी वह टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ को पसंद नहीं आई। सूत्रों के मुताबिक द्रविड़ ने इसकी जगह पास वाली पिच को टेस्ट के लिए तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

भारतीय कोच के इस आदेश के बाद को आनन-फानन में कई बदलाव करने पड़े हैं। साइट स्क्रीन की पोजीशनिंग में बदलाव करना पड़ा है। इसके अलावा मैच के टेलीकास्ट के लिए लगाए जा रहे कैमरे की जगह को भी बदला गया है। इस स्टोरी में हम जानेंगे कि यह सब क्यों हुआ है। साथ ही हम यह भी जानने की कोशिश करेंगे कि इस टेस्ट के लिए पिच का इतना महत्व क्यों है

स्पिन फ्रेंडली नजर नहीं आ रही थी पिच

सूत्रों ने बताया कि टेस्ट मैच के लिए जो पिच तैयार करा रहा था वह स्पिन फ्रेंडली नजर नहीं आ रही थी। घरेलू परिस्थितियों में भारतीय टीम को ऐसी पिच ज्यादा रास आती है जो पहले दिन से स्पिन गेंदबाजी के लिए मददगार हो। द्रविड़ ने जब पिच का मुआयना किया तो उन्होंने पाया कि यह भारतीय टीम के लिए मुफीद नहीं होगी। इसके बाद उन्होंने पास वाली पिच को टेस्ट के लिए तैयार करने के निर्देश दिए। साइट स्क्रीन और ब्रॉडकास्टिंग कैमरे की पोजीशनिंग पिच के हिसाब से तैयार की जाती है। पिच में बदलाव की स्थिति में इनमें भी बदलाव

किए गए हैं। अगले ग्राफिक में देखिए जामथा में टीम इंडिया का अब तक का रिकॉर्ड कैसा रहा है। इसके बाद उस किस्से की बात करेंगे जब नागपुर की पिच देखकर सौरव गांगुली कैसे बीमार पड़ गए थे। विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन इससे पहले एक बार ऐसी पिच बनवा चुका है जो टीम इंडिया की ओर से मिले निर्देश के मुताबिक नहीं थी। यह वाकया 2004 का है। उस समय भी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही मुकाबला होना था। भारतीय टीम बेंगलुरु में पहला टेस्ट हार चुकी थी। कप्तान सौरव गांगुली ने निर्देश दिए थे कि पिच स्पिन फ्रेंडली हो। इसके बावजूद पिच पर काफी घास छोड़ी गई थी। यानी इसे फास्ट बॉलिंग फ्रेंडली बनवाया गया था। कहा जाता है कि गांगुली इससे काफी नाराज हुए और खुद को बीमार घोषित कर मैच से हट गए। टीम इंडिया को उस टेस्ट में हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, उस समय जामथा ग्राउंड नहीं बना था और नागपुर में इंटरनेशनल मैच एक अन्य ग्राउंड पर होते थे।

टीम इंडिया क्यों चाहती है पहले दिन से स्पिन

भारत में परंपरागत टेस्ट पिचें पहले दो दिन बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर होती हैं। तीसरे दिन से पिच से स्पिन गेंदबाजों को मदद मिलने लगती है। चौथे और पांचवें दिन स्पिनर काफी ज्यादा हावी हो जाते हैं। ऐसी पिच बनने पर टॉस काफी अहम हो जाता है। पहले बैटिंग करने वाली टीम अगर 130-140 ओवर खेल लेती है तो फिर वह 500 रन या इससे ऊपर का स्कोर बना लेती है। फिर उसका मैच हारना काफी मुश्किल हो जाता है। पिच अगर इसी मिजाज की हुई और ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुन ली तो फिर भारत के लिए मैच बचाना काफी मुश्किल हो सकता है, लेकिन अगर पिच से पहले दिन से स्पिनर्स को मदद मिले तो इस स्थिति से बचा जा सकता है। साल 2020 में भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा था।

क्या आप भी हैं कॉफी के एडिक्ट, तो ऐसे छुड़ाएं ये आदत!

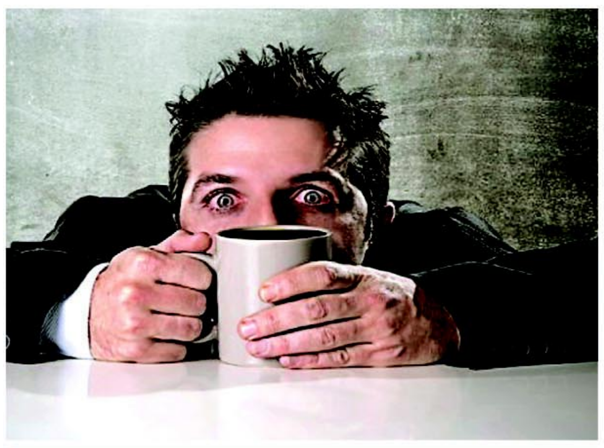

बहुत से लोगों को कॉफी यानि कैफीन का नशा होता है. कुछ लोग चाहकर भी कैफीन की लत को छोड़ नहीं पाते. आज हम आपको बता रहे हैं कैसे आप आसानी से कुछ टिप्स अपनाकर कैफीन की लत से छुटकारा पा सकते हैं.

डीप ब्रीथ प्रैक्टिस- कैफीन विड्रायल सिस्टम से फाइट करने के लिए डीप ब्रीथ प्रैक्टिस करें. लंबी-लंबी गहरी सांसे लेने से कैफीन की स्ट्रांग क्रेविंग, एंजाइटी और बेचैनी को भी खत्म किया जा सकता है.

खूब पानी पीएं- कैफीन के एडिक्शन से बचने का बेहतर तरीका है कि पानी खूब पीएं. इससे आपकी क्रेविंग भी कम होगी. रोजाना पानी की अधिक मात्रा पीने से बॉडी डिटॉक्सीफाई होगी और आपकी बॉडी को ये हाइड्रेट रखेगा.

बेहतर नींद लें- अच्छी नींद से भी कैफीन की लत छुड़ाने में मदद मिलती है. लेकिन कम नींद लेने से आपकी कैफीन छुड़ाने की लत पर बुरा असर पड़ता है. हेल्दी स्लिप हैबिट अपनाएंगे तो धीरे-धीरे कैफीन की क्रेविंग कम होने लगेगी.

ग्रीन टी- कॉफी के बदले ग्रीन टी लेने की कोशिश करें. इसे पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं तो कि बॉडी से हार्मफुल टॉक्सिंस को बाहर निकालते हैं. ग्रीन टी पीने से ओवरऑल कैफीन इंटेक कम हो जाता है. काफी के बजाय दिनभर में 3 से 4 कप ग्रीन टी पीएं.

कुछ अन्य टिप्स-

रोजाना सुबह एक्सरसाइज करें.हेल्दी जूस का सेवन करें.प्रोटीन और मैग्नीशियम से भरपूर सप्लीमेंट्स या फूड का सेवन करें.जिनसेन हर्ब का इस्तेमाल करें ये कैफीन की लत को छुड़ाने में मदद करेगा.

मेकअप उतारने के कुछ आसान नैचुरल नुस्खे

ऑफिस, पार्टी, फंक्शन से आने के बाद जितना ज़रूरी कपडे बदलना होता है उतना ही ज़रुरी मेकअप उतारना होता है। इससे आपकी चेहरे की स्किन के रोम छिद्र भी खुल जाते है और पूरे दिन की धूल मिट्टी भी साफ हो जाती है। मेकअप उतारने के लिए आज बाजार में ढेरों प्रोडक्ट मौजूद है। लेकिन इन सब के ना होने के बाद भी आप अपना मेकअप उतार सकती है वो भी सुरक्षित तरीको से। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे ही सरल तरीके जिनकी मदद से आप अपना मेकअप तो उतार ही सकती है साथ ही इससे आपकी त्वचा में निखार और चमक भी बरकरार रहेगी।

दही

दही के फ़ायदे तो हम पहले से ही जानते हैं दही खाने और चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक आती है लेकिन क्या आप जानती हैं कि इसे मेकअप उतारने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। जी हां, दही एक मेकअप रिमूवर भी है 7 इसके लिए सबसे पहले दही को अच्छी तरह से फेंट लें 7 फिर इसमें कॉटन बॉल डुबोकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ने के बाद जब मेकअप पूरी तरह निकल जाए तो चेहरा पानी से धो लें।

बेबी शैम्पू

बेबी शैम्पू से भी मेकअप रिमूव कर सकते है। एक कप पानी में आठ टी-स्पून ऑलिव ऑयल या कोकोनट ऑयल और आधा टीस्पून बेबी शैम्पू मिलाकर एक बोतल में भरकर आप इसे फ्रीज़ कर सकती है और जरुरत के वक्त इसे मेकअप रिमूव के प्रयोग में ला सकती है।

कच्चा दूध और बादाम तेल

एक टेबलस्पून कच्चे दूध में बादाम के तेल की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मेकअप छुड़ाएं। यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा होता है। इससे आपकी त्वचा मुलायम होती है।

जोजोबा एंड विटामिन ई ऑयल:

विटामिन ई त्वचा को मुलायम बनाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर होता है। जोजोबा ऑयल और एक विटामिन ई कैप्सलू को मिलाकर कांच की बोतल में रख दें । इससे वाटर प्रूफ मस्कारा लिक्विड आई लाइनर भी बिना ज्यादा मेहनत के रिमूव कर सकती है।

नारियल तेल

आपने कोकोनट ऑयल का प्रयोग मॉइश्चराइज़र, लिप बाम की तरह किया होगा। इसके साथ आप मेकअप रिमूवर के तौर पर इसे इस्तेमाल कर सकती है । थोड़ा-सा नारियल तेल हथेली पर लेकर इसे चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मालिश करे। ये स्किन को सॉफ्ट बनाता है और दाग-धब्बों को दूर करता है।

आंखों को इस तरह से लाभ पहुंचाता है ये सेब!

सेब के तो आपने बहुत फायदे सुने होंगे लेकिन क्या आप जानते हैं ये आंखों के लिए भी बहुत फायदेमंद है. आज आचार्य बालकृष्ण जी बता रहे हैं सेब के जरिए कैसे आंखों की समस्याओं को दूर रखा जा सकता है.

आंखों की परेशानी में सेब- जब आंखों में सूजन हो, लाली हो या फिर कोई इंफेक्शन हो तो कच्चे सेब को आग में भूनकर इसकी पोटली से आंख की सिंकाई करें. इससे एलर्जी और आंख की बाकी समस्याओं से निजात मिलेगी.

सेब की चाय- सेब की चाय बनाने के लिए कच्चे सेब के टुकड़े सुखा लें. सूखने के बाद इसमें तुलसी का पत्ता, पुदीना, काली मिर्च और लौंग मिलाकर उबाल लें. ये चाय का बेहतर विकल्प है. सेब की चाय सर्दी और खांसी में आराम देती है.

बिच्छू डंक में सेब- सेब की पत्तियां बिच्छू डंक में बहुत ही अच्छा काम करती हैं. सेब की 10 ग्राम पत्तियों को 400 ग्राम पानी में मसलकर डालें. बचा हुए पानी जब 100 ग्राम रह जाए तो उसमें सेंधा नमक डालकर इसका सेवन करें.

सेब के पत्ते के पानी में सेंधा नमक घोलकर 4 से 5 बूंदें बिच्छू के डंक के घाव को भरने के लिए बिच्छू जिस हिस्से में काटा है उसकी दूसरी तरफ कान में डाल दीजिए. आराम मिलेगा.

सर्दियों में हरी मटर खाने के है ये बेमिसाल फायदे, जानिए

यूं तो सभी सब्जियों के अपने अलग-अलग फायदे हैं तथा सभी सेहत के लिए लाभदायक होती हैं। लेकिन कुछ सब्जियां ऐसी होती है जो कि मौसम के अनुसार खाने से ही फायदा करती है। सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है और इस मौसम में हरी सब्जियां ज्यादा मिलती है।

मटर सर्दियों की सबसे अहम सब्जियों में से एक होती है। बहुत कम ही लोग होते है जो मटर के गुणों के बारे में जानते हैं। खाने खाने से आप कई तरह की गंभीर बीमारियों से भी बच सकते है। इसका रोजाना सेवन करने से कैंसर, मोटापा से बचाव होता है। जानिए इसको सेवन करने के फायदो के बारें में।

कैंसर से करें बाचव

मटर के सेवन से कैंसर का खतरा कम होता है। हर रोज इसे खाने से शरीर से कैंसर के घातक एलीमेंट दूर हो जाते है।

मोटापा से दिलाए निजात

यह फाइबर से भरपूर होती है। यह हमारी बॉडी को एनर्जी देने के साथ-साथ मेटाबॉल्जिम को बढ़ाता है। जिससे कि बॉडी से फैट की मात्रा को भी कम करता है।

मधुमेह

मटर खाने से मधुमेह नहीं होता है। मटर शरीर में खून के स्तर को नियंत्रित करता है। जिससे की डायबिटीस की समस्या नहीं होती है।

कोलेस्ट्रॉल को करें कम

मटर हमारी बॉडी में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ने नहीं देती है। मटर खाने से बॉडी में ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बढ़ता नहीं है। जिससे कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है।

उंगलियों की सूजन को करें कम

सर्दियों के दिनों जिन लोगों की उंगलियां सूज जाती है उनके लिए मटर काफी लाभदायक सिद्ध होता है। मटर के काढ़े के अंदर उंगलियां डुबोने से सूजन कम हो जाती है।

रखें जवां

मटर खाने से आपकी त्वचा लंबे समय के लिए जवान रहती है। इसमें फ्लैवानॉइड्स, फाइटोन्यूटिंस, कैरोटिन जैसे एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं।

याददाश्त बढ़ाएं

मटर का सेवन करने से याददाश्त बढ़ती है और यह फेफड़ों संबंधी बीमारियों को भी दूर करती है।

हड्डियों को रखें मजबूत

मटर में विटामिन होता है जो की हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। यह ऑस्टियोपोरोसिस के मरीजों के लिए असरदार होती है।

चेहरे की झाइयों को करें कम

मटर सेहत के लिए तो लाभदायक है ही साथ ही साथ सौंदर्य के लिए भी असरदार साबित होती है। मटर के आटे का उबटन चेहरे पर लगाने से चेहरे की झाइयां कम होती है।

टॉन्सिल की दिक्कत से जुड़ी हुई हैं ये समस्याएं भी

टॉन्सिल होने पर गले के दोनों ओर सूजन आ जाती है। शुरुआत में मुंह के अंदर गले के दोनों ओर दर्द महसूस होता है और बार-बार बुखार भी आता है। टॉन्सिल्स सामान्य से ज्यादा लाल हो जाते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि टॉन्सिल के कारण आपको कई अन्य तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। कुछ ऐसी ही समस्याओं पर एक नजर-

मुंह से बदबू आना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के अनुसार, दुनिया की आधी आबादी मुंह की सफाई न करने के कारण मुंह की बदबू से ग्रस्त हैं। लेकिन टॉन्सिल की समस्या होने पर भी सांसों से बदबू आने लगती है। टॉन्सिल ग्लैंड दरारों से भरा होता है जहां बैक्टीरिया और डेड सेल्स अटक जाते हैं और इनके कारण मुंह से बदबू आने लगती है।

खर्राटों की समस्या

गले में बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण आपको खर्राटों की समस्या हो सकती है। अमेरिकन अकादमी ऑफ ओटालर्यनॉलजी के अनुसार, बढ़े हुए टॉन्सिल से खर्राटों की समस्या हो सकती है। जब बार-बार होने वाले संक्रमण के कारण टॉन्सिल का आकार बढ़ने लगता है तो गले में हवा के बहाव में रुकावट आने लगती है। जिससे खर्राटे की समस्या होती है।

साइनस इन्फेक्शन

बढ़े हुए टॉन्सिल से बार-बार साइनस और कान में इन्फेक्शन की समस्या हो सकती है। ऐसा नाक और कान को जोड़ने वाली नली बंद हो जाने से होता है और कान के पर्दे के पीछे पानी जमा हो जाता है। कभी-कभी कान से पस बाहर आने लगता है। इससे सुनने की क्षमता कम होने लगती है।

सिरदर्द की समस्या

बढ़े हुए टॉन्सिल के कारण सोते समय सांस लेने में भी परेशानी होती है। नींद में इस तरह का खलल आने से ब्रेन तक सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती और इसकी कमी से रक्त-वाहिनियों का आकार बढ जाता है और सिरदर्द होने लगता है।

प्लास्टिक के डिब्बों को साफ करने के लिए आजमाएं ये तरीके

आज के समय में ज्यादातर लोग स्टील और एल्युमिनियम के डिब्बों की जगह प्लास्टिक के डिब्बों का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि ये डिब्बे काफी हल्के होते हैं और इनके टूटने का डर भी नहीं होता। आजकल बाजार में ऐसे कंटेनर भी आ गए हैं जिन्हें माइक्रोवेव में भी रखा जा सकता है। इनमें खाना फ्रेश बना रहता है और साथ ही यह देखने में काफी आकर्षक भी होते हैं। हालांकि प्लास्टिक के कंटेनर का इस्तेमाल बहुत लंबे समय तक नहीं करना चाहिए साथ ही इनकी सफाई का भी पूरा ख्याल रखना चाहिए, वरना ये नुकसानदेह हो सकते हैं।

कई बार प्लास्टिक के डिब्बों को अच्छे से साफ न करने पर उनमें से बदबू आने लगती है और चिकनाहट बनी रह जाती है। ऐसे में यह जरूरी है कि आपको इन्हें साफ करने का सही तरीका पता हो-

1. बदबू दूर करने के लिए

अगर आपके प्लास्टिक के बॉक्स से बदबू आ रही है तो यह घरेलू उपाय आपके लिए उपयोगी रहेगा। एक बाल्टी गर्म पानी ले लें और उसमें तीन चम्मच बेकिंग सोडा डाल दें। प्लास्टिक के इन बॉक्स को बाल्टी में डाल दें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साफ करें। आप चाहें तो बाल्टी के इस पानी में नींबू का रस और सिरका भी मिला सकते हैं।

2. जिद्दी दाग

अगर आपके प्लास्टिक के डिब्बों पर जिद्दी दाग हैं तो उन्हें साफ करने के लिए क्लोरीन ब्लीच का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा रहेगा। दाग लगे डिब्बों को ब्लीच के इस मिश्रण में डालें। कुछ देर बाद इन्हें निकालकर साबुन से धो लें। दाग दूर हो जाएंगे।

3. रख-रखाव

अगर आप नहीं चाहते कि प्लास्टिक के डिब्बों से बदबू आए तो एक बात का ख्याल हमेशा रखें कि इनमें लंबे समय तक खाना न रखें। साथ ही हर कंटेनर माइक्रोवेव फ्रेंडली हो, यह जरूरी नहीं। ऐसे में बिना जांचें इन्हें माइक्रोवेव में न रखें।

सर्दियों में त्वचा को यूं बनाएं खूबसूरत!

बदलते मौसम के साथ ही स्किन की खास देखभाल करना और भी जरूरी हो जाता है. स्किन में निखार लाने के लिए क्रीम और सीरम लगाने के अलावा कुछ ऐसे इंग्रेडीएंट्स भी हैं जो आपकी त्वचा को चमकदार और खूबसूरत बना सकते हैं. काया लिमिटेड की प्रमुख मेडिकल सर्विसेज एंड आर एंड डी संगीता वेलासकर ने अपनी खूबसूरती को लेकर विशेष रूप से सजग रहने वाली महिलाओं के लिए कुछ सुझाव दिए हैं.

कोलेजन हमारी कोशिकाओं से निकलने वाले प्रोटीन हैं जो त्वचा को एक साथ जकड़ कर रखने में मददगार होता है. कोलेजन त्वचा में कसाव लाकर जवां लुक देता है. जब हम युवा होते हैं तो हमारी त्वचा मोटी और कोमल होती है लेकिन उम्र बढ़ने के साथ कोलेजन बनना कम हो जाता है, जिसके चलते झुर्रियां पड़ने लगती है और जो कोलेजन मौजूद होते हैं वह भी सूर्य की हानिकारक किरणों के कारण नष्ट हो जाते हैं, इसलिए कोलेजन युक्त उत्पादों का इस्तेमाल करें. इससे आपकी त्वचा में कसाव और चमक आएगी और झुर्रियां और महीन रेखाएं खत्म हो जाएंगी.एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 एक प्रकार से न्यूरोपेप्टाइड होता है, जिसका इस्तेमाल मांसपेशियों को आराम देने के लिए किया जाता है.

यह झुर्रियां और महीन रेखाएं भी दूर करता है, इसलिए एसेटिल हेक्सेपेप्टाइड-8 युक्त सौंदर्य उत्पाद का इस्तेमाल करें.शरीर में कोलेजन बनना कम होने से झुर्रियां पड़ने लगती है, जबकि अत्यधिक कोलेजन से त्वचा ढीली होने लगती है.

ऐसे में हायलारोनिक युक्त उत्पाद का प्रयोग त्वचा में एसिड कोलोजन के स्तर को उचित मात्रा में बनाए रखता है और त्वचा में नमी बरकरार रखता है. इससे आपकी त्वचा जवां नजर आती है.ग्लाइकोलिक एसिड गन्ने के रस से निकलता है. यह अल्फा हायड्रॉक्सी समूह के सबसे छोटे अणुओं में से एक है. यह त्वचा में गहराई से समाकर प्रभावकारी असर दिखाता है, ग्लाइकोलिक एसिड युक्त उत्पाद के इस्तेमाल से काले धब्बे, मुंहासे, डलनेस, ऑयलीनेस दूर होता है और आपकी त्वचा पहले से ज्यादा जवां और निखरी नजर आती है.

इस छोटी सी ट्रिक से मिलेगा अनचाहे बालों से छुटकारा

यूं तो महिलाएं बॉडी के अनचाहे बालों से परेशान रहती ही हैं लेकिन सबसे ज्यादा उन्हें परेशानी होती है चेहरे पर आने वाले अनचाहे बालों से. लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं. आप आसानी से चेहरे के अनचाहे बालों को हमेशा के लिए अलविदा कह सकती हैं. लेकिन इसके लिए अपनानी होगी ये ट्रिक.

सबसे पहले आप 1 टेबल स्पून ओटमील पेस्ट लें. 2 टेबल स्पून शहद लें और 2 टेबल स्पून नींबू का रस लें.

इन सभी को मिलाकर पेस्ट बना लें. इस पेस्ट को चेहरे के उन हिस्सों पर लगाएं जहां आप अनचाहे बालों को हटाना चाहते हैं.

इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट तक लगा रहने दें.15 मिनट बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें.उसके बाद चेहरे पर मॉश्चराइजर लगाएं.इस नुस्खे को सप्ताह में दो से तीन बार अपनाएं. एक महीने बाद आप खुद देखेंगे अनचाहे बाल आने बंद हो गए हैं.

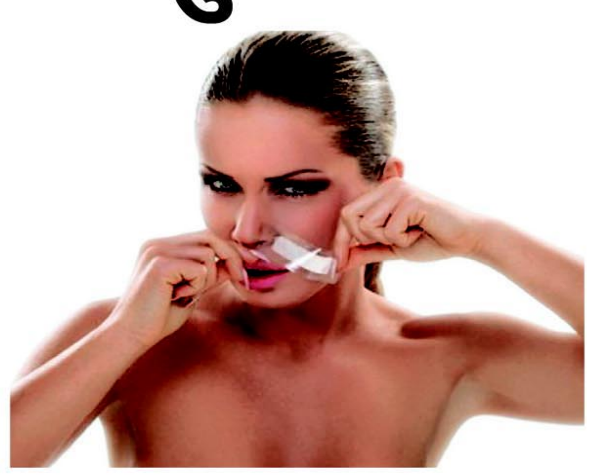

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**